सेंसेक्स	~	82,184.17
निफ्टी	~	25,062.10
सोना	~	1,00,970
चांदी	~	1,18,000
डॉलर	~	86.40

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शुक्रवार 25 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 300
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

हुमा कुरैशी की फिल्म बयान टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 के लिए चयनित

मुंबई। अभिनेत्री हुमा कुरैशी की थ्रिलर फिल्म बयान को प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2025 के लिए आधिकारिक तौर पर चुन लिया गया है। हुमा ने चयन पर अपनी खुशी व्यक्त की, खासकर इसलिए क्योंकि फिल्म ने उन्हें एक सशक्त महिला किरदार निभाने का मौका दिया है, जो न्याय व्यवस्था की बड़ी ताकतों के खिलाफ खड़ी होती है। उन्होंने एक ऐसी कहानी को पेश करने वाली समर्पित और निडर टीम के साथ काम करने पर भी संतोष जताया।

बस खाई में गिरी,8 की मौत

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी में गुरवार सुबह हिमाचल पथ परिवहन निगम की एक बस 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से 25 यात्री घायल हुए। एसपी मंडी ने 8 लोगों की मौत की पुष्टि की है। मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। घायलों को स्थानीय पुलिस व ग्रामीणों की मदद से खाई से निकालकर सरकाघाट अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल 3 लोगों को एम्स बिलासपुर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि बस गुरुवार सुबह करीब 10 बजे जामनी से सरकाघाट की ओर आ रही थी। इस दौरान सरकाघाट-जमनी-दुर्गापुर सडक् पर मसेरन तालगरा के पास अचानक बस बेकाबू होकर खाई में गिर गई।

गुरुग्राम में 8 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम में पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे विदेशियों की जांच के दौरान आठ बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। इन लोगों ने जो भारतीय दस्तावेज दिखाए, वे जांच में फर्जी पाए गए। अब इन्हें उनके देश वापस भेजने (डिपोर्ट करने) की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभी करीब 200 और संदिग्ध लोगों की जांच चल रही है, जिनमें और भी बांग्लादेशी नागरिक मिलने की आशंका है। यह पूरा अभियान गृह मंत्रालय के आदेश पर चलाया जा रहा है, जिसमें पुलिस एक महीने से दस्तावेजों की जांच कर रही है। संदिग्धों को पकडक़र होल्डिंग सेंटर भेजा जा रहा है और उनके कागज संबंधित जिलों के डीएम और एसपी से वेरिफाई कराए जा रहे हैं। जिनके दस्तावेज सही मिलते हैं, उन्हें छोड़ दिया जाता है, लेकिन जिनके फर्जी मिलते हैं, उन्हें डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है।

अभिनेता दर्शन के मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले पर नाराज हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में अभिनेता दर्शन को कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा दी गई जमानत रद्द करने संबंधी कर्नाटक सरकार की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा। जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा है। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट भड़क उठा। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश की आलोचना कर कहा कि यह प्रथम दृष्टया विवेकाधिकार के विकृत प्रयोग का सवाल है। हम यह जांचने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या हाई कोर्ट ने विवेकाधिकार का प्रयोग करते हुए अपने दिमाग का इस्तेमाल किया है?

मानसून सत्र के चौथे दिन बिहार चुनाव में विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में विपक्ष का जोरदार हंगामा...सांसदों ने नारेबाजी की और पोस्टर लहराए

लोकसभा 12, राज्यसभा 1.45 मिनट चली

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का गुरुवार को चौथा दिन है। सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामले पर हंगामा करने लगे। कांग्रेस सहित कई विपक्षी सांसद वेल में आकर पोस्टर लहराने लगे। स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि तख्तियां लेकर आने पर सदन नहीं चलेगा। उन्होंने कांग्रेस सांसदों से कहा कि ये आपके संस्कार नहीं हैं। हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही आज सिर्फ 12 मिनट चल सकी। इसे शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही सिर्फ 1:45 मिनट चल पाई। उधर संसद के बाहर मकर द्वार पर बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामले पर लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन किया गया। सोनिया गांधी भी इसमें शामिल हुईं। प्रियंका गांधी ने खतरे में लोकतंत्र लिखा पोस्टर लहराया। राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं ने बिहार में स्ढ्ढक्र मुद्दे पर सदन में हंगामा किया। जिसके बाद सदन को शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। दोपहर 2 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने फिर हंगामा कर दिया। जिसके बाद सदन को शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, विपक्ष और खासकर कांग्रेस सदन को चलने नहीं दे रही है। वे बाहर आकर कहते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है, लेकिन वे सदन में चर्चा में भाग नहीं लेते, इसका क्या मतलब है? हम चर्चा के लिए तैयार हैं, वे चर्चा से भाग रहे हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा, SIR हमारे देश की नींव को नुकसान पहुंचा रहा है क्योंकि, जब आप पिछले 70 सालों की विरासत को देखते हैं, तो हर बार बुनियादी चुनावी सुधारों में संशोधन किया गया है, नए लोगों को केवल अपना पहचान पत्र दिखाने की आवश्यकता होती है। आज जेडी(यू) सांसद गिरधारी यादव ने भी दावा किया कि उन्होंने सभी दस्तावेज जुटाने में काफी समय लग रहा है, सोचिए आम लोगों की स्थिति क्या होगी।

सरकार बता दें, एसआईआर पर चर्चा करेंगे या नहीं

बिहार में पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, हम पिछले 3 दिनों से मांग कर रहे हैं कि एसआईआर पर चर्चा हो, लेकिन अभी तक भाजपा के मंत्री की ओर से एक भी जवाब नहीं आया है। हम उनसे बस यह पूछना चाहते हैं कि एसआईआर पर चर्चा होगी या नहीं। हां या नहीं, एक बार उनका जवाब आ जाए, तो सदन की कार्यवाही शुरू हो सकती है।

बिहार में तेजस्वी ने पहले ही हार मान ली

बिहार एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के विरोध पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि 0 अगर वे (तेजस्वी यादव) चुनाव बहिष्कार की बात कर रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वे हार मान रहे हैं। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पटना में बुधवार शाम कहा था कि विपक्ष विधानसभा चुनाव का बायकॉट कर सकता है। इसे लेकर महागठबंधन की सभी पार्टियों के बीच विचार करेंगे।

तख्तियां-नारेबाजी कांग्रेस के संस्कार नहीं

विपक्ष बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर विरोध कर रहा है। संसद के मानसून सत्र में भी इस मुद्दे पर खूब हंगामा हो रहा है। गुरुवार को भी कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने संसद की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा किया तो इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नाराज हो गए। उन्होंने कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के संस्कार ऐसे नहीं हैं।

राज्यसभा के 5 सांसदों का कार्यकाल खत्म

राज्यसभा के 5 सांसदों का कार्यकाल आज खत्म हो रहा है। इनमें एम मोहम्मद अब्दुल्ला, एन चंद्रशेखरन, एम षणमुगम, वाइको, पी विल्सन शामिल हैं। पांचों सांसदों ने सदन में विदाई भाषण दिया।

सत्ता पक्ष के लोग सदन नहीं चलाना चाहते- प्रियंका गांधी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाया है कि वे ही सदन नहीं चलाना चाहते। उन्होंने कहा कि सदन में विपक्ष नेताओं को बोलने नहीं दिया जाता। प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी ने अन्य विपक्षी सांसदों के साथ संसद परिसर में बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले पर विरोध प्रदर्शन भी किया। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि जब भी विपक्ष के नेता सदन में बोलना चाहते हैं तो उन्हें बोलने की इजाजत नहीं दी जाती। हम चर्चा की मांग कर रहे हैं और उन्हें ये मांग माननी चाहिए। बीते सत्र में मैं ये देखकर हैरान रह गई कि सत्ता पक्ष ने सदन में हंगामा शुरू किया। उन्होंने एक मुद्दे को पकड़ा ताकि विपक्ष उस पर प्रतिक्रिया दे। जिससे हंगामा हुआ और सदन की कार्रवाई स्थगित हो गई। अगर ये उन्हें सही लगता है तो फिर ठीक है।

तमाम अटकलों के बीच माना जा रहा कि अब भाजपा से ही होगा अगला उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे के बाद ये पद खाली है। अब लोग मानकर चल रहे हैं कि जो भी उपराष्ट्रपति बनेगा वो भाजपा से ही बनेगा। जेडीयू के नेता रामनाथ ठाकुर की दावेदारी की अटकलें निराधार हैं। भाजपा नेतृत्व इस पद के लिए ऐसे व्यक्ति को चुनना चाहता है जो पार्टी की मूल विचारधारा के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ हो। रामनाथ ठाकुर के नाम की चर्चा को पूरी तरह खारिज करते हुए बताया गया कि हाल ही में भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से हुई उनकी मुलाकात महज एक औपचारिक बातचीत थी। उस दौरान कई अन्य सांसदों ने भी नड्डा से भेंट की थी। जेडीयू और भाजपा के बीच इस पद को लेकर कोई विशेष संवाद नहीं हुआ है।

हालांकि, बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह चर्चा जरूर गर्म है कि भाजपा इस पद पर किसी बिहारी नेता को लाकर बड़ा सियासी संदेश देना चाहती है। इसी कड़ी में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम भी सामने आ रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि धनखड़ के इस्तीफे से रास्ता साफ हो सकता है जिससे नीतीश कुमार को उपराष्ट्रपति बनाया जाए और चुनाव से पहले उन्हें केंद्र की राजनीति में सम्मानजनक स्थान देकर बिहार में राजनीतिक समीकरणों को साधा जा सके।

भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर ने कहा, अगर नीतीश कुमार को उपराष्ट्रपति बनाया जाता है तो यह बिहार के लिए बहुत अच्छा होगा। भाजपा के लिए बिहार विधानसभा चुनाव बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि पार्टी ने राज्य में कभी अपने दम पर सरकार नहीं बनाई है। ऐसे में अगर नीतीश को केंद्र में लाया जाता है तो राज्य की राजनीति में भाजपा को खुला स्पेस मिल सकता है और एनडीए की एकता का संदेश भी जाएगा। इस बीच, धनखड़ के इस्तीफे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही जेडीयू के ही हरिवंश नारायण सिंह संभाल रहे हैं, जो 2020 से राज्यसभा के उपसभापति हैं।

दो बड़े मंत्री धनखड़ को लगाते रहे फोन, इसके बाद भी नहीं बनी पाई बात!

जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे के बाद अटकलों का दौर जारी है। हालांकि, उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ा है, लेकिन इस फैसले की टाइमिंग को लेकर विपक्ष सरकार को घेर रहा है। अब खबरें हैं कि राज्यसभा में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग लाने वाले विपक्ष के नोटिस को स्वीकारने के कुछ देर बाद ही दो बड़े केंद्रीय मंत्रियों ने धनखड़ से बात की थी।

खबर है कि राज्यसभा में सोमवार को दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर हुई बीएसी यानी बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की पहली मीटिंग के बाद हुआ था। जहां शाम 4 बजकर 30 मिनट पर हुई दूसरी बीएसी मीटिंग में नेताओं ने नहीं जाने का फैसला किया था। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया था कि राज्यसभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू के फैसले से सरकार हैरान थी। खबर है कि सरकार इस प्रक्रिया को लोकसभा के जरिए करना चाहती थी।

बिहार में अभी तक 61 लाख मतदाता नहीं मिले - चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि बिहार में अभी तक 61.1 लाख ऐसे मतदाता हैं, जो नहीं मिले है। ऐसे में इन्हें हटाया जा सकता है। यह बदलाव आने वाले 2025 विधानसभा चुनावों पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है। चुनाव आयोग के अनुसार अब तक 99त्न मतदाताओं तक आयोग पहुंचा है। कुल 7.9 करोड़ मतदाताओं में से 7.21 करोड़ ने नामांकन फॉर्म जमा कर दिए हैं और उनका डिजिटलीकरण हो चुका है। केवल 7 लाख मतदाताओं ने अभी तक अपने फॉर्म नहीं लौटाए हैं। फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 25 जुलाई है। चुनाव आयोग के आंकड़े के अनुसार औसतन बिहार की 243 विधानसभा सीटों में प्रति क्षेत्र 25,144 नाम हट सकते हैं। इसका बिहार में आने वाले दिनों में विधानसभा चुनाव पर भी असर पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई ब्लास्ट के आरोपियों को बरी करने पर लगाई रोक, पर रिहाई नहीं रुकेगी

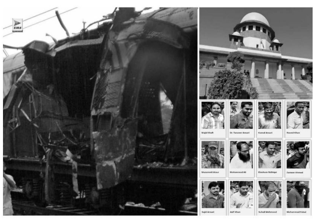

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। महाराष्ट्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा, बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से आरोपियों की जेल से रिहाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। बता दें कि ट्रेन ब्लास्ट केस में 13 लोग आरोपी थे। 12 सभी रिहा हो गए हैं। एक आरोपी की मौत हो गई है। 11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटेश्वर सिंह की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार की उस दलील को स्वीकार किया जिसमें कहा गया था कि हाईकोर्ट का फैसला राज्य में महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट के तहत चल रहे अन्य मामलों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने संक्षिप्त आदेश में कहा, हम मानते हैं कि यह फैसला नजीर के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाए। अत: इस पर रोक लगाई जाती है।

अनिल अंबानी के ठिकानों पर ईडी की छापामार कार्रवाई, 50 कंपनियों की जांच जारी

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को उनके रिलायंस ग्रुप से जुड़ी कई कंपनियों और अधिकारियों के ठिकानों पर बड़ी छापामार कार्रवाई की है। यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है। ईडी ने यह कार्रवाई दिल्ली और मुंबई में एक साथ अंजाम दी है।

जानकारी अनुसार ईडी की टीमें अनिल अंबानी समूह से जुड़ी करीब 50 कंपनियों और 35 स्थानों पर जांच कर रही हैं। एजेंसी के रडार पर 25 से अधिक व्यक्ति भी हैं, जिनमें ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

हालांकि अनिल अंबानी के निजी आवास पर छापा नहीं पड़ा है। ईडी की यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसके प्रमोटर अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित किया था। छापेमारी की यह कार्रवाई यस बैंक से लिए गए 3,000 करोड़ रुपये के कर्ज घोटाले से जुड़ी बताई जा रही है।

जांच एजेंसी को सीबीआई द्वारा दर्ज दो एफआईआर, सेबी, नेशनल हाउसिंग बैंक, एनएफआरए और बैंक ऑफ बड़ौदा सहित अन्य वित्तीय संस्थानों से मिले इनपुट के आधार पर कार्रवाई करनी पड़ी। ईडी का दावा है कि सार्वजनिक धन के दुरुपयोग, निवेशकों और बैंकों को गुमराह करने और फंड डायवर्जन के स्पष्ट सबूत मिले हैं। इस मामले में अब और गिरफ्तारियां व पूछताछ की संभावना जताई जा रही है। यह कार्रवाई अनिल अंबानी के कारोबारी साम्राज्य पर एक बड़ा झटका मानी जा रही है। जांच के बाद आने वाले दिनों में और खुलासे हो सकते हैं।

हरियाली अमावस्या और जिवती पर्व पर विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

फसलों की सुरक्षा और खुशहाली की मांगी गई मन्नते, जगह जगह निभाई गई पारामपरिक परम्परा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में गुरुवार को हरियाली अमावस्या और जिवती पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। हरियाली अमावस्या और जिवती पर्व की सबसे अधिक धूम ग्रामीण अंचलों में देखने को मिली।जहां मुख्ता- कृषि कार्य बंद रहे, तो वही किसानों ने फसलों की सुरक्षा और खुशहाली के लिए मन्नते मांगी।

मुख्यत: किसानों से जुड़ा है जिवती पर्व

बताया गया कि हरियाली अमावस्या जिवती मुख्यता किसानों का प्रमुख त्योहार है।हरियाली अमावस्या में जिवती का पर्व मनाया जाता हैं।जो ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे वर्ग से जुड़ा हैं जो इस दिन घर-घर जाकर जिवती लगाने का कार्य कर सिजा (दक्षिणा) प्राप्त करते हैं।खासकर नाई, बढ़ई, सुनार, लोहार, ढीमर सहित कुछ ऐसे खास वर्ग के लोग इस त्योहार को बहुत ही धूमधाम के साथ मनाते है।

किसानों ने अच्छी फसल की मांगी मन्नते

बताया गया कि किसानों द्वारा भी इस पर्व को कई मान्यताओ के साथ मनाया जाता है। इस दिन वे मवेशियों खासकर बैलों को खेत की जुताई करने के लिये लेकर नहीं जाते, सुबह बैलो को विशेष भोजन कराकर पांव पखारन किया जाता है। इस दिन खेत व खलियान में धन-धान्य की मंगलकामनाए की जाती है।वही फसलों को सुरक्षित रखने के लिये किसान प्रार्थनाए करते है।जो इस वर्ष भी ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिला। बताया गया कि हिंदु धर्मावलंबियों में अखाड़ी अर्थात गुरूपूर्णिमा के पहले त्योहार के पश्चात हरियाली अमावस्या दूसरा प्रमुख त्योहार कहलाता हैं।जिसे ग्रामीण अंचलों में धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। जहां प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी गुरुवार को वर्षों से चली आ रही इसी परंपरा को भक्ति भाव के साथ निभाया गया।

वृक्षारोपण के साथ मनाया गया हरियाली महोत्सव

प्रकृति को एक नया रूप देने वाली हरियाली अमावस्या पर अबकी बार दुर्लभ संयोग बना हैं। इस साल की हरियाली अमावस्या पर एक साथ 03 उत्सवों का विशेष संयोग देखने को मिला।जहां गुरुवार को हरियाली अमावस्या, जिवती और शनि जन्मोत्सव भी एक साथ मनाया गया। जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली हरियाली अमावस्या का महत्व तीगुना हो गया है।

धार्मिक मान्यताओं के साथ किए गए अनुष्ठान

धार्मिक मान्यतानुसार जो भी व्यक्ति इस दिन पौधरोपण करता है। वो सारे कष्टों और दोषों से मुक्त हो जाता है, चंद्रमास गणना के अनुसार हरियाली अमावस्या का दिन पर्यावरण का दिन माना जाता है। इस दिन अपने नक्षत्र के अनुसार पौधारोपण करना उनकी सेवा एवं सुरक्षा के संकल्प लेने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है, इसके साथ ही पितृदोष की शांति स्वास्थ्य लाभ, धन ऐश्वर्य की वृद्धि भी होती है। जिसे ध्यान में रखते हुए धर्मावलंबियों द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर विभिन्न अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

एक महिला चलती मोटरसाइकिल से गिरने से घायल

बैहर थाने के गढ़ी रोड पर हुई दुर्घटना

घायल महिला मालती बाई जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना अंतर्गत गढ़ी रोड पर स्थित कोहका ढाबा के पास एक महिला चलती मोटरसाइकिल से गिरने से घायल हो गई। घायल महिला मालती बाई पति करन सिंह मेंरावी 40 वर्ष ग्राम मुक्की थाना बैहर निवासी है जिसे बैहर अस्पताल से जिला अस्पताल

बालाघाट रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मालती बाई के परिवार में पति करनसिंह मेरावी एक बड़ी बेटी 18 वर्ष की है जो आमगांव स्कूल में पढ़ती है। और एक बेटा दसवीं पड़ता है। मालती बाई मेरावी अपने पति करनसिंह मेरावी के साथ मजदूरी करती है। बताया गया कि 24 जुलाई को मालती बाई अपने रिश्तेदार रमेश धुर्वे ग्राम बम्हनी फाटा निवासी के साथ मोटरसाइकिल में बैहर अपने बेटे के लिए मोबाइल खरीदने के लिए आई थी और मोबाइल खरीदने के बाद 2:00 बजे करीब मालती बाई अपने रिश्तेदार रमेश धुर्वे के साथ मोटरसाइकिल में पीछे बैठकर अपने घर मुक्की जा रही थी। तभी अचानक कोहका ढाबा के पास मालती बाई चलती मोटरसाइकिल से गिर गई जो सिर में चोट लगने से घायल हो गई । जिसे बैहर के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद मालती बाई को बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सूर्य पुत्र श्री शनि देवजी का जन्मोत्सव

131 वे जन्मोत्सव पर मंदिर में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी सूर्यपुत्र श्री शनिदेव जी का जन्मोत्सव हरियाली अमावस्या, व जिवती पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसके तहत जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।हरियाली अमावस्या के इस दिन भगवान सूर्यदेव के पुत्र शनिदेव का जन्मोत्सव होने पर गुरुवार को शनि मंदिरों में भक्तों का जनसैलाब देखने को मिला।जिन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर शनिदेव जी का धूमधाम के साथ जन्मोत्सव मनाया और शनिदेव से हर बला को दूर करने की प्रार्थना की गई। जिले के साथ साथ नगर मुख्यालय में स्थित एकमात्र शनिदेव मंदिर में जन्मोत्सव के अवसर पर विविध कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहा शनि जन्मोत्सव के दौरान भक्तों की भारी उपस्थिति और बरसात को देखते हुये मंदिर परिसर के बाहर त्रिपाल लगाकर बड़े पंडाल की व्यवस्था की गई।तो वही मंदिर को आकर्षक फूलों व रौशनी से सजाकर सुबहा से लेकर देर रात तक विभिन्न अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

इन कार्यक्रमों के हुए आयोजन

नगर के नया सराफा बाजार स्थित प्राचीन शनि मंदिर देवस्थान में सूर्यपुत्र श्री शनि देवजी का 131 वा जन्मोत्सव एवं तेल अभिषेक 24 जुलाई गुरुवार हरियाली अमावस्या पर आनंद पूर्वक भक्ति भाव के साथ मनाया गया।जहां सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।इस दौरान प्रातः 7 बजे श्री शनिदेव का पुष्प श्रृंगार एवं महाआरती की गई, प्रातः 7ः30 बजे से श्री शनि देव का तेलाभिषेक, प्रातः 10ः30 बजे से नवग्रह पूजन व शनि शांति हवन, दोपहर 1 बजे से श्री शनि देव जी का भंडारा एवं महाप्रसाद वितरण किया गया।वही दोपहर 3 बजे महिलाओं द्वारा भजन कर ,शाम को भगवान श्री शनि देवजी का हर्षोल्लास के साथ जन्मोत्सव मनाया गया।तो रात्रि 8 बजे शनि देव भगवान का जन्म एवं महाआरती कर रात्रि 9ः30 बजे से श्री शनि देव जागरण की विशेष प्रस्तुति दी गई जो देर रात तक चली।इसके अलावा अन्य कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जो सुबहा से लेकर देर रात चले।जिसमे भक्तों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।जिन्होंने शनिदेव जी से मनोकामनाओ की पूर्ति के लिए मन्नते मांगी।

विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन-श्री जोशी,

श्री शनि देव जी के 131 वे जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमो को लेकर की गई चर्चा के दौरान शनि मंदिर पुजारी पंडित श्री जोशी ने बताया कि सावन हरियाली अमावस्या में शनि जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है।जो आज गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है।सभी श्रद्धालुओं ने शनिदेव जी के जन्मोत्सव पर महाआरती, तेल अभिषेक, हवन पूजन भंडारा एवं शनि जागरण में सह परिवार उपस्थित रहकर शनि देव जी के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया है।सुबहा से ही विभिन्न कार्यक्रम शुरू है।जिसमे शामिल होने भक्तों की तादात लगातार बढ़ रही है।हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह आयोजन व्रहद पैमाने पर किया गया है।

काशीराम मोहारे की हत्या जादू टोना के शक में की गई थी

हत्या के आरोप में संजय मोहारे और राजेंद्र मोहारे गिरफ्तार, दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जिला जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाला ग्राम सिहोरा में काशीराम मोहारे 65 वर्ष की जादू टोना करने के शक में हत्या की गई थी । ग्रामीण पुलिस ने काशीराम मोहारे की हत्या करने के आरोप में दोनों आरोपी संजय पिता प्रेमलाल मोहारे 30 वर्ष और राजेंद्र उर्फ गुल्लू पिता तिलक चंद्र मोहारे 32 वर्ष दोनों ग्राम सिहोरा निवासी को गिरफ्तार कर लिए और उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम सिहोरा में काशीराम मोहारे पर कुछ लोग जादू टोना करने का शक करते थे। संजय मोहारे लंबे समय से बीमार चल रहा था और उसे शक था की काशीराम मोहारे के जादू टोना के कारण वह बीमार रहता है। राजेंद्र मोहारे के पिता रामचंद्र मोहारे की पूर्व मृत्यु हो गई थी। वह भी काशीराम मोहारे के जादू टोना के कारण अपने पिता की मृत्यु होने का शक करता था। इसी जादू टोना को संजय मोहारे और राजेंद्र मोहारे की काशीराम मोहारे से रंजिश बनी हुई थी और दोनो काशीराम मोहारे को रास्ते से हटाने के ताक में रहते थे। 22 जुलाई की रात्रि 8ः30 बजे करीब जब काशीराम मोहारे अपने खेत से घर जाने के लिए गांव से चौक तरफ आया था। तभी मोके की ताक में बैठे संजय मोहारे और राजेंद्र मोहारे ने काशीराम मोहारे पर लाठी कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिये।लाठी और कुल्हाड़ी का वार काशीराम मोहारे के सिर में लगने से वह गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया था। खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और घायल बेहोश काशीराम मोहारे को तुरंत ही प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां से उन्हें बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर किया गया था ।गंभीर रूप से घायल काशीराम मोहारे को गोंदिया के एक निजी अस्पताल से उपचार करवाने के बाद जब

परिवार के लोग उसे नागपुर ले जा रहे थे। तभी काशीराम मोहारे की रास्ते में मौत हो गई। जिसकी लाश वापस बालाघाट लाई गई ।23 जुलाई को ग्रामीण थाने की पुलिस ने काशीराम मोहारे की लाश का पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए वही काशीराम मोहारे की हत्या करने के आरोप में संजय मोहारे और राजेंद्र मोहारे के विरुद्ध धारा 103 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध किये। घटना के बाद से दोनों आरोपी फरार थे। तलाश पतासाजी के दौरान ग्रामीण पुलिस ने संजय मोहारे और राजेंद्र मोहारे को खुरसोड़ी बस स्टॉप में उस समय गिरफ्तार कर लिए जब दोनों बस से भागने की फिराक में रात के अंधेरे में छुपे हुए थे। 24 जुलाई को ग्रामीण पुलिस ने संजय मोहारे और राजेंद्र मोहारे को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। इस कार्रवाई में ग्रामीण थाना प्रभारी और उनके समस्त पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों सराहनीय भूमिका रही।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का बालाघाट आगमन आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल का 25 जुलाई को बालाघाट आगमन हो रहा है। मंत्री श्री पटेल 24 जुलाई को रात्री 09 बजे नई दिल्ली से वायुयान द्वारा नागपुर के लिए प्रस्थान करेंगें और रात्री 1055 बजे नागपुर पहुंचेंगें। मंत्री श्री पटेल नागपुर से रात्री 11 बजे बालाघाट के लिए प्रस्थानन करेंगें और 25 जुलाई को प्रातः 130 बजे बालाघाट पहुंचेंगें।

बेटी के घर मेहमानी में आया पिता लापता

बैहर पुलिस अघनसिह की कर रही है तलाश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बनोरा बेटी के घर मेहमानी में आए एक व्यक्ति लापता हो गया। यह व्यक्ति अघनसिंह तेकाम 60 वर्ष ग्राम कोयलीखापा गढ़ी निवासी है। जो बैहर से बस में अपने घर जाने निकला था किंतु घर नहीं पहुंचा। जिसकी बेटी दुर्गेश्वरी पति मनोज उइके ग्राम बिनोरा निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर बैहर पुलिस द्वारा गुम इंसान कायम कर इस व्यक्ति की तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बिनोरा निवासी दुर्गेश्वरी उइके घरेलू काम करती है। जिनका मायका ग्राम कोयलीखापा गढ़ी का है। 18 जुलाई को दुर्गेश्वरी का पिता

अघनसिंह टेकाम अपने गांव कोयलीखापा से ग्राम बिनोरा अपनी बेटी दुर्गेश्वरी उइके के घर मेहमानी में आए थे।दो दिन बेटी दुर्गेश्वरी के घर रहने के बाद 20 जुलाई को अघन सिंह ने अपनी बेटी को घर जाने के लिए बोला था। तब दुर्गेश्वरी का भांजा धर्मेंद्र इनवाती ने अघनसिंह को शाम 5ः00 बजे बैहर बस स्टैंड लाकर छोड़ दिया था। शाम को दुर्गेश्वरी ने अपने मायके कोयली खापा फोन लगाकर पिता अघनसिंह के घर आने के संबंध में पूछी, तब उसके भाई गोकुल तेकाम ने बताया कि पिताजी अभी तक घर नहीं पहुंचे हैं। जिनके पास दुर्गेश्वरी ने अपने परिवार के साथ बैहर आकर शास्त्री बस वालों से अपने पिता अघनसिह तेकाम के संबंध में पूछताछ किये तो बस वालों ने बताएं कि अघनसिह तेकाम बस में नहीं आए हैं। जिसके बाद दुर्गेश्वरी ने अपने पिता अघन सिंह की रिश्तेदारी गांव आमगांव केवलारी मुक्की मंडई परसवाड़ा फोन लगाकर पूछे किंतु यहां पर भी अघनसिह तेकाम के नहीं आने के सम्बंध में बताये। दो दिन अघनसिह तेकाम की तलाश करने के बाद भी वह नही मिला । 23 जुलाई को दुर्गेश्वरी ने अपने पति मनोज उइके के साथ बैहर थाना आकर अपने पिता अघन सिंह तेकाम के के गुम होने की रिपोर्ट की थी। बैहर पुलिस ने गुम इंसान 44/2025 कायम किये। अघन सिंह का हुलिया ऊंचाई 5 फीट 3 इंच रंग सांवला, बाये नाक के ऊपर चोट के निशान जो कथई कलर का शर्ट, काले रंग का पैंट पहने हुए है।पीला रंग का गमछा, अपने पास काले रंग का बैग रखे हुए है। पुलिस द्वारा अघनसिंह तेकाम की तलाश पताशाजी की जा रही है। जिले वासियों से अघन सिंह की तलाश में सहयोग की अपेक्षा की है।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै टानिक सिंह मरकाम, पिता श्री सुमारन सिंह मरकाम निवासी वार्ड न.1 रेलवाही तह. बैहर जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुँ। मेरे सभी दस्तावेज जैसे कि- आधार कार्ड पेन कार्ड, परिचय पत्र, एवं अन्य सभी दस्तावेजो में मेरे पिताजी का नाम सुमारन सिंह मरकाम दर्ज है।

किन्तु मेरे ड्रायविंग लाइसेंस मे त्रुटिवश मेरे पिता का नाम सुमरन मरकाम दर्ज हो गया है जो कि मेरे अन्य दस्तावेजो मे दर्ज नाम से अलग है।

अत: मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में मेरे पिता का नाम सुधार करवाकर सुमारन सिंह मरकाम करवाना चाहता हूँ।

प्रेषक
टानिक सिंह मरकाम
पिता सुमारन सिंह मरकाम
वार्ड नं 01 रेलवाही तह. बैहर जिला बालाघाट (म.प्र.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बालाघाट, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष /फेक्स कमांक 07032-241318/247101, ईमेल- cmobalaghat@mpurban.gov.in

क्रमांक / राज.शा./न.पा.प/2025/4371, बालाघाट दिनांक-24/07/2025

आम-सूचना

सर्व साधारण भवन/भुमि स्वामियों को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 134 के अधीन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग भोपाल द्वारा नगरपालिका बालाघाट **GIS** सर्वेक्षण संपत्ति का किया गया है। जिसके संबंध सर्वेक्षण सूची नगरपालिका कार्यालय के राजस्व शाखा में अवलोकनार्थ रखी गई है।

कृपया सूची में अपने भवन / भुमि में कमी एवं बढोत्तरी हुई है। उसके संबंध में सूचना प्रकाशन दिनांक 24/07/2025 से नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 137 के अंतर्गत दावा/आपत्ति आमंत्रित की जाती है। जिस किसी करदाता को उक्त अपने मकान/भुमि में दावा/आपत्ति करना चाहता है वह प्रकाशन के 30 दिवस में अपने मकान / भुमि के संबंध दावा / आपत्ति लिखित में दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। मौखिक रूप से कोई दावा/आपत्ति मान्य नहीं जावेगी।

यदि सूचना प्रकाशन के 30 दिवस उपरांत कोई लिखित दावा/आपत्ति प्रस्तुत नहीं की जाती है। तब **GIS** सर्वेक्षण निकाय का दावा मान्य किया जाकर कर वसूली की कार्यवाही की जावेगी।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट(म.प्र.)

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/2974/अति.कले./वि.अधि/2025 बालाघाट दिनाक 14/05/2025

आम-सूचना

विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अन्तर्गत विशेष/अर्न्तजातीय विवाह हेतु आवेदकगण आवेदक पवन कुमार खण्डाईत पिता श्री तुलसीराम खण्डाईत उम्र 33 वर्ष जाति कंडरा निवासी वार्ड नं0 10 भटेरा रोड बालाघाट तह0 व जिला बालाघाट (म0प्र0) एवं आवेदिका रितु यादव पिता श्री संतोष यादव उम्र 21 वर्ष जाति अहिर निवासी ग्राम रसोट तह0 पलारी जिला बलौद बाजार (छ0ग0) ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है. जिसमें विशेष विवाह हेतु सुनवाई दिनाक 29/07/2025 को नियत की गई है।

अत: उक्त विवाह के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनाक 27/07/2025 तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रात: 10:00 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी,जिला बालाघाट (म.प्र.)

आवश्यकता है
कम्प्यूटर आपरेटर-2 पद
शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान-योग्यतानुसार
आफिस ब्वाय-1 पद
योग्यता-न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण
वेतनमान-योग्यतानुसार
मिलने का पता-वार्ड नं. 14 गंगोत्री कालोनी वारासिवनी तह वारासिवनी जिला बालाघाट
समय -दोपहर 12 से शाम 6 बजे समय
-संपर्क करें-
मो. 9584968038

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य के लिये कर्मचारी की आवश्यकता है
कम्प्यूटर ज्ञान आवश्यक है
वेतनमान-योग्यतानुसार
वारासिवनी के आसपास के ही सम्पर्क करें
पता-श्री फाइनेंस वारासिवनी
मों.नं. 9329595770

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

भरवेली पंचायत में तख्तापलट का फैसला आज?

सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर होगा मतदान, 20 में से 13 पंच, सरपंच के खिलाफ जाता चुके हैं अविश्वास, तख्तापलट के लिए चाहिए 14 मत, विपक्ष के पास महज 13,

फिलहाल सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन का पक्ष मजबूत, अंडरग्राउंड हुए दोनों पक्ष अपने-अपने समर्थकों को लेकर आज पहुंचेंगे पंचायत भवन, चुनाव में लेंगे हिस्सा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से महज 5 किमी दूर ग्राम पंचायत भरवेली में बुलाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर आज अंतिम मोहर लग जाएगी।जहां आज सरपंच के खिलाफ बुलाए गए अविश्वास प्रस्ताव के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में मतदान कराया जाएगा।जहां मतदान सम्पन्न कराकर इस प्रकिया को गोपनीय रख मतदान के सील बंद दस्तावेज अनुविभागीय अधिकारी को प्रस्तुत किए जाएंगे।जहां से भरवेली पंचायत में सरपंच पर विश्वास और अविश्वास का फैसला होंगा।यदि सरपंच के खिलाफ अविश्वास पर अधिक मत पड़ते है।तो पंचायत में तख्तापलट हो जाएगा।उधर सरपंच के पक्ष में अधिक मत पड़ने पर, सरपंच की कुर्सी बरकरार रहेगी।यदि वर्तमान आंकड़ो पर गौर किया जाए तो उपसपंच राजेंश बाहेश्वर के पास 13 पंच है, जबकि अविश्वास के लिए उन्हें 14 पंचो के मतों की जरूरत है।जबकि नियमानुसार सरपंच श्रीमती गीता बिसेन को महज 06 पंचो के मतों की आवश्यकता है।जबकि उनके पास स्वयं को मिलाकर वर्तमान समय मे 7 पंच है।इस हिसाब से सरपंच गीता बिसेन का पक्ष मजबूत नजर आ रहा है।लेकिन यदि पक्ष- विपक्ष के बीच क्रास वोटिंग हुई तो समीकरण बदल जाएगा।जिसका डर दोनो पक्षों को सता रहा है।

दोनों पक्ष अंडरग्राउंड, आज मतदान करने पहुंचेंगे पंचायत

भरवेली पंचायत में तख्तापलट की कोशिशें के बीच पक्ष और विपक्ष के सभी पंच पंचायत भवन के लोकार्पण के बाद से ही वर्तमान समय तक अंडरग्राउंड है।जहां सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का आह्वान करने वाले उपसरपंच राजेश बाहेश्वर के साथ 13 पंचों की फौज अंडरग्राउंड हो चुकी है।तो वही सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन के 07 पंच भी उनके साथ अंडरग्राउंड है।हालांकि यह पंच कहां पर है फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन सूत्र बताते हैं कि उप सरपंच राजेश बाहेश्वर के साथ 13 पंच कान्हा किसली की सैर कर रहे हैं।जहां पक्ष विपक्ष के दोनों पंच आज मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सुबहा 11 बजे पंचायत भवन पहुंचेंगे। जहां मतदान के बाद ही तख्तापलट की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

दोनों पक्षों को सता रहा क्रॉस वोटिंग का डर

भरवेली पंचायत में सरपंच की कुर्सी के लिए चल रही उठा पटक के बीच आज 25 जुलाई को पक्ष विपक्ष के बीच सत्ता के लिए मतदान होना है।जहां मतदान को लेकर भरवेली की राजनीति गरमा गई है और लोग अपने-अपने तर्क वितर्क के घोड़े दौड़ा रहे हैं।उधर सत्ता पाने और सत्ता में बने रहने के लिए पक्ष और विपक्ष दोनों को क्रॉस वोटिंग का डर भी सता रहा है। क्योंकि क्रॉस वोटिंग होने पर पक्ष और विपक्ष दोनों के समीकरण बिगड़ जाएंगे।जिससे नतीजो पर भारी असर पड़ेगा।

सेंधमारी में जुटे दोनो गुट

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अपने

अपने दावो पर खरा उतरने के लिए दोनों ही पक्ष एक दूसरे के गुटों में सेंधमारी की कोशिश में लगे हुए हैं और अपने विश्वासपात्र ग्रामीण को अंडरग्राउंड हुए पंचों के घर पहुंचाकर उनके परिजनों से संपर्क करने का प्रयास भी कर रहे हैं। वही दोनों पक्ष अपने-अपने पक्ष को मजबूत बताकर इस चुनाव में जरूरत से अधिक मत मिलने का दावा भी कर रहे हैं। अब देखना यह दिलचस्प रहेगा की दोनों ही पक्षों द्वारा किए जा रहे इन दावों में कितनी सच्चाई है और वह अपने-अपने पक्ष में कितने पंचों को साधने में कामयाब हो पाते हैं।

निर्वाचन अधिकारी भूपेंद्र अहिरवार की निगरानी में होगा मतदान

भरवेली पंचायत में सरपंच के खिलाफ बुलाए गए अविश्वास प्रस्ताव के लिये प्राप्त आवेदन के तहत सम्मेलन की तारीख 25 जुलाई नियत की गई है। इस तारीख में सम्मेलन कराया जायेगा। जिसको लेकर सभी को नोटिस जारी कर विधिवत सूचना दी जा चुकी है।उधर इस चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए मतदान दल का भी गठन किया जा चुका है।जहां तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त कर उनकी निगरानी में भरवेली के पंचायत भवन में बुलाए गए सम्मेलन में मतदान की प्रकिया अपनाई जाएगी।जहां पंचायत एंव स्वराज अधिनियम के तहत चुनाव सम्पन्न कराकर मतदान की इस प्रकिया को सीलबंद कर एसडीएम के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।जहां से सरपंच की कुर्सी का फैसला होगा।जानकारी के अनुसार इस प्रकिया को पूर्ण करने के लिए निर्वाचन अधिकारी के तौर पर बालाघाट तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार और पंचायत निरीक्षक राजेश सोनवाने ने इस मतदान को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली है।

फिलहाल सरपंच का पक्ष मजबूत

भरवेली पंचायत में सत्ता के लिए शुक्रवार सुबह 11 बजे होने वाले इस मतदान का निर्णय किसके पक्ष में जाएगा फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है। लेकिन दोनों ही पक्षों पर यदि गौर किया जाए तो फिलहाल सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन का पक्ष मजबूत नजर आ रहा है।जानकारी के अनुसार पंचायत एंव स्वराज अधिनियम के तहत सरपंच पद पर बने रहने के लिए उन्हें एक तिहाई बहुमत की आवश्यकता है।जो सरपंच श्रीमती गीता बिसेन के पास है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 21 पंचो वाली ग्राम पंचायत भरवेली में वार्ड नंबर 20 के पंच मनीष शेंडे की कुछ दिन पूर्व मृत्यु हो चुकी है। जबकि वर्तमान में पंचो की संख्या 19 है। जो सरपंच को लेकर 20 हो गई है। आंकड़ों पर यदि गौर किया जाए तो बहुमत साबित करने के लिए सरपंच को 6 मतों की आवश्यकता है।जिसमें उनका मत भी शामिल है। जबकि उनके पास स्वयं को लेकर 07 पंचों का समर्थन होने की बात कही जा रही है।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार स्वयं को मिलाकर सरपंच श्रीमती गीता बिसेन के पास वार्ड नंबर 17 पंच हरिराम गराडे, वार्ड नंबर 12 पंच श्रीमती संगीता शेंडे, वार्ड नंबर 18 के पंच सुधीर सुलके ,वार्ड नंबर 16 पंच प्रीति श्रीवास, वार्ड नंबर 5 पंच अनीता पिटनिया और वार्ड नंबर 4 पंच विदेशराम साहू का समर्थन प्राप्त है। जो सत्ता पक्ष में बने रहने के लिए काफी है।

उपसरपंच को चाहिए 14 मत ,पास में महज 13

उधर सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सरपंच के खिलाफ बुलाए गए इस अविश्वास प्रस्ताव को पास कराने के लिए उप सरपंच राजेश बाहेश्वर को कुल 14 मतों की आवश्यकता है। जिसमें से 13 पंच उनके साथ में है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उपसपंच के पक्ष में वार्ड नंबर 01की पंच अनारकली रौतेल,वार्ड नं 2 पंच शरद कठौते, वार्ड नंबर 6 की पंच फुलवती नागेश्वर, वार्ड नंबर 7 के पंच रमेश सहारे,वार्ड नं 8 की पंच परवीन खान ,वार्ड नंबर 9 की पंच अंजलि काकोडिया, वार्ड नंबर 10 पंच अमीन खान, वार्ड नंबर 11 पंच मालती साहू ,वार्ड नंबर 13 पांच उर्मिला मालेस,वार्ड नंबर 14 पंच मकसूद खान, वार्ड नंबर 15 पंच विक्रम मर्सकोले,वार्ड नंबर 19 पंच लतेश्वरी बसेने और वार्ड न 20 से पंच व उपसरपंच स्वयं राजेश बाहेश्वर के नाम का शमावेश है।जिन्होंने सरपंच के खिलाफ अविश्वास जताया है।इस तरह उपसरपंच के पास 13 पंचो का मत होने की बात कही जा रही है। जबकि बहुमत के लिए उन्हें 14 पंचों का मत चाहिए।ऐसे में अहम सवाल यही हैं कि क्या भरवेली सरपंच के खिलाफ अविश्वास पारित हो जायेगा या नहीं ? जिस तरह से जानकारी सामने आ रही है उसके अनुसार फिलहाल में स्थिति सरपंच के अनुकुल दिख रही है। लेकिन जब तक सम्मेलन ना हो जाये किसी तरह के कयास नही लगाये जा सकते है।

नियमों के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर होगी कार्यवाही- अहिरवार

तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने बताया कि ग्राम पंचायत भरवेली सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का आवेदन आया था। उस कार्यवाही के परिपेक्ष में उन्हें वरिष्ठ अधिकारी एसडीएम द्वारा निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है।कल (शुक्रवार) को भरवेली पंचायत में उपस्थित होकर सम्मेलन कराया जाएगा।जिसमें सरपंच ,उपसरपंच सहित सभी पंच उपस्थित रहेंगे।जहां पंचायत एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के तहत उक्त अविश्वास प्रस्ताव की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी।

23 जुलाई से हो रही बारिश ने जिले में दिखाया अपना प्रभाव

निचले क्षेत्रों में हुआ जल भराव तो जिले में कुछ स्थानों पर मार्ग हुये बाधित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 23 जुलाई से हो रही बारिश ने फिर अपना प्रभाव एक बार जिले में दिखाया है। यहां 24 जुलाई को सुबह लगातार हो रही बारिश से कुछ नदी और नालों का जलस्तर बढ़ गया , जिससे कारण जल भराव की स्थिति निर्मित हुई थी। वहीं वर्षा के कम होने से यह स्थिति सामान्य भी होती नजर आयी । आपको बता दे कि गुरुवार को लगातार दूसरे दिन मानसून मेहरबान रहा। दिनभर रुक-रुककर हुई बूंदाबांदी के बीच दोपहर बाद अचानक काले बादल छाए और अंधेरा छा गया। कुछ देर बाद ही बदरा जमकर बरसे। करीब एक घंटे तक झमाझम वर्षा हुई। इससे कई जगह जल जमाव हो गया, तो शहर की नालियां पानी से भर गई। गुरुवार को दिनभर जनजीवन प्रभावित रहा। बूंदाबांदी के बाद अचानक हुई तेज वर्षा से निचले वार्ड क्षेत्रों में जलभराव के हालात पैदा कर दिए। दो दिनों से हो रही वर्षा के कारण वैनगंगा नदी के जलस्तर में भी मामूली बढ़ोत्तरी हुई है। शहर के हनुमान चौक पर भी जल जमाव की स्थिति बन गई। चालू वर्षा सत्र के दौरान बालाघाट जिले में एक जून से 24 जुलाई तक 691 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 506 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई थी। औसत सामान्य वर्षा 1447 मिमी है। 24 जुलाई को सुबह आठ बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान जिले में 29 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई है।

जिले के कुछ क्षेत्रों में मुख्यालय पहुंच मार्ग इससे बाधित हो गये थे । जिसमे डोरा से चिंखलाझोडी मार्ग बंद हो गया था। पुल के ऊपर से 2 फिट पानी हो जाने से मार्ग बंद कर दिया गया था । तहसील बिरसा में पुल पर पानी होने से भंडारपुर से चारटोला मार्ग, जानपुर से करहू मार्ग एवं बाकीगुडा से पल्हेरा मार्ग बंद हो गया था। शहर मुख्यालय में भी लगातार हो रही इस बारिश में अपना प्रभाव दिखाया था । यहां वार्ड क्रमांक एक ,दो , हनुमान चौक, अंबेडकर चौक सहित कई ऐसे निचले क्षेत्र थे जहाँ पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के

मेहतर समाज का नाम बताकर पैसे मांग रही 5 से 6 महिलाओं को मेहतर समाज के लोगों ने किया पुलिस के हवाले, सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मेहतर समाज की कुछ महिलाओं और पुरुषों ने कोतवाली थाने में जाकर 5 से 6 महिलाओं को पुलिस के हवाले किया हैं । उन्होंने बताया कि बीते कुछ दिनों से कुछ महिलाओं द्वारा मेहतर समाज का नाम बताकर शहर के वार्डो से पैसे वसूली की जा रही है। जबकि यह महिलाये मेहतर समाज से नहीं है । इस प्रकार से वह शहर में मेहतर समाज की छवि धूमिल कर रहे हैं । वह चाहते हैं कि पुलिस इन महिलाओं पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें । क्योंकि शहर में मेहतर समाज द्वारा किसी से कोई रुपए नहीं मांगा जाता । कुछ दूसरे समाज के लोग इस प्रकार पैसे मांग कर उनकी छवि को धूमिल कर रहे हैं । यदि कोई घटना होती है तो उनका समाज और उनके लोग इसके लिए जिम्मेदार नहीं रहेंगे।

आपको बता दे कि गुरुवार को शहर के लगभग दो दर्जन से अधिक मेहतर समाज की महिला पुरुषों ने कोतवाली थाने पहुंचकर 5 से 6 महिलाओं को मेहतर समाज के नाम से पैसे मांगे जाने को लेकर पुलिस के हवाले किया है । यहाँ समाज के लोगों ने बताया कि बीते कुछ दिनों से शहर में कुछ लोग अपने आप को मेहतर समाज का नाम बता कर वार्ड वासियों से पैसे मांग रहे हैं। जबकि शहर के मेहतर समाज के लोग मेहनत और काम

धंधा कर रहे हैं । किसी से पैसे नहीं मांगते । उसके बावजूद कुछ लोग बाहर से आकर उनके समाज का नाम बता कर पैसे मांग रहे हैं । जिससे उनके समाज की छवि धूमिल हो रही है । इससे समाज भी बदनाम हो रहा है । उन्होंने बताया कि कुछ लोग मेहतर समाज के नहीं होने के बाद भी उनके समाज का नाम बता कर पैसे मांग रहे हैं। जिससे यदि भविष्य में कोई घटना वार्ड वासियों के घरों में पैसे मांगने के दौरान होती है तो उनका समाज ही बदनाम होगा और उनके समाज पर ही शहर के लोग शक करेंगे। इसलिए उन्होंने आज 5 से 6 महिला को वार्ड में उनके समाज का नाम बता कर पैसा मांगते पाये जाने पर कोतवाली पुलिस के हवाले किया है और कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

समाज की छवि भी धूमिल हो रही है - कविता मलिक

कविता मलिक बताती हैं कि कुछ झाड़ूवाली महिलाएं उनका नाम बताकर शहर के वार्डों में जाकर पैसे मांग रही हैं। जबकि वह उनके समाज की नहीं है । इससे उनके समाज की छवि भी धूमिल हो रही है । जबकि उनके द्वारा वार्ड में किसी से कोई पैसा नहीं मांगा जाता , किंतु अन्य समाज की महिलाएं उनके समाज का नाम बताकर वार्डो से पैसा मांग रही है, जो कि गलत है और इसी की शिकायत करने आज वह कोतवाली थाने पहुंची थी। उन्होंने यह भी बताया कि यह लोग उन्हीं के समाज के लोगों के घरों में पैसा मांगने पहुंच गए थे और समाज का नाम बता कर समाज के ही लोगों से पैसा मांग रहे थे । इसी दौरान उन्हें समाज के लोगों के द्वारा पकड़ कर थाने लाया गया है।

मेहतर समाज का नाम बता कर पैसे मांगते है - मनीष

मनीष बताते हैं कि आज उन्होंने कुछ महिलाओं को थाने लाया है। यह शहर के वार्डों में जाकर लोगों से मेहतर समाज का नाम बता कर पैसे मांगती है । उन्हें धमका रहे थे और कुछ लोग पैसे नहीं देते हैं तो उन्हें आपके साथ गलत हो जाएगा, इस प्रकार से डराया जाता हैं । यह उन्ही के समाज के लोगों के घरों में जाकर समाज का नाम बताकर पैसे मांग रहे थे । तभी उन्हें उन्हीं के परिचितों का फोन आया और बताया गया कि कुछ महिलाएं हमारे समाज का नाम बताकर हमसे ही पैसा मांग रही है। तब उन्होंने उन्हें पकड़कर थाने लाया है । इस विषय पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

समझाईश देकर छोड़ दिया गया है- विजय राजपुत

इस विषय को लेकर कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपूत द्वारा दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया गया कि मेहतर समाज के कुछ लोगों ने कुछ महिलाओं को लाकर थाने में शिकायत की थी महिलाओं की पताशाजी की गई तो उनके आधार कार्ड अनुसार वह जिले की ही रहने वाली है। उन्हें समझाइश देकर छोड़ दिया गया है।

भरवेली पुलिस ने पैसे लेकर वन विभाग मे नौकरी लगाने के मामले में एक और आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक ने आरोपी पर किया था 10000रूपये का इनाम घोषित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली पुलिस द्वारा वन विभाग में पैसा लेकर नौकरी लगाने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । इसमें अभी तक भरवेली पुलिस द्वारा तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है । भरवेली पुलिस द्वारा प्रेस नोट जारी कर बताया गया कि मुरैना निवासी एक युवक की शिकायत पर यह पूरी कार्रवाई की गई थी। जिसमें अभी तक तीन आरोपी गिरफ्तार हो गए हैं । भरवेली पुलिस ने इस मामले में पीडितों से पुलिस में आकर शिकायत दर्ज करने की मांग की है। जबकि इस फरार आरोपी रूपेश ब्रम्हे पर पुलिस अधीक्षक ने 10000 रूपये का इनाम घोषित किया था । आपको बता दे कि सरकारी नौकरी लगाने पर बेरोजगार युवाओं को ठगने के मामले में भरवेली पुलिस को तीसरे आरोपित को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। फरार आरोपित रूपेश ब्रम्हे अब पुलिस की गिरफ्त में है। रूपेश ने पूर्व में गिरफ्तार सुमित ब्रम्हे के साथ मिलकर मुरैना के प्रार्थी रामकुमार गुर्जर को वनरक्षक की नौकरी लगाने पर 1.90 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। सुमित की धरपकड़ के बाद से रूपेश फरार था, जिसे भरवेली पुलिस ने धरदबोचा। रूपेश पर एसपी आदित्य मिश्रा ने दस हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था। पुलिस जानकारी के अनुसार, मुरैना के ग्राम केमरा के रामकुमार गुर्जर को सुमित ब्रम्हे ने पहले खुद वन विभाग का कर्मी बताकर झांसे में लिया और रामकुमार को फारेस्ट गार्ड की नौकरी लगाने के सपने

दिखाए। इसके एवज में सुमित ने 1.90 लाख रुपये लिए तथा फर्जी आइडी कार्ड, नियुक्ति पत्र, टोपी, वर्दी, दस्तावेज आदि दिए। उसने रामकुमार को जंगल ले जाकर ड्यूटी करवाने का भी नाटक भी किया। प्रार्थी की शिकायत के बाद पुलिस ने सुमित ब्रम्हे और फर्जी आईडी कार्ड बनाने वाले सहारा फोटोकापी के संचालक लक्ष्मीनारायण सहारे को पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने रूपेश को सह आरोपित पाया, जिसे आखिरकार गिरफ्तार किया गया है। इस कार्य में भरवेली थाना प्रभारी एसआई संजय ऋषिश्वर, प्रआर आशीष धुवारे, बिसराम धुर्वे और आर. कुंदन नगपुरे ने अहम भूमिका निभाई।

मुरैना जिले के युवक ने की थी शिकायत

6 जुलाई को थाना भरवेली में रामकुमार गुर्जर निवासी ग्राम केमरा, खंडोली रोड, जिला मुरैना द्वारा एक लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें बताया गया कि आरोपी सुमित ब्रम्हे निवासी हीरापुर थाना भरवेली, बालाघाट ने स्वयं को फॉरेस्ट विभाग का कर्मचारी बताकर फॉरेस्ट गार्ड की नौकरी लगवाने का झांसा देकर प्रार्थी से 1,90,000 रूपये की राशि विभिन्न किश्तों में प्राप्त की एवं फर्जी आई-कार्ड, वर्दी व दस्तावेज प्रदान किए। जिस पर थाना भरवेली में अपराध क्रमांक 163/2025 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। मुख्य आरोपी सुमित ब्रम्हे ने प्रार्थी रामकुमार को फोन पर यह विश्वास दिलाया कि वह बालाघाट वन विभाग में कार्यरत है तथा फॉरेस्ट गार्ड की नौकरी लगवा सकता है। आरोपी ने पहले 30,000 रूपये नगद लिए, फिर लगातार फोन पे व अन्य माध्यमों से कुल 1,90,000 रूपये की राशि ले ली। आरोपी द्वारा वर्दी, टोपी, नकली आईडी कार्ड, वन अधिनियम की किताब इत्यादि देकर यह जताया गया कि उसकी नौकरी सुनिश्चित है। आरोपी ने उसे जंगल में ले जाकर ड्यूटी करवाने का भी नाटक किया। प्रार्थी को बैहर में किराए के मकान में रुकवाकर उसे लगातार भ्रमित करते हुए ठगी की गई। जब प्रार्थी ने नौकरी की सत्यता की जांच की तो उसने पूरा प्रकरण फर्जी पाया ।

अभी तक इनकी हो चुकी हैं गिरफ्तारी

जांच के दौरान आरोपी सुमित ब्रम्हे एवं फर्जी आईडी कार्ड बनाने वाले लक्ष्मीनारायण सहारे (संचालक, सहारा फोटोकॉपी) को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। साथ ही घटना में संलिप्त एक अन्य आरोपी रूपेश ब्रम्हे को भी विवेचना के दौरान सहअभियुक्त पाया गया। रूपेश ब्रम्हे घटना के पश्चात से फरार था, जिस पर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा 10,000 रूपये का इनाम घोषित किया गया था। भरवेली पुलिस द्वारा आरोपी रूपेश ब्रम्हे को गिरफ़्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

बीज एवं उर्वरक के नमूने अमानक पाये जाने का मामला

03 विक्रेताओं के लायसेंस निरस्त, 01 का निलंबित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। उपसंचालक कृषि एवं अधिसूचित प्राधिकारी श्री फूलसिंह मालवीय ने प्रयोगशाला परीक्षण में बीज एवं उर्वरक के नमूने अमानक पाए जाने पर 03 विक्रेताओं के लायसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिये है और 01 विक्रेता का लायसेंस निलंबित कर दिया है।

लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत मेसर्स बालाघाट फिशरीज फॉर्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड मोहगांव (ध) से लिया गया एनपीके उर्वरक का नमूना प्रयोगशाला जांच में अमानक पाए जाने पर विक्रेता को 09 जुलाई को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था। लेकिन उसके द्वारा किसी भी प्रकार का जवाब नहीं दिया गया है। जिसके कारण उर्वरक नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत इस फर्म का लायसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस फर्म को उर्वरक विक्रय का लायसेंस जनवरी 2022 में जारी किया गया था जो 10 जनवरी 2027 तक के लिए वैध था।

परसवाड़ा विकासखंड के अंतर्गत मे. शक्ति ग्रीन इंडिया सेल्स एंड सर्विस चंदना, मे. ठाकरे कृषि केंद्र भोरवाही तथा किरनापुर विकासखंड के अंतर्गत मे. परमात्मा एक कृषि केंद्र पिपरटोला से लिये गए धान बीज के नमूने प्रयोगशाला जांच में अमानक पाये जाने पर इन विक्रेताओं को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था। लेकिन उनके द्वारा समय सीमा में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया है। जिसके कारण बीज नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत इन बीज विक्रेताओं का लायसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

मे. शक्ति ग्रीन इंडिया सेल्स एंड सर्विस चंदना से संगीता इंडिया प्रा.लि. कम्पनी का धान बीज एस-9001, मे. ठाकरे कृषि केंद्र भोरवाही से नामधारी सीड्स कम्पनी का धान बीज एनएस-111 तथा मे. परमात्मा एक कृषि केंद्र पिपरटोला से जियोलोजिक एग्रीसीड कम्पनी का धान बीज भवानी-ए-10006 का नमूना प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया था। जांच में धान बीज के नमूने अंकुरण परिणाम के अनुसार अमानक स्तर के पाये गए है। मे. शक्ति ग्रीन इंडिया सेल्स एंड सर्विस चंदना को वर्ष 2023 में 08 जून 2028 तक के लिए, मे. ठाकरे कृषि केंद्र भोरवाही को वर्ष 2019 में 27 जून 2027 तक के लिए एवं मे. परमात्मा एक कृषि केंद्र पिपरटोला को वर्ष 2017 में 30 जुलाई 2030 तक के लिए बीज लायसेंस जारी किया गया था। अब यह लायसेंस बीज अधिनियम का उल्लंघन करने के कारण निरस्त कर दिये गए है।

परिवहनकर्ता अनलोडिंग के नाम पर मांग रहा रूपये, नही देने पर खाद की नही भेजी रेक

सेवा सहकारी समिति के प्रबंधक एवं कर्मचारियों ने परिवहनकर्ता पर मनमानी करने का लगाया आरोप

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। किसानों के द्वारा खरीफ सीजन में धान की फसल लगाई जा रही है जिसमें यूरिया, डीएपी, पोटास सहित अन्य खाद का छिंडकाव करने पर फसल उत्पादन अधिक होता है। लेकिन जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक शाखा लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली 9 सेवा सहकारी समितियों में विगत दिवस से यूरिया, डीएपी, 20-20-0-13, सुपर फास्पेट, पोटास सहित अन्य खाद उपलब्ध नही होने के कारण किसानों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस तरह से प्रदेश सरकार अपने आप को किसान हितैषी बताने वाली किसानों को समय पर उर्वरक खाद उपलब्ध नही करवा पा रही है जिससे किसान खासा परेशान है। वहीं विगत दिवस खाद की समस्या को लेकर किसानों के साथ ही सेवा सहकारी समिति के प्रबंधकों ने जिला प्रशासन को जल्द खाद उपलब्ध करवाने की मांग की थी। जिसके बाद जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बालाघाट के सीईओं के द्वारा सेवा सहकारी समिति मोहगांव ध. नेवरगांव, ला. सिहोरा, कंजई, जाम में यूरिया खाद की रेक डायरेक्ट भेजने की बात कही गई थी। जिसकी जानकारी किसानों को लगी तो क्षेत्रीय किसान बड़ी संख्या में समिति में खाद लेने पहुंचे थे। लेकिन परिवहनकर्ता ने ट्रक अनलोडिंग (खाली) करने के लिए समिति से रूपये की मांग की। जिस पर समिति के प्रबंधक व कर्मचारियों ने कहा कि अनलोडिंग परिवहनकर्ता का रहता है, रूपये नही देगें और रूपये नही देने पर परिवहनकर्ता ने समितियों में खाद (रेक) नही भेजा। ऐसी स्थिति में समिति के प्रबंधक व कर्मचारियों के साथ ही किसान परेशान हुए। वहीं सेवा सहकारी समिति के प्रबंधक एवं कर्मचारियों ने परिवहनकर्ता लवली सचदेव पर अनलोडिंग का रूपये मांगने , रूपये नही देने पर खाद नही भेजने एवं मनमानी करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से परिवहनकर्ता पर कार्यवाही कर डिमांड के अनुसार यूरिया, डीएपी, 20-20-0-13, सुपर फास्पेट सहित अन्य खाद समितियों में उपलब्ध करवाने की मांग की है। वहीं खाद आने की जानकारी लगने पर जाम, नेवरगांव ला. सहित अन्य सेवा सहकारी समितियों में गुरूवार को बड़ी संख्या में किसान खाद लेने पहुंचे थे किन्तु खाद नही होने के कारण कर्मचारियों ने खाद का वितरण नही किया और वे निराश होकर वापस लौट गये जिससे किसानों में कर्मचारियों के साथ ही प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है और किसानों ने जल्द खाद नही मिलने पर आंदोलन करने की बात कही है। इस तरह से किसान अब खाद की समस्या को लेकर आंदोलन करने की रणनीति बना रहे है।

खाद आने की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में पहुंचे किसान, खाद नही मिलने से आक्रोश व्याप्त, किसान आंदोलन की राह पर

खाद के लिए किसान सोसायटियों का लगा रहे चक्कर, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि लालबर्रा क्षेत्र में स्थित सेवा सहकारी समितियों से खाद नही मिलने से किसानों को खाद के लिए खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और सोसायटी में खाद नही मिलने के कारण किसानों को प्रायवेट से अधिक दामों में खाद खरीदना पड़ रहा है। जबकि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत आने वाली 9 सेवा सहकारी समितियों के द्वारा 735 टन यूरिया, 830 टन डीएपी, 830 टन 20-20-0-13 खाद की डिमांड प्रशासन को भेजी गई है, लेकिन विगत दिवस से मांग के अनुरूप समिति को खाद नही मिल पा रहा हैं। इस तरह से किसान रासायनिक खाद के लिए परेशान है और सोसायटियों का चक्कर लगा रहे है जिसके कारण किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं जिला मुख्यालय की जानकारी अनुसार विगत दिवस यूरिया खाद की रेक आने के बाद भी लालबर्रा शाखा अंतर्गत की मोहगांव ध. समिति में 23 टन यूरिया खाद उपलब्ध हुआ है, शेष 8 समितियों में यूरिया सहित अन्य खाद नही आया है। जबकि समितियों में वर्तमान समय में यूरिया, डीएपी, इफकों, 20-20-0-13 खाद की नितांत आवश्यकता है। वहीं गुरूवार को नेवरगांव ला. जाम, कंजई सहित अन्य समितियों के कर्मचारियों ने जिला मुख्यालय से डायरेक्ट समिति में खाद की रेक आने की जानकारी मिलने पर किसानों को दिये थे। जिसके बाद बड़ी संख्या में किसान खाद लेने पहुंचे थे। वहीं परिवहनकर्ता ने समिति के कर्मचारियों से ट्रक अनलोडिंग के लिए रूपये की मांग किया और रूपये नही देने की बात सुनकर उसने खाद की रेक नही भेजा। जबकि खाद लोड व अनलोडिग दोनों का व्यय परिवहनकर्ता का रहता है। उसके बाद भी परिवहनकर्ता समिति से अनलोडिंग के लिए रूपये की मांग कर रहा है एवं रूपये नही देने पर खाद नही भेजने से समितियों में खाद उपलब्ध नही हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में सबसे अधिक परेशान क्षेत्रीय किसान है। साथ ही खाद नही मिलने से किसानों में शासन प्रशासन के प्रति आक्रोश देखने को भी मिला। वहीं किसानों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बोलती है कि यह किसानों की सरकार है परन्तु किसानों को फसल में समय पर खाद डालने के लिए खाद उपलब्ध नही करवा पा रही है। जिससे किसान परेशान है परन्तु किसी को किसानों की कोई चिंता नही है, सरकार को जल्द सेवा सहकारी समितियों में डीएपी, यूरिया, 20-20-0-13 सहित अन्य खाद उपलब्ध करवाना चाहिए।

अनलोडिंग चार्ज नहीं देने से परिवहनकर्ता ने नही की खाद की आपूर्ति - ठाकरे

सेवा सहकारी समिति नेवरगांव ला. प्रबंधक एमपी ठाकरे ने बताया कि 9 सेवा सहकारी समितियों में अब तक महज 40 प्रतिशत खाद की आपूर्ति हो पाई है और 19 जुलाई को यूरिया की रेक हमारे जिले को प्राप्त हुई थी एवं जिले के अधिकारियों से चर्चा हुई तो उन्होने कहा था कि 5 समितियों के कार्यक्रम है जहां डायरेक्ट यूरिया खाद पहुंचाई जायेगी,

जिसमें मोहगांव ध. समिति में 23 टन, 400 यूरिया प्राप्त हुआ है उसके बाद अन्य समितियों में नही आया है। वहीं परिवहनकर्ता का कहना है कि अनलोडिंग का रूपये समिति के द्वारा दिये जाने की मांग की गई, जिसे रूपये देने से मना किया गया तो उन्होने खाद की रेक नही भेजा। श्री ठाकरे ने बताया कि परिवहनकर्ता मनमानी कर रहे है और खाद भेजने का शेडयूल तैयार होने के बाद भी उसे हटाकर जिस समिति में 80 प्रतिशत खाद की आपूर्ति हो गई है उन समितियों में खाद दे दी जा रही है। अनलोडिंग चार्ज नही देने के कारण खाद की आपूर्ति नही करवाई गई है जिससे किसान आक्रोश व्याप्त है जबकि लोडिंग और अनलोडिंग परिवहनकर्ता की ओर से रहता है।

पांच समितियों में डायरेक्ट आना था यूरिया खाद - दिलीप

जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक शाखा लालबर्रा पर्यवक्षक दिलीपकुमार लिल्हारे ने बताया कि जिला मुख्यालय से जानकारी लगी थी कि शेड्यूल बनाकर यूरिया, डीएपी सहित अन्य खाद की रेक लगाकर वितरण किया जायेगा क्योंकि विगत दिनों यूरिया की रेक लगी थी और जिला मुख्यालय के द्वारा जो कार्यक्रम बताया गया था कि लालबर्रा ब्रांच की 9 समिति में से 5 समितियों में डायरेक्ट यूरिया की रेक आयेगी। जिसमें मोहगांव ध., सिहोरा, कंजई, नेवरगांव ला. एवं जाम समिति शामिल था। लेकिन खाद की रेक लगने के बाद भी मोहगांव ध. को छोड़कर शेष समितियों में खाद नहीं पहुंच पाई है।

साथ ही गत दिनों ट्रांसपोर्ट के संचालक लवली सचदेव का लालबर्रा के दो समिति प्रबंधकों को फोन के माध्यम से गाड़ी खाली करवाने के लिए समिति के माध्यम से भुगतान करने कहा गया था तभी ट्रक भेजने की बात कही गई थी। इसके पहले भी इनके द्वारा इस तरह की बात कही जा चुकी है और जहां इन्हें शुल्क दिया जा रहा है उन समितियों में यह शेड्यूल बदलकर खाद की रेक भेज रहे हैं एवं जो राशि का भुगतान नहीं कर रहा है उन समितियों में खाद की रेक नही पहुंचा रहे है। श्री लिल्हारे ने बताया कि विगत 15 दिनों से यूरिया सहित अन्य खाद की कमी बनी हुई है और खाद की डिमांड प्रशासन को भेज दिये है लेकिन उपलब्ध नही होने के कारण किसान परेशान है। समय पर फसल में खाद नही डालेगें तो फसल पर विपरित प्रभाव पड़ेगा एवं खाद नही मिलने से किसान परेशान है इसलिए हमारी मांग है कि डिमांड के अनुसार खाद उपलब्ध करवाये प्रशासन।

अंततः नींद से जागा सिंचाई विभाग, सर्राटी जलाशय की पार की सफाई का कार्य हुआ शुरू - मनोहर

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। वरिष्ठ कांग्रेसी मनोहर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में कहा कि लालबर्रा क्षेत्र के सबसे बड़े सर्राटी जलाशय के रखरखाव के अभाव में जलाशय की पार क्षतिग्रस्त हो रही थी। जिसकी शिकायत कलेक्टर महोदय से की थी। जिसके बाद कलेक्टर महोदय द्वारा सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पार की सफाई का कार्य तत्काल करवाये एवं पारों में उगी झाड़ियों की कटाई कर सफाई करें। जिसके बाद सिंचाई विभाग नींद से जागा और सर्राटी जलाशय की पार की सफाई कार्य प्रारंभ कर दिया है। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह कलेक्टर महोदय की संवेदनशीलता है कि उन्होंने इस विषय को गंभीरता से लेकर विभाग को निर्देशित किया और काम चालू करवाया है। साथ ही पार की सफाई हो जाने से जलाशय की पार को नुकसान नहीं पहुंच पायेगा और सुरक्षित हो जायेगी इसलिए क्षेत्र की जनता की ओर से कलेक्टर महोदय का आभार व्यक्त करते है।

यादव (अहीर) समाज की बैठक आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित यादव समाज मंगल भवन में 25 जुलाई को दोपहर 12 बजे से यादव (अहीर) समाज संगठन की आवश्यक बैठक आहुत की गई है। चर्चा में यादव (अहीर) समाज संगठन लालबर्रा के अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि आयोजित बैठक में सामाजिक संगठन की जागरूकता के संबंध में सामाजिक बंधुओं द्वारा चिंतन, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की जायेगी। इस अवसर पर स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील यादव (अहीर) समाज संगठन लालबर्रा अध्यक्ष मनोज यादव, सचिव रवि राधेलाल यादव ने की है।

हरियाली अमावस्या पर नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। हरियाली अमावस्या के अवसर पर म.प्र. जन अभियान परिषद बालाघाट जिला समन्वयक सुशील बर्मन एवं विकासखंड समन्वयक श्रीमती बैजंती कटरे के मार्गदर्शन में मनकामेश्वर मंदिर में नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रसन्न अवधिया(मंडल अध्यक्ष भाजपा लालबर्रा) के मुख्य आतिथ्य, डॉ. राजेंद्र परिहार महामंत्री भाजपा के विशेष आतिथ्य एवं चंद्रकुमार बसेने की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने श्री मनकामेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना किये तत्पश्चात नवांकुर सखियों के द्वारा मंदिर से ढोल-नगाड़ों के साथ कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। साथ ही उपस्थित अतिथियों को पेड़ भेंट कर पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि म.प्र. जन अभियान परिषद हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी द्वारा चलाये गये एक पेड़ मां के नाम के कार्यक्रमों को आज नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के रूप में मना रहे हैं एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं। आज क्षेत्र से महिलाएं आई हैं वे अपने-अपने घर आंगन में पेड़ लगायेगें तो निश्चित ही पेड़ों की सुरक्षा भी होगी और हरियाली भी आयेगी। डॉ. राजेन्द्र परिहार ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम जो यह संदेश है बहुत अच्छा संदेश है और हम सभी को एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए अपनी मां के नाम से। इस अवसर पर मुकेश गाड़ेश्वर, चंद्रकुमार बसेने, हेमराज अंगूरे, एक नई किरण के अध्यक्ष श्रीमती किरण मड़ावी, थानेंद्र ठाकरे, चैनलाल चौधरी, दामेंद्रप्रसाद हरिनखेडे, सुश्री प्रेमवती उईके, सुश्री निकिता गोयल, रामेश्वरी, लालिमा पालीवाल, कामिनी बिसेन, पूजा बनवाले, पूर्णिमा यादव, सरिता यादव, महिमा जामरे, उमेश्वरी भगत, पूजा यादव, रेखा दुबे, पूर्णिमा तिवारी, नेहा, आशीष तुरकर, निलेश रहांगडाले, अनिल परासिया, विकास पटले, प्रवीण लिल्हारे, विशाल गोले, कैलाश यादव, अंशुल खंडेलवाल, महेंद्र सिहोरे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मिरेगांव में विशालकाय नीम का पेड़ हुआ धराशायी

विद्युत पोल हुआ क्षतिग्रस्त, तीन ग्राम में बिजली गुल, ग्रामीणजन परेशान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग स्थित ग्राम पंचायत मिरेगावं के शासकीय माध्यमिक स्कूल के समीप हाईवे रोड़ किनारे मुंशीलाल पटले के मकान के सामने स्थित विशालकाय नीम का पेड़ गुरूवार की देरशाम में तेज बारिश एवं हवा चलने के कारण अचानक टूटकर धराशायी हो गया। जिससे पेड के समीप स्थित विद्युत का पोल क्षतिग्रस्त हो चुका है। इस तरह से पेड़ एवं विद्युत पोल मकान के कुछ हिस्से में गिरने से मकान भी क्षतिग्रस्त हुआ है। साथ ही 11 केव्ही एवं एलटी लाईन का विद्युत पोल एवं तार टुट जाने से 14 ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति बंद हो चुकी है। जिसके कारण मिरेगांव, डोकरबंदी एवं गोडेगांव ग्राम के ग्रामीणजनों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ेगी। वहीं जिस समय विशालकाय नीम का पेड़ टुटकर गिरा एवं विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हुआ उस समय उक्त स्थान पर कोई नही थे और हाईवे रोड़ की ओर पेड़ व विद्युत पोल नही गिरा नही तो बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी। पेड़ गिरने के बाद विद्युत पोल क्षतिग्रस्त होकर मकान के एक हिस्से से टकरा जाने की जानकारी तत्काल विद्युत विभाग को दी गई और विद्युत सप्लाई बंद करवाई गई नही तो मार्ग से गुजरने वाले व निवासरत लोग विद्युत करेंट की चपेट में आ सकते थे। साथ ही सड़क विभाग के द्वारा मकान से पेड़ को हटाने की कोई व्यवस्था नही की गई है। जिसके कारण मकान मालिक व विद्युत विद्युत को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणजनों ने सड़क विभाग से मकान से पेड़ हटाने एवं विद्युत विभाग से जल्द क्षतिग्रस्त विद्युत पोल का सुधार कार्य कर बिजली सप्लाई करने की मांग की है। आपकों बता दे की 24 जुलाई को सुबह से ही क्षेत्र में बारिश हो रही है और यह बारिश रूक-रूक कर हो रही है, जिसके कारण मौसम में ठंडक खुल चुकी है। साथ ही निरंतर बारिश होने एवं शाम में तेज बारिश व हवा चलने के कारण मिरेगांव के मुंशीलाल पटले के मकान के सामने हाईवे रोड स्थित विशालकाय नीम का पेड़ जड़ से कमजोर हो चुका था और गुरूवार को शाम के अचानक नीम का पेड़ टूटकर एक साइड में गिर गया। जिससे विद्युत का पोल व तार भी टूट चुके है और समीप स्थित मकान में जाकर टकरा गये। जिससे मकान का कुछ हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ है एवं विद्युत पोल व तार टूट जाने से 14 ट्रांसफार्मर से विद्युत आपूर्ति सेवा बंद हो चुकी है जिसके कारण मिरेगांव, डोकरबंदी व गोडेगांव में बिजली बंद है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणजनों को रात अंधेरे में गुजारनी पड़ेगी। साथ ही यह पेड़ व विद्युत पोल हाईवे रोड़ के साईड में गिरता तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था किन्तु मकान के ओर गिरने के कारण कारण बड़ी दुर्घटना टल गई। ग्रामीणजनों ने विद्युत विभाग से विद्युत पोल व तार जो टुट चुके है उसे दुरूस्त का बिजली प्रदाय करने की मांग की है।

अस्पताल में श्री सत्य सांई प्रेमतरू पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

श्री सत्य सांई सेवा संगठन ने पौधारोपण कर उसकी सुरक्षा करने का लिया संकल्प

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। श्री सत्य सांई बाबा के जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा संगठन के द्वारा गत तीन वर्ष से पूरे देश में 1 करोड़ पौधों का रोपण करने के लिए श्री सत्य सांई प्रेमतरू पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में श्री सत्य सांई सेवा संगठन लालबर्रा के द्वारा हरियाली अमावस्या के अवसर पर नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में गुरूवार को श्री सत्य सांई प्रेमतरू पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम बीएमओं डॉ. रीतू धुर्वे एवं श्री सत्य सांई संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर अस्पताल परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। साथ ही उपस्थितजनों को श्री सत्य सांई प्रेमतरू पौधारोपण कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी गई। चर्चा में श्री सत्य सांई सेवा संगठन लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि श्री सत्य सांई बाबा का जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा संगठन के द्वारा पूरे देश में तीन वर्ष के अंदर 1 करोड़ पौधे लगाने का अभियान चलाया जा रहा है ताकि प्रकृति हरा-भरा रहे और पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। इसी कार्यक्रम के तहत लालबर्रा श्री सत्य सांई सेवा संगठन को एक वर्ष में 3 हजार पौधे लगाना है और यह तीसरा वर्ष है एवं संगठन के द्वारा विभिन्न ग्रामों में श्री सत्य सांई प्रेमतरू पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पौधे लगाकर लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने प्रेरित किया जा रहा है। आगे बताया कि गुरूवार को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में संगठन के पदाधिकारी एवं चिकित्सक की उपस्थिति में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया और यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। साथ ही श्री सत्य सांई बाबा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। श्री सत्य सांई सेवा संगठन जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि भगवान श्री सत्य सांई बाबा का जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर 3 वर्ष में पूरे भारत वर्ष में 1 करोड़ पौधारोपण का संकल्प लिया गया था और हमने 3-3 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है एवं हरियाली महोत्सव के साथ ही तीसरे वर्ष का संकल्प प्रारंभ हुआ है। गुरूवार को अस्पताल परिसर में पौधारोपण किया गया और निश्चित रूप से समय के पहले हमारा संकल्प पूरा हो जायेगा। इस अवसर पर श्री सत्य सांई सेवा संगठन के पदाधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

टीन शेड़ के नीचे अध्यापन करने विद्यार्थी मजबूर,पालकों में आक्रोश

पूर्व में दीवार की चपेट में आने से हो चुकी थी एक छात्र की मौत

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जनपद शिक्षा केन्द्र खैरलांजी के संकुल भेंडारा अंतर्गत एकीकृत शासकीय हाईस्कूल कोथूरना में कुल दर्ज संख्या १५९ है। यहां वर्तमान में कक्षा पहली से लेकर कक्षा दसवीं तक कुल दस कक्षाओं का संचालन जर्जर प्राथमिक विद्यालय के भवन सहित दो अतिरिक्त कक्षों किया जा रहा है जो जर्जर हो चुका है। जहां एक अतिरिक्त कक्ष में कक्षा ६ वीं से ८ वीं तक तीन कक्षाओं का संचालन होता है। एक और दूसरे अतिरिक्त कक्षों में कक्षा नवमीं और दसवी का संचालन होता है। बारिश में यहां छत से पानी का सीपेज होता है तो कई स्थानों से छत का प्लास्टर नीचे गिरना प्रारंभ हो चुका है। जिसके कारण बारिश में कक्षाओं के संचालन में शाला प्रबंधन समिति को कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। बारिश में छठवीं से आठवीं तक तीनों कक्षाओं का संचालन दो ही कमरों में होता है। जिससे बच्चों और शिक्षकों दोनों को अध्ययन और अध्यापन कार्य में व्यवधान का सामना करना पड़ता है। जिस दिन बारिश नही होती और मौसम साफ होता है उस दिन कक्षा छठवीं के बच्चें बाहर टीन शेड़ के नीचे बैठकर पढ़ाई करते हैं। कक्षा सातवीं और आठवीं जिन कमरों में संचालित होती है वहां भी बारिश में पानी टपकता है। कक्षा एक से पांचवीं तक जिस भवन में संचालित होती है वह भी क्षतिग्रस्त हो चुका है और दीवारों में दरारें आ चुकी है। माध्यमिक शाला का भवन जर्जर और जीर्ण शीर्ण होने के कारण वह डिस्मेंटल करने लायक हो गया है। जिसके कारण उस भवन में कक्षाओं का संचालन फिलहाल बन्द कर दिया गया है।

जर्जर भवन में संचालित हो रही कक्षायें कभी भी हो सकती है घटना

स्कुल के बच्चें किस तरह से बिना पंखे के उमस भरी गर्मी में टीन शेड़ के नीचे बैठकर पढ़ाई करते होंगे। क्या ऐसे जर्जर भवन में कोई पालक चाहेगा कि उनका बच्चा अध्यापन करें। फिर भी पालक ऐसे जीर्ण शीर्ण और जर्जर भवन में संचालित शाला में बच्चों को भेज रहे है तो ऐसे में निश्चित ही इन पालकों के हिम्मत की दाद दी जानी चाहिए। जो जोखिम भरे माहौल में बच्चों को शाला भेजकर शाला प्रबन्धन और प्रशासन की मदद कर रहे है। सरकार को चाहिए कि वह ऐसे शालाओं में बच्चों के लिए भवन की व्यवस्था कर बच्चों और पालकों का हौसला बढ़ाए।

2019 से शाला का नही बना भवन जर्जर हालत में बच्चें कर रहे पढ़ाई

वर्ष २०१९ से संचालित हाईस्कूल में कक्षा नवमीं और दसवीं के संचालन हेतु खुद का भवन तक नही है। कक्षा एक से कक्षा दसवी तक यहां कुल १५९ छात्र छात्राएं अध्ययन कर अपना भविष्य गढ़ रहे है वह भी एक जोखिम भरे माहौल में। जहां कभी भी कोई छोटी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। लेकिन शासन प्रशासन में बैठे हुए जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को इससे कोई सरोकार नही है। शिक्षा को लेकर इनके वादे केवल कागज तक सीमट कर रह गए है कहे तो अतिशयोंक्ति नही कहा जाएगा। जमीनी हकीकत से ना सरकार वाकिफ होना चाहती है और ना जिम्मेदार अधिकारी। प्राचार्य द्वारा उच्चाधिकारियों को संज्ञान में लाने के बाद भी यहां परिणाम शून्य ही नजर आ रहे है।

पूर्व में एक छात्र की दीवार में दबने से हो चुकी थी मौत फिर भी नही जागा प्रशासन

पांच वर्ष पूर्व इसी शाला में छात्र की शौचालय की दीवार की चपेट आकर दब जाने से दर्दनाक मौत हो चुकी थी। उसके बाद भी शासन प्रशासन के कान में अभी तक जू तक नही रेंगी है। जो शासन प्रशासन के गैर जिम्मेदाराना रवैया को उजागर करता है।

इनका कहना है

शाला भवन जर्जर हो चुका है। हमारे द्वारा नये भवन के लिए सांसद से मांग की गई है। पुनः और मांग की जाएगी।

योगेश सोनटके
सरपंच ग्राम पंचायत कोथूरना

इस संबंध में हमारे द्वारा बीआरसी और डीईओ से पत्राचार किया जा चुका है। शाला भवन नही होने से बच्चों सहित शिक्षकों को भी अध्ययन और अध्यापन कार्य में व्यवधान उत्पन्न होता है।

प्रमोद पारधी
प्रभारी प्राचार्य एकीकृत शासकीय हायस्कूल कोथूरना

हमारे संज्ञान में मामला है जिससे उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है। भवन स्वीकृत होते ही समस्या का समाधान हो जाएगा।

एस एल भगत
बीआरसी जनपद शिक्षा केन्द्र खैरलांजी

प्राकृतिक वातावरण को बचायें रखने वृक्षारोपण करना जरूरी-प्रदीप जायसवाल

हरियाली महोत्सव पर अमृत हरित महाअभियान के तहत नपा ने किया पौधारोपण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। हरियाली महोत्सव के अवसर पर अमृत हरित महाअभियान के तहत नगर पालिका के द्वारा नगर के वार्ड नं. ६ में वृक्षारोपण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे की मौजूदगी में प्रारंभ किया गया। शासन के दिशा निर्देशानुसार एवं जिला कलेक्टर बालाघाट के निर्देशों के परिपालन में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके के मार्गदर्शन में नगर पालिका वारासिवनी के द्वारा सतत रूप से पर्यावरण संरक्षण कि दिशा में कार्य करते हुये वृक्षारोपण किया जा रहा है। नपा सीएमओं सूर्यप्रकाश उके ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण हेतु निकाय के द्वारा सतत प्रयास करते हुये नगर में विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण हेतु रूपरेखा तैयार की गई है। जिसकी शुरूआत ५ जून २०२५ को विश्व पर्यावरण दिवस पर वूमन फार ट्री अभियान के तहत वृक्षारोपण कर की गई है। इसके पश्चात से वर्षा ऋतु प्रारंभ होते ही अमृत हरित महाअभियान एवं अंकुर अभियान के तहत वार्ड क्रमांक ११ मोक्षधाम, शहर के मुख्य मार्गों के डिवाईडर, ट्रेंचिंग ग्राउण्ड सरंडी, नगर के विभिन्न वार्डों में एवं जल संरचनाओं के समीप वृक्षारोपण का कार्य निरतंर जारी है। २४ जुलाई को नपा द्वारा व जनप्रतिनिधियों, स्वसहायता समूह की महिलाओं की सहाभागिता से वार्ड क्रमांक ६ रेलवे स्टेशन रोड़ शिव मंदिर के पास में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न प्रजातियों के फलदार ,छायादार पौधे रोपित किये गये। वहीं पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की सावन का यह महिना भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान पौधे लगाने से आध्यात्मिक और भौतिक लाभ दोनो मिलते है। पौधे लगाने से पर्यावरण को भी लाभ होता है। क्योंकि वे हवा को शुद्व करते है और बारिश लाने में मदद करते है। इसी तरह प्राकृतिक वातावरण को बचाये रखने के लिये वृक्षारोपण करना चाहिये। अगर समय रहते ही प्रकृति को नही बचाया गया तो आने वाले दिनो में पृथ्वी पर निवास करने वालो को जल एवं वायु संकट से जूझना पड़ सकता है। अत प्रक्रति को बचाने के लिये सभी लोगो का जागरूक होना बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे, मदन धार्मिक, आलोक खरे, सोनू जायसवाल, मनोज दांदरे, श्रीमती रितू खरे, उपयंत्री सुमीत मोटवानी, हितेश हलमारे, राजदीप तुरकने सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जंगली सूअर और चीतल के खेतों में आने से किसानों में आक्रोश

खेत में लगी फसल को वन्य प्राणी कर रहे बर्बाद

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत झालीवाड़ा के राजघाट टोली के समीप स्थित खेतों में लगी किसानों की खेती को वन्य प्राणियों का खतरा बना हुआ है। जहां पर चीतल एवं जंगली सूअर के द्वारा खेतों की जमीन को खोदने और धान के रोपे को खाने का कार्य किया जा रहा है। जिससे सीधे तौर पर किसानों को भारी नुकसान सहन करना पड़ रहा है। ऐसे में कई किसान रोपाई कार्य से वंचित हो गए हैं तो वहीं कुछ किसानों के द्वारा दोबारा खार लगाकर रोपाई की रास्ता देखी जा रहे हैं। मौके पर वन्य प्राणियों की चहल कदमी को देखते हुए किसानों के द्वारा वन विभाग से घटना की शिकायत भी की गई है किंतु विभाग के द्वारा अभी तक कोई ठोस कार्य नहीं किया गया है। जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है उनके द्वारा वन विभाग से खेतों से लगने वाले जंगल में तार लगाने या बाउंड्री वॉल बनाने की मांग की जा रही है ताकि किसान सुरक्षित खेती कर सके। विदित हो की झालीवाड़ा से अंसेरा मार्ग जो सीधे कटंगी के लिए निकलता है यह मार्ग के दोनों तरफ जंगल स्थित है जहां वन्य प्राणियों की उपस्थिति बनी रहती है। ऐसे में राजघाट टोली के सामने हीराटोला एवं बकेरा के मध्य जंगल से लगी किसानो की खेती में बीते करीब २० दिनों से अधिक का समय हो गया है। जंगली सूअर के द्वारा खेतों में लगाए गए परहा एवं खार को खोदने का कार्य किया जा रहा है। तो वहीं बड़े.बड़े गड्ढे कर दिए जा रहे हैं इसी के साथ चीतल भी अपने झुंड के साथ खेतों में आ रही है जिनके द्वारा धान के लगाए गए पौधे को खाने का कार्य किया जा रहा है। जिससे कई किसानों के खेतों में लगाई गई खार खराब कर रहे है तो वहीं परहा में लगाए गए पौधे भी खायें जा रहे हैं। इस दौरान देखने में आ रहा है कि जंगल से लगे कई किसानों के द्वारा खेती कार्य भी बंद कर दिया गया है।

वन विभाग वन्य प्राणियों पर प्रतिबंध लगायें जिससे किसानों की खेती बर्बाद ना हो-ज्ञानचंद बिसेन

किसान ज्ञानचंद बिसेन ने बताया कि बीते दिनों अत्यधिक बारिश होने के कारण खेतों में लगाए गए परहा एवं खार को नुकसान हुआ है। उसे जैसे तैसे बचाया गया तो अब जंगली सूअर और हिरण की परेशानी बढ़ गई है ,यह खेतों में आकर परहा और खार दोनों को खा रहे हैं। जो बाहर फेंकी गई थी उसे भी नुकसान पहुंचा रहे हैं और ऐसा नहीं की एक खेत में नुकसान कर भाग गए लगातार यह आगे बढ़ रहे हैं। अभी तक किसानों के करीब ५० एकड़ भूमि को नुकसान पहुंच चुके हैं इसकी शिकायत हमने विभाग को किये है पर वह आज कल कर रहे हैं। हम चाहते हैं की नुकसानी का किसानों को मुआवजा मिले वन्य प्राणियों पर प्रतिबंध लगे वहीं विभाग तार लगाने की व्यवस्था करें।

बारिश ने पहले ही किसानों को बर्बाद कर दिया अब जंगली जानवर परेशान कर रहे -बुधराम वरकड़े

किसान बुधराम वरकड़े ने बताया कि खेती किसानी से हम बहुत ज्यादा परेशान हैं चीतल और जंगली सूअर खेतों में आकर बहुत ज्यादा नुकसान कर रही है। विभाग से हमने शिकायत किया है पर कुछ नहीं हुआ है इन्हें अपने जंगल की बाउंड्री को पैक करना चाहिए तार बांधने चाहिए ताकि किसानी सुरक्षा रहे। बारिश ने पहले ही किसानों को बर्बाद कर दी है अब यह जंगली जानवर परेशान कर रहे हैं खेतों में खार खूंटी हो गई है। अब वह लगाने लायक भी नहीं है और हम नई खार लगाकर खेती करें इतना समय भी नहीं है। समिति का कर्ज भी हमारे ऊपर बना हुआ हम यही चाहते हैं कि मुआवजा मिले २० दिन हो गया है हमने खेतों में झंडी लगाया भगाया पर कोई असर नहीं पड़ रहा है।

वन्य प्राणियों के आंतक से खेती करना बंद कर दिये है-मिनेश कंगाले

मिनेश कंगाले ने बताया कि जंगल से लगी हमारी करीब ४ एकड़ भूमि है जिसमें से एक एकड़ भूमि तालाब में डूबी हुई है जिसे हम उपयोग नहीं करते हैं। ३ एकड़ भूमि है जिस पर हमारे द्वारा फसल लगाई जाती थी परंतु जंगली जानवर वन्य प्राणी लगातार आने जाने से खेती को नुकसान पहुंचाने से हम सभी परेशान है। इसको लेकर हमारे द्वारा खेती लगाना बंद कर दिया गया है क्योंकि लगातार समिति का कर्ज़ बढ़ता जा रहा था। नुकसान बहुत ज्यादा हो रहा था खाने के लिए भी चावल बराबर नहीं हो पाए थे करीब ५ वर्ष से अधिक का समय हो गया है हमारे द्वारा खेती कार्य बंद कर दिया गया है। उधर और दूसरे किसान है उनके द्वारा भी धीरे.धीरे खेती कार्य बंद किया जा रहा है वन विभाग कोई व्यवस्था नहीं बना पा रहा हैं। जबकि हमें खेत में पानी की कोई समस्या नहीं थी सिंचाई के लिए तालाब और नहर दोनों है फिर भी हमें खेती छोड़ना पड़ा केवल वन्य प्राणियों के नुकसान के कारण।

नवीन जनपद पंचायत भवन बनाने जनपद में बैठक आयोजित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के द्वारा वारासिवनी क्षेत्र को एक बड़ी सौगात दी है। विधायक विवेक विक्की पटेल की मुलाकात के बाद ५ करोड़ २५ लाख रूपये की लागत से बनने वाले नवीन जनपद पंचायत भवन की स्वीकृति प्रदान की है। नवीन जनपद पंचायत भवन बनवाने की चर्चा को जनपद पंचायत के सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई। जिससे सभी जनपद सदस्यों ने जगह चयन को लेकर अपनी अपनी राय रखी। वहीं नवीन जनपद पंचायत भवन की जगह चयनित को लेकर जनपद पंचायत भवन के पीछे खाली पड़ी भूमि,सीएम राइज स्कूल के बाजू की भूमि,बीएसएनएल ऑफिस के बाजु में खाली पड़ी भूमि को पटवारी के माध्यम से सर्वे करवाकर किसी एक जगह को चयनित करने अपनी बात रखी। इस दौरान एसडीएम राजीव रंजन पांडे,जनपद सीईओ दीक्षा जैन,एसडीओ सरोज सरैया,बीआरसी सतेन्द्र शरणागत,जनपद अध्यक्ष माया उइके,उपाध्यक्ष पुष्पा अमूले,सदस्य संदीप राणा,कृष्णा हनवत, रेखलाल कटरे,फूलचंद पटले,श्रीराम गौतम, लक्ष्मी नगपुरे, लोमेश्वरी पटले, अनिल पिपरेवार, विवेक जुझार सहित अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे। विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा की मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल से मुलाकात के बाद बालाघाट जिले में कटंगी और वारासिवनी में ५ करोड़ २५ लाख रूपये की लागत से बनने वाले नवीन जनपद पंचायत भवन की सौगात मिली है। नवीन जनपद पंचायत भवन बनवाने के लिए दो एकड़ भूमि होना जरूरी है। बैठक में सीएम राइज स्कूल,बीएसएनएल ऑफिस के बाजु,जवाहर नवोदय विद्यालय के सामने की भूमि, कैरियर स्कूल के बाजु में खाली पड़ी भूमि का चयन हेतु चर्चा की गई है। कैरियर स्कूल के बाजु में खाली पड़ी भूमि शासकीय आईटीआई के लिए चिन्हित हो चुकी है। जनपद पंचायत के पीछे जगह खाली है उसमे ज्यादातर सदस्यों की सहमति है सभी के सहयोग से भूमि का चयन किया जायेगा । नवीन जनपद पंचायत भवन ऐसी जगह बनाया जायेगा ताकि किसी भी ग्रामीणों को आने जाने में परेशानी ना हो। हमारी पहली प्राथमिकता है की नवीन जनपद पंचायत भवन शहर के अंदर बने जो हम प्रयास कर रहें है।

पं. दिनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण करने जिले के प्रभारी मंत्री का वारासिवनी हो रहा आगमन

प्रदीप जायसवाल ने स्थल का किया निरीक्षण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसववाल ने जानकारी देते हुये बताया की जिले के प्रभारी मंत्री उदयप्रताप सिंह का वारासिवनी २६ जूलाई दिन शनिवार को आगमन हो रहा है। जंहा वे नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रो के कार्यक्रम में शामिल हो रहे है। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री उदयप्रताप सिंह ३.१५ बजे वारासिवनी में जनसंघ के राष्ट्रजीवन दर्शन के निर्माता व एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दिनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण दिनदयाल चौक में एक समारोह में करेंगे। पश्चात ४ बजे ग्राम खापा में विसाग बायोफ्यूल्स प्रायवेट लिमिटेड के द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला, प्राथमिक शाला गोडींटोला सहित ग्राम की तीनो आंगनबाड़ी केन्द्रो का उन्नयन एवं जीर्णोद्वार एवं खापा में इथेनाल प्लांट में वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मिलित होगें। प्रदीप जायसवाल ने नपा परिषद के मुख्य अधिकारी, उपयंत्री सहित पुरे अमले के साथ दिनदयाल चौक पर कार्यक्रम स्थल का निरिक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। साथ ही लोकार्पण कार्यक्रम के पश्चात मंचीय कार्यक्रम इंडोर स्टेडियम में होने की भी जानकारी दी।

करोड़ों का सवाल : कौन बनेगा उप-राष्ट्रपति.... नीतीश या कोई और...?

श्री जगदीप धनखड़ ने उप-राष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा क्यों व किसके निर्देश पर दिया? यह सवाल तो अब पुराना हो गया है, बदलते राजनीतिक घटनाक्रम में अब अहम् सवाल यह है कि अगला उप- राष्ट्रपति कौन? क्या बिहार के विधानसभा चुनावों की राजनीतिक प्रतिष्ठा के दौर में वहां के मौजूदा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को यह पद सौंपा जा सकता है? इस प्रयोग से केन्द्र में सत्तारू? भाजपा को दोहरी राजनीतिक उपलब्धि हो सकती है, एक ओर जहां बिहार के सशक्त नेता का भाजपा प्रवेश दूसरा बिहार में भाजपा की बढ़ती संभावनाएं, वैसे भी पिछले कुछ समय से मोरी और नीतीश के बीच राजनीतिक सौहार्द में अभिवृद्धि जगजाहिर हो रही है, इसलिए दिल्ली से पटना तक चल रहे मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम को पूर्णत: प्रायोजित समझना कतई गलत नही होगा और जहां तक जगदीप धनख? का सवाल उन्हें तो चंद घण्टों में ही सड़क पर अकेले खड़ा कर दिया गया है, यह मोदी की राजनीतिक कूटनीति का ताजा ज्वलंत उदाहरण है।

वैसे भी इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम को सूक्ष्म नजरों से देखा जाए तो यह परिलक्षित होता है कि भाजपा एक कमजोर पार्टी नही कहलाना चाहती थी, पिछले एक साल से प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी केन्द्र में स्थिरता का आभास कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे है और उनके इस प्रयास में जो भी बाधा बनता है, उसे वे अलग-थलग कर देते है, दो न्यायाधीशों के महाभियोग के प्रकरण में चूंकि धनखड़ भी दिलचस्पी दिखा रहे थे, जो मोदी को बिल्कुल पसंद नही था, इसलिए यह घटनाक्रम घटित हुआ साथ ही धनखड़ ने राज्यसभा में विधायी कार्यों को नियंत्रित करने का प्रयास भी किया था, जो मोदी जी को पसंद नही था और इस कारण से यह पूरा राजनीतिक घटनाक्रम घटित हुआ और धनखड़ को उसका खामियाजा भुगतना पड़ा, नेतृत्व की नाराजी रातों-रात किसी राजनेता का क्या हश्र कर देती है, यह इसका सबसे बड़ा और ताजा उदाहरण है। हाँ, तो आज का मुख्य बिन्दू कौन बनेगा उप-राष्ट्रपति था, संविधान के नियमानुसार उप- राष्ट्रपति पति के इस्तीफें के बाद साठ दिवस की अवधि में नए उप- राष्ट्रपति का चुनाव होना चाहिए, इसलिए सितम्बर अंत तक नया उप- राष्ट्रपति चुनना मौजूदा नरेन्द्र मोदी सरकार की पहली प्राथमिकता होगी, जिसके लिए प्रयास शुरू हो गए है और अब इस पद के लिए नीतीश कुमार जी का नाम ही सुर्खियों में है, जिनको मूर्तरूप देने के बाद बिहार में भाजपा का दमखम बढ़ सकता है और तीन-चार चुनाव में भाजपा की संभावनाएं बलवती हो सकती है।

....और मोदी के इस प्रयोग से भाजपा और उनकी केन्द्र सरकार दोनों को ही राजनीतिक लाभ हासिल हो सकता है। इस राजनीतिक घटना के तारतम्य में यदि यह कहा जाए कि मोदी जी ने तीन साल बाद होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए अपनी जड़े अभी से मजबूत करना शुरू कर दिया है तो कतई गलत नही होगा, क्योंकि मोदी के राजनीतिक भविष्य को लेकर अभी से विभिन्न क्षेत्रों में कयासों का दौर शुरू हो गया है, कहा तो यहां तक भी गया कि यदि 75 का बंधन सामने आया तो स्वयं मोदी जी प्रधानमंत्री पद अपने विश्वस्त सहयोगी को सौंप कर स्वयं उप- राष्ट्रपति बन सकते है, लेकिन मौजूदा राजनीतिक दौर में यह कयास राजनीतिक पंड़ितों के गले नही उतर रहा है।

....लेकिन यही सही भी है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल और उसमें घट रहे राजनीतिक घटनाक्रम मोदी जी के राजनीतिक भविष्य के लिए काफी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकते है, इसलिए उन्हें काफी सूक्ष्म दृष्टि से देखा परखा जा रहा है। अब यह तो भविष्य ही बताऐगा कि मोदी जी का 2029 के बाद राजनीति भविष्य क्यों व कैसा होगा?

दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन

'हर छठा व्यक्ति अकेला है'-यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करे तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ 'कनेक्टेड' लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में हम जितने अधिक जुड़े हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से अकेले हो गए हैं। व्यक्तिवादी सोच, सामाजिक दुष्प्रभाव एवं रिश्तों की बिखरती दीवारों में अकेलेपन का घातक प्रभाव सामाजिक ढांचे पर गहरे रूप में पड़ रहा है। पारिवारिक संबंधों में दरारें, विवाहों में असंतोष, और तलाक की बढ़ती दरें इसकी साफ निशानी हैं। युवा पीढ़ी में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति और नशे की ओर झुकाव एक चिंताजनक ट्रेंड बन गया है। बुजुर्गों में अकेलेपन से उत्पन्न अल्जाइमर, डिमेंशिया और अन्य मानसिक रोग तेजी से बढ रहे हैं। अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौड़ और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास सुनने का समय नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। मानो खुद के होने का एहसास, कोई इच्छा ही ना बची हो। तब छोटी-छोटी चीजों में छिपी खूबसूरती नजर ही नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग जिंदा हैं, पर जीवित होने के जादुई एहसास को कम ही छू पाते हैं। सोच के भौतिकवादी एवं सुविधावादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से कुंठा, हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन या अकेले होने की ओर धकेल देती है। निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील है? कितने करीब है? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते। विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। लेकिन अब बुजुर्ग एकाकीपन एवं अकेलापन से जूझ रहे है। केरल में इसी तरह के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित, अकेला एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल में अकेलापन एक त्रासदी न बन सके। कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी त्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म्स की रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। परिवार, मित्रों और सहयोगियों के साथ समय बिताना ही असली 'समृद्धि' है। कंपनियों और संस्थानों में कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझने वाला नेतृत्व चाहिए। डिजिटल संवाद की जगह आमने-सामने संवाद, 'वर्क फ्रॉम होम' की जगह 'वर्क विद कम्युनिटी' को प्राथमिकता देनी होगी। ऑफिसों और समाज में काउंसलिंग, समूह चर्चा, मेडिटेशन, और योग को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकारों को अकेलेपन को एक जनस्वास्थ्य समस्या के रूप में मान्यता देनी चाहिए और सामाजिक समावेश के लिए ठोस कार्यक्रम चलाने चाहिए। डब्ल्यूएचओ का वह आंकड़ा भी चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन एवं बेहूदा प्रतिक्रिया थी।

-ललित गर्ग

भारत में सहकारिता का सशक्तिकरण और 2025 अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025

भारत में सहकारिता आंदोलन सामाजिक और आर्थिक समावेशिता का एक महत्वपूर्ण साधन रहा है, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (International Year of Cooperatives, IYC 2025) घोषित किया जाना इस क्षेत्र की वैश्विक और स्थानीय प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। इस वर्ष का थीम, Cooperatives Build a Better World, सहकारी समितियों की सतत और समावेशी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है, जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को 2030 तक प्राप्त करने में सहायता करता है (United Nations, 2024)। भारत, जिसे इस वैश्विक उत्सव की शुरुआत के लिए चुना गया है, सहकारी आंदोलन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए एक अनूठा अवसर प्राप्त करता है। यह संपादकीय भारत में सहकारिता के सशक्तिकरण के उपायों और 2025 के अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के महत्व पर प्रकाश डालता है, जो सामाजिक-आर्थिक विकास में सहकारी समितियों की भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में एक रोडमैप प्रस्तुत करता है।

सहकारिता आंदोलन: भारत का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

भारत में सहकारिता का इतिहास 1904 के सहकारी ऋण समिति अधिनियम से शुरू होता है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण किसानों को साहूकारों के शोषण से बचाना और सस्ते ऋण प्रदान करना था (Drishti IAS, 2024)। स्वतंत्रता के बाद, सहकारी समितियों को सामुदायिक विकास का एक महत्वपूर्ण साधन माना गया, और प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951-56) में इनका विशेष महत्व रहा। आज, भारत में लगभग 8 लाख सहकारी समितियाँ और 29 करोड़ से अधिक सदस्य हैं, जो कृषि, डेयरी, मत्स्य पालन, आवास, और वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में योगदान दे रही हैं (Drishti IAS, 2024)। अमूल, गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (GCMMF), इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो 3.6 मिलियन से अधिक दुग्ध उत्पादकों को जोड़ता है, जिनमें अधिकांश छोटे और सीमांत किसान हैं, विशेष रूप से महिलाएँ (Drishti IAS, 2024)। सहकारी समितियाँ देश के कृषि ऋण वितरण का 20ब, उर्वरक वितरण का 35ब, और चीनी उत्पादन का 31ब हिस्सा संभालती हैं, जो उनकी आर्थिक प्रासंगिकता को दर्शाता है।

हालांकि, सहकारी समितियाँ प्रबंधकीय अक्षमता, वित्तीय संसंधनों की कमी, और तकनीकी पिछड़ेपन जैसी चुनौतियों से जूझ रही हैं। इन समस्याओं ने सहकारी आंदोलन की गति को धीमा किया है, जिसके समाधान के लिए नीतिगत, तकनीकी, और सामुदायिक स्तर पर समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। 2025 का अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष इन चुनौतियों का सामना करने और सहकारी समितियों को सतत विकास के लिए एक प्रभावी मॉडल के रूप में स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

2025: अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का महत्व

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 जून 2024 को 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया, जो 2012 के बाद दूसरी बार इस तरह का वैश्विक उत्सव है (United Nations, 2024)। इस वर्ष का थीम, Cooperatives Build a Better World, सहकारी समितियों की सामाजिक, आर्थिक, और पर्यावरणीय आयामों में सतत विकास में योगदान को रेखांकित करता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, सहकारी समितियाँ गरीबी उन्मूलन, लैंगिक समानता, और सतत आर्थिक विकास जैसे स्ष्ठत्ह्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं (United Nations, 2024)। भारत में इस वर्ष का औपचारिक उद्घाटन नई दिल्ली में 25-30 नवंबर 2024 को आयोजित ढ्ढष्ट ग्लोबल कोऑपरेटिव कॉन्फ्रेंस और जनरल असेंबली में हुआ, जिसमें 100 से अधिक देशों के 3000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया (Permanent Mission of India in Geneva, 2025)। इस आयोजन ने सहकारी समितियों के लिए चार प्रमुख स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया: सहकारी पहचान की पुष्टि, सहायक नीतियों का विकास, मजबूत नेतृत्व का निर्माण, और सतत भविष्य की स्थापना। भारत के लिए यह अवसर विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह देश की सहकारी नीति सहकार से समृद्धि (Prosperity through Cooperation) के साथ संरेखित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस वर्ष के उद्घाटन और एक स्मारक डाक टिकट का विमोचन भारत की सहकारी आंदोलन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है (Permanent Mission of India in Geneva, 2025)। यह वैश्विक मंच भारत को सहकारी मॉडल को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर इसकी प्रभावशीलता को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है।

सहकारिता के सशक्तिकरण के लिए उपाय नीतिगत सुधार और सहकारिता मंत्रालय की भूमिका

2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना भारत में सहकारी आंदोलन को पुनर्जनन देने का एक ऐतिहासिक कदम था। मंत्रालय ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) को बहुउद्देश्यीय बनाने के लिए मॉडल उप-नियम 5.1.202 लागू किए, जो PACS को डेयरी, मत्स्य पालन, और भंडारण जैसे क्षेत्रों में विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं (Ministry of Cooperation, n.d.)। दिसंबर 2023 तक, 2000 PACS को जन औषधि केंद्रों के रूप में चिह्नित किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती दवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी (Ministry of Cooperation, n.d.)। इसके अतिरिक्त, 2022 का बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) अधिनियम सहकारी चुनाव प्राधिकरण की स्थापना के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है (Drishti IAS, 2024)। संयुक्त राष्ट्र ने भी राष्ट्रीय समितियों के गठन को प्रोत्साहित किया है ताकि IYC 2025 की गतिविधियों का समन्वय किया जा सके (United Nations, 2024)। भारत में ऐसी समितियाँ स्थानीय सरकारों, सहकारी समितियों, और नागरिक समाज को एकजुट करके नीतिगत ढांचे को मजबूत कर सकती हैं। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) ने 2023-24 में सहकारी समितियों के लिए 41,024 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है, जो इस क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है (Ministry of Cooperation, n.d.)।

तकनीकी नवाचार और डिजिटलीकरण

सहकारी समितियों के सशक्तिकरण के लिए डिजिटलीकरण एक महत्वपूर्ण उपाय है। डिजिटल बैंकिंग और यूपीआई (UPI) जैसे प्लेटफॉर्म ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशिता को बढ़ा सकते हैं। सहकारी बैंकों को डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे उनकी पहुंच और कार्यक्षमता में सुधार हो रहा है (RBI, 2023)। ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है, विशेष रूप से डेयरी और कृषि सहकारी समितियों में। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु की औरोविल सहकारी समितियाँ ब्लॉकचेन का उपयोग शुरू कर चुकी हैं (Drishti IAS, 2023)। इसके अतिरिक्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और डेटा एनालिटिक्स सहकारी समितियों को बाजार विश्लेषण और जोखिम मूल्यांकन में सहायता प्रदान कर सकते हैं।

सामुदायिक भागीदारी और लैंगिक समावेशिता

सहकारी समितियाँ सामुदायिक भागीदारी और लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अमूल जैसे मॉडल ने 30ब से अधिक महिला दुग्ध उत्पादकों को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की है (Drishti IAS, 2024)। स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का सहकारी समितियों के साथ एकीकरण महिलाओं के लिए उद्यमिता के अवसर सृजित करता है। NABARD ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के तहत ऐसी पहल शुरू की हैं (NABARD, n.d.)। सामुदायिक जागरूकता अभियान और प्रशिक्षण कार्यशालाएँ सहकारी समितियों की प्रभावशीलता को बढ़ा सकती हैं। IYC 2025 के तहत, युवाओं को सहकारी आंदोलन में शामिल करने के लिए प्रेरक कार्यक्रमों पर ध्यान देना आवश्यक है।

चुनौतियाँ और समाधान

सहकारी समितियों के सामने प्रबंधकीय अक्षमता, भ्रष्टाचार, और वित्तीय संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियाँ हैं। इनका समाधान करने के लिए पेशेवर प्रशिक्षण, डिजिटल लेखा प्रणाली, और विशेष फंड जैसे उपाय अपनाए जा सकते हैं। सामुदायिक जागरूकता और नीतिगत सुधार इन समस्याओं को कम करने में सहायक होंगे। IYC 2025 के तहत, भारत को राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर समन्वित गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहिए ताकि सहकारी मॉडल की वैश्विक पहचान को मजबूत किया जा सके।

निष्कर्ष

2025 का अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष भारत के लिए सहकारी समितियों को सशक्त बनाने और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर है। नीतिगत सुधार, तकनीकी नवाचार, और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से, सहकारी समितियाँ सामाजिक समानता, लैंगिक समावेशिता, और आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकती हैं। भारत सरकार की सहकार से समृद्धि की दृष्टि और संयुक्त राष्ट्र के सहकारी मॉडल के प्रति समर्थन एक समन्वित प्रयास की ओर इशारा करते हैं। यह वर्ष सहकारी समितियों को वैश्विक मंच पर स्थापित करने और भारत के समावेशी विकास में उनकी भूमिका को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

-पूनम चतुर्वेदी शुक्ला

भारतीय समृद्धि, संस्कृति विरासत विविधताओं का कूटनीति में जबरदस्त आगाज-हर तोहफा कुछ कहता है

वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत को सोने की खान कहा जाता रहा है, इसका कारण न केवल यहां के भरपूर प्राकृतिक संसाधन बौद्धिक क्षमता बल्कि सांस्कृतिक विरासत संस्कारों का खजाना सहित हमारी सांस्कृतिक धरोहर विरासत के अनेक संसाधन भी भारत में है,जो भारत की समृद्धि का विकास करने में काफी अहम रोल अदा कर रहा है, इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि पूरे विश्व की नजरे भी भारत की ओर उठी है,जिसका भारत सटीकता से स्वागत कर कूटनीतिक चर्चाओं के अतिरिक्त दुनियाँ के मेजबान देशों व राष्ट्रीध्यक्षों को भारतीय संस्कृति की विविधता की सौगातें दी जा रही है, जिसका विशाल समृद्ध दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा।वर्तमान में भारत के प्रति विश्व का सहयोगात्मक भाव विकसित हो रहा है जो सटीक उदाहरण है, यह बात आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे पीएम 16 से 21 नवंबर 2024 की सफल विदेश यात्रा पूर्ण कर 22 नवंबर 2024 को देर रात भारत पहुंचे, जिसमें नाइजीरिया ब्राज़ील गुयाना की यात्रा है,परंतु आज हम चर्चा का विषय पीएम द्वारा भारत के अनेकों राज्यों की सांस्कृतिक धरोहरों विविधताओं को इन राष्ट्रीअध्यक्षों, मेजबान देशों को उपहार में देकर उन्हें मोहित कर दिया है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारतीय समृद्ध संस्कृति की विरासत विविधताओं का कूटनीति में जबरदस्त आगाज,हर तोहफा कुछ कहता है!

साथियों बात अगर हम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की विविधता व कलाओं को विश्व के मेजबान देश व अनेक राष्ट्राध्यक्षों तक पहुंचाने के अद्भुत नायाब तरीके की करें तो,भारत के पीएम जब भी विदेश यात्रा पर जाते हैं, वह कूटनीतिक चर्चाओं से इतर देश की समृद्ध संस्कृति की विविधता की सौगात भी अपने साथ ले जाते हैं और उससे मेजबान देशों का परिचय कराते हैं। यह देश की सांस्कृतिक विरासत और कलाओं के जरिए संबंधों को कूटनीति की सीमाओं के परे नया आयाम देने में मददगार साबित होता है। पिछले दिनों पीएम नाइजीरिया, ब्राजील और गुयाना की यात्रा पर गए थे।वह अपने साथ मेजबान राष्ट्राध्यक्षों के लिए देश के हर कोने से उपहार लेकर गए थे। इनमें आठ कलाकृतियां महाराष्ट्र से, पांच जम्मू-कश्मीर से, तीन-तीन आंध्र प्रदेश और राजस्थान से और दो झारखंड से थी।कर्नाटक, तमिलनाडु उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और लद्दाख से भी एक-एक कलाकृतियां थी।महाराष्ट्र के उपहारों में सिलोफर पंचामृत कलश नाइजीरिया के राष्ट्रपति को दिया गया।यह महाराष्ट्र के कोल्हापुर के पारंपरिक शिल्प कौशल का एक अद्भुत उदाहरण है।तीन देशों की अपनी यात्रा के दौरान पीएम अपने साथ महाराष्ट्र से 8, जम्मू और कश्मीर के 5, आंध्र प्रदेश और राजस्थान से 3-3, झारखंड से 2 और कर्नाटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और लद्दाख से 1-1 उपहार लेकर गए थे। पांच दिनों के दौरान कई देशों के 31 नेताओं से पीएम मोदी ने मुलाकात की तोद्विपक्षीय रिश्तों का एजेंडा आगे बढ़ाने के साथ-साथ इसबात का भी ख्याल रखा कि संबंधों में दोस्ती की महक और रंगत तोहफों के जरिए आगे तक जाए। साथियों बात अगर हम पीएम की विदेश यात्राओँ में उपहार के जरिए भारतीय संस्कृति की विरासत दिखाने की करें तो,इन नेताओं को पीएम ने दिए ये उपहार (1) पुणे के कलाकारों के हाथ से बना चांदी का ऊंट और प्राकृतिक खुरदरा नीलम ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी एल्बनीज़ भारतीय पीएम से मुलाकात के बाद अपने साथ लेकर गए। वहीं पुर्तगाल के प्रधानमंत्री के साथ हुई मुलाकात में भारत की ओर से उपहार में पारंपरिक डिजाइन के साथ नक्काशीदार चांदी का शतरंज सेट उन्हें दिया गया। (2) भारत और इटली के बीच रिश्तों की रौशनी के प्रतीक के तौर पर प्रधानमंत्री जॉर्जिया मैलोनी को भारतीय पीएम ने चांदी से बना मोमबत्ती स्टैंड उपहार में दिया। वहीं चांदी से ही बना नक्काशीदार फलों का एक कटोरा कैरीकॉम के महासचिव के लिए तैयार उपहार बास्केट में शामिल था। (3) गयाना की प्रथम महिला के लिए तोहफा कश्मीरी रंगत के साथ पहुंचा था। इसमें पपीयर माचे बॉक्स में रखी पश्मीना शॉल अब उनके घर की सजावट और दोनों देशों के संबंधों की गर्माहट का भी एहसास कराएगी। कश्मीर की खुशबू कैरीकॉम देशों के नेताओं को दिए गए कस्टमाइज्ड गिफ्ट हैम्पर में भी शामिल थी। उन्हें तोहफों के साथ कश्मीरी केसर भी भारत से उपाहार के तौर पर मिली है। (4)पीएम के विमान में पहुंचे राजस्थान के उपहारों शामिल सिल्वर फोटो फ्रेम अब अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के साथ ब्यूनोस आयर्स पहुंच चुका है। वहीं राजस्थान के मकराना मार्बल से बना खास नक्काशीदार पिएट्रा ड्यूरा नॉर्वे के प्रधानमंत्री को भारत के साथ रिश्तों की याद दिलाता रहेगा। राजस्थान के शिल्पकारों की मेहनत और कारीगरी से तैयार सोने के काम वाली राज सवारी मूर्ति गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स के घर की शोभा बढ़ाएगी। भारतीय पीएम की गिफ्ट बास्केट में उत्तर भारत ही नहीं दक्षिण भारत के तोहफे भी विदेश पहुंचे। इस कड़ी में आंध्रप्रदेश कीमती पत्थरों से जड़ा सिल्वर क्लच पर्स ब्राजील के राष्ट्रपति की पत्नी को भेंट किया गया। वहीं कैरीकॉम देशों के नेताओं को दिए गए कस्टमाइज्ड गिफ्ट हैम्पर में आंध्र प्रदेश की अराकू घाटी में उगाई जाने वाली खास कॉफी को भी शामिल किया गया था। (5) नाइजीरिया के उपराष्ट्रपति को हजारीबाग की सोहराय पेंटिंग दी गई जो पशु,पक्षी और प्रकृति के चित्रण के लिए जानी जाती है। वहीं इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के लिए पीएम मोदी खोवर पेंटिंग लेकर पहुंचे थे जो झारखंड की आदिवासी कला और सांस्कृतिक विविधता का प्रतिनिधित्व करती है। (6) उपहारों की कड़ी में चिली के राष्ट्रपति को भारतीय पीएम ने उत्तरप्रदेश में बना लकड़ी का बारीक नक्काशीदार और उत्कीर्ण चांदी फोटो फ्रेम भेंट किया। वहीं कर्नाटक के छोटे से शहर चन्नपटना की विशिष्ट लकड़ी से बनी खिलौना ट्रेन उन्होंने गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली के छोटे बेटे को दी। (7) फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को पीएम मोदी ने तमिलनाडु की प्रसिद्ध तंजावुर पेंटिंग भेंट की। इसे दोस्ती का इशारा कहिए या कूटनीति का संदेश, भारतीय पीएम ने फ्रेंच राष्ट्रपति को उस तमिलनाडु के कलाकारों की कला का नमूना भेंट किया जहां से सटे करईकल और पुदुचेरी इलाके में कभी फ्रेंच कॉलोनी हुआ करती थी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारतीय समृद्धि, संस्कृति विरासत विविधताओं का कूटनीति में जबरदस्त आगाज-हर तोहफा कुछ कहता है!भारत की समृद्ध सांस्कृति की विरासत विविधता व कलाओं को विश्व के मेजबान देश व राष्ट्रअध्यक्षों तक पहुंचाने का अद्भुत नायाब तरीकाभारतीय संस्कृति? विरासत की विविधता की सौगातों से पीएम द्वारा अपनी विदेश यात्राओं में मेजबान देशों को परिचित कराने में अद्भुत योगदान है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। गुरूवार को किराना बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। नारियल व शक्कर में बाजार मजबूती के रहे। खाद्य तेलों में मजबूती कायम रही। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार गुरूवार को किराना बाजार में कामकाज की मात्रा सामान्य ही रही। नारियल व शक्कर में पूछपरख अच्छी रहने से भावों में सुधार का रूख रहा। खाद्य तेलों में सुर्खी बनी रही। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे–

किराना– शक्कर 4115–4135, खोपरा गोला 310–370, खोपरा बूरा 4400–6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250–265, मीडियम 280–285, ऊंझा हल्का 270–275, बेस्ट 290–320, हल्दी निजामाबाद 170–210, सांगली 265–270, साबूदाना हल्का 4500–4600, मीडियम 4650–4850, बेस्ट 5100–5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200–8200, सौंफ मोटी 110–250, एस्ट्रा बेस्ट 300–400, सौंफ बारिक 280–400, राई दाल 90–95, सरसो दाल 85–95, कालीमिर्च एटम 770–800, गरबल 740–750, मटरदाना 825–850, खसखस अनक्लीन 900–1200, क्लीन 1300–1500, दालचीनी 250–265, जायफल 725–750, बेस्ट 780–790, वाद्यान फूल 440–495, शाहजीरा 385, तेजपान 90–95, पत्थर फूल 340–425, बेस्ट 475–500, जावत्री 1675–1750, बेस्ट 1850–1890, केसर 175–185, सौंठ 375–400, धोली मूसली 2175–2250, लौंग 765–775, बेस्ट 800–810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100–135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720–770, पूजा बादाम 115–200, पूजा सुपारी 450–475, अरीठा 130–145, हरि इलायची शंकर 2850–2950, विरूद्ध नगर 2950–3025, मीडियम 2975–3050, बोल्ड 3075–3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250–3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550–1800, बेस्ट 1850–1950, तरबूज मगज 480–500, काजू (240) 950–960, काजू (210) 950–1000, काजू (320) 920–940, काजू एस. डब्ल्यू 800–810, जे.एच. 830–860, टुकड़ी 750–800, बादाम मगज 870–925, सिंगापुरी 795–815, अखरोट 510–800, जर्दालु 250–350, बेस्ट 450–600, किशमिश कंधारी 420–470, बेस्ट 550–650, इंडियन 140–150, बेस्ट 170–190, चारौली 1550–1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450–550, बेस्ट 650–900, अंजीर 750–1450, मखाना 1100–1625, खारक 115–135, मीडियम 140–180, बेस्ट 225–250, एक्ट्रा बेस्ट 300–310, पिस्ता 1400–1600, कंधारी 1750–1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300–3350, (160) 4100–4150, (200) 4800–4850, (250) 5000–5100

तेल– सींगदाना 1420–1440, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2250, सोया साल्वेंट 1140–1150, सोया रिफाइंड 1200–1210, कपास्या 1315, धूलिया 1320, कड़ी 1320,

रात की धारणा– गुजरात लुज 1375–1400, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1225,

खली– कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास–उज्जैन 2300, खंडवा–बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन– सरसो 7000–7200, रायडा 6800–7100, सोयाबीन 4350, टोली (महुआ बीज) 4400–4600, करंज 4400–4500, अलसी 6800–7000, अरंडी 4500–4700, तिल्ली पुरानी 6500–7000, तिल्ली नई 7200–7500,

दलहन– चना कांटेवाला बेस्ट 6450–6500, एवरेज 6200–6300, विशाल 5450–5550, काबूली डॉलर 8500–9000, काबुली रशि?यन 5600–5800, बिटकी 5300–5400, मसूर बेस्ट 6100–6200, एवरेज 6000–6100, मूंग देशी 7300–7400, पाला 7200–7300, चमकी 7400–7500, नायलोन 7600–7650, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600–6700, एवरेज 6500–6600, हल्की 6400–6500, तुअर महाराष्ट्र 6600–6700, महाराष्ट्र लाल 6600–6900, उड़द बेस्ट 7400–7500, एवरेज 7200–7300, शंकर 7000–7100, हल्की 6900–7000,

दाल– चना दाल एवरेज 7700–8300, बोल्ड 8600–8800, तुअर दाल सवा नं. 7300–7400, तुअर दाल फूल 9000–9100, तुअर दाल बोल्ड 9900–10100, मसूर दाल एवरेज 7750–7850, बेस्ट 7950–8100, मूंग दाल 9500–9600, बोल्ड 9800–10000, मूंग मोगर 9300–9400, बोल्ड 9700–9800, उड़द दाल 8500–8600, बोल्ड 8700–8900, मोगर 9800–10000, बोल्ड 10100–10200,

अनाज– गेहूं मिल क्वालिटी 2625–2650, लोकवन 2800–2850, (147) 2600–2650, बेस्ट 2650–2800, मालवराज 2650–2675, पूर्णा 2750–2800, चन्द्रोसी 3000–3800, ज्वार देशी 2400–2550, मक्का पीली 2275–2300,

चावल– चावल हंसा सफेद 3000–3200, सेला 3600–3800, परमल 3500–3800, दुबराज 4500–5500, राजभोग 7000–7200, काली मुंछ 8500–8900, बासमती दुबार 9500–10000, मीनी दुबार 8000–8500, मोगरा 4500–6000, तिबार 10500–11500, बासमती (921) 12000–13000, बासमती सेला 7500–9500, पोहा 4800–5300,

मावा– इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में नरमी की स्थिति रही। भाव इस प्रकार रहे–

चाँदी (9999) 114900, चाँदी (99) 114800, टंच 114000, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 99000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया गुरुवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 86.43 पर बंद हुआ। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच रुपया सुबह शुरुआती कारोबार में 17 पैसे की बढ़त के साथ 86.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता विदेशी मुद्रा बाजार पर भारी पड़ रही है, जिससे रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी निकासी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया और स्थानीय मुद्रा की तेजी को सीमित कर दिया।

आज का राशिफल

मेष– आज का दिन आपके लिए कुछ उतार–चढ़ाव से भरा रहने वाला है। आप काम को लेकर काफी खुश रहेंगे, लेकिन वैवाहिक जीवन में समस्याएं आपका सिरदर्द बनी रहेंगी। आपको अपने पार्टनर की बातों पर भी थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में रहेगा, लेकिन आप उन्हें किसी बात को लेकर धोखा ना दें। आप अपने घर किसी इलेक्ट्रॉनिक आइटम को लेकर आ सकते हैं।

वृषभ– आज आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आपकी कोई मन की इच्छा भी पूरी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई जिम्मेदारी वाला काम मिलने से उसमें आपको अपने जूनियर का पूरा साथ मिलेगा। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। यदि कोई वाद–विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें शांति बनाने की पूरी कोशिश करें, लेकिन वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

मिथुन– आज का दिन आपके लिए धन संपत्ति के मामले में अच्छा रहने वाला है। प्रॉपर्टी को लेकर कोई वाद–विवाद खड़ा हो सकता है। घूमने–फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपकी कार्यक्षेत्र में किसी बात को लेकर कहासुनी होने की संभावना है। आपके मन में काम को लेकर यदि कोई आईडिया आये, तो आप उसे तुरंत आगे न बढ़ाएं। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला सुलझेगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग पर प्रशस्त होंगे।

कर्क– आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने व्यवसाय में कुछ बदलाव को करने की सोचेंगे। आपको नौकरी को लेकर भी कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। संतान के करियर को लेकर आप उन्हें कोई दूसरा कोर्स ज्वाइन करा सकते हैं। आपके घर परिवार में चल रही समस्याओं से आपको काफी हद तक छुटकारा मिलेगा।

सिंह– आज का दिन आपके लिए करियर के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको किसी पुराने निवेश से बेहतर लाभ मिल सकता है, लेकिन पारिवारिक समस्याएं आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगी, जिन्हें आप मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें। किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से भागदौड़ भी बनी रहेगी। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोगों इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपको काम के साथ–साथ आराम के लिए भी समय निकालना होगा।

कन्या– आज का दिन आपके लिए किसी नई प्रॉपर्टी की खरीदारी के लिए रहेगा। आप अपने पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे, जिससे एक दूसरे को जानने का बेहतर मौका मिलेगा। आपकी कोई धार्मिक काम करने की इच्छा थी, तो वह पूरी हो सकती है। आप इमोशन में आकर कोई फैसला न लें। आप कुछ नया करने की कोशिश करें, तो बेहतर रहेगा, लेकिन इसमें आपको कोई भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। आप किसी सरकारी योजना में धन लगा सकते हैं, जो आपके लिए अच्छा रहेगा।

तुला– आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। बिजनेस में आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे लोगों की कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती हैं। आप अपनी आय को बढ़ाने का कोई मौका हाथ से जाने ना दें। आपको अपने बजट पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है और आपको अपने समय का सदुपयोग करना होगा।

वृश्चिक– आज का दिन आपके लिए किसी जोखिम भरे काम को करने से बचने के लिए रहेगा। आज आप अच्छे खान–पान का आनंद लेंगे, लेकिन इससे आपको कोई पेट संबंधित समस्या हो सकती है। किसी दूर रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती हैं। आप संतान के कहने पर किसी नये वाहन के खरीदारी कर सकते हैं।

धनु– आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको अपने करियर में उन्नति के अवसर मिलेंगे, लेकिन काम को लेकर कुछ चुनौतियां बनी रहेंगी। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ रोमांटिक मूड में रहेंगे और आपका रिश्ता और गहरा होगा। आपने यदि किसी को धन दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आप कोई भी लेनदेन थोड़ा सोच विचारकर करें। आप परिवार के सदस्यों के साथ समय व्यतीत करेंगे।

मकर– आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपका धन को लेकर यदि कोई काम रुका हुआ था, तो वह भी पूरा होगा। आप किसी बात को लेकर आज स्ट्रेस ना लें। करियर में भी आपको अच्छी सफलता मिलेगी। आपको किसी पैतृक संपत्ति की भी प्राप्ति हो सकती है। आपकी सेहत में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो उसके भी दूर होने की संभावना है।

कुंभ– आज का दिन बिजनेस करने के लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको अपने काम के साथ–साथ परिवार के सदस्यों के लिए भी समय निकालना होगा। आप अपनी सेहत पर भी पूरा ध्यान दें। आप किसी काम के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। आज आपको जरूरी सामानों पर पूरा ध्यान देना होगा। नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रमोशन मिलने की संभावना है। आपकी कोई नया काम करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

मीन– आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है, लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। आप अपने घर किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं, जिसमें परिजनों का आना–जाना लगा रहेगा। किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप किसी आस–पड़ोस में हो रहे लड़ाई–झगड़े में ना पड़ें, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है।

शब्दजाल - 7970

शब्द जाल में 10 खनिजों के नाम ढूंढिए। नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं।

प्र	अ	मे	बॉ	क्सा	इ	ट	मैं	र	प	गो
न	का	क	अ	भ्र	क	ने	ग	ति	मा	यू
ड्रे	दा	र	ला	मा	ग	अं	नी	ह	प	रे
ज	लो	ल	का	को	न	स	ज	ह	लि	नि
त	अ	मा	र	न	य	मे	ह	तां	न	य
अ	ना	का	इ	व	प	ला	त	बा	र	म
ग	ही	लौ	मा	ट	अ	ला	को	मा	न	ग
रा	रा	भा	ह	न	प	स	र	ल	वि	ला
क	ना	ड़	अ	अ	क्र	र	ण्ड	न	जू	डे
र	का	ति	मा	न	य	क	म	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स्क	त्ता	प	र	र

बॉक्साइट, अभ्रक, यूरेनियम, कोयला, तांबा, डोलोमाइट, मैंगनीज, हीरा, लौह अयस्क, कोरण्डम

शब्दजाल - 7969 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6914

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली फिल्म-३
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6913

उ	त्स	व		चि	रा	ग		खौ	फ
स्ता		च	रि	त्र		म	स्त		र
द	म	न		ले	कि	न		शा	दी
	र्या		रे	खा			ना	गि	न
अं	दा	ज			प्या	सा			र्द
गु		मि	चि	स		ज	ख्मी		
र	वी	ना		ल	गा	न		जं	ग
	र		हे	मा			सी		ली
बे	ता	बी		न	या	ज	मा	ना	
ता		ना	ना		दे			म	स्ती

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2025 वर्ष का 206 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि प्रतिपदा 23.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 16.01 बजे को समाप्त।
योग वज्र 07.28 बजे को समाप्त।
करण किस्तुघ्न 11.58 बजे तदनन्तर बव 23.24 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 38'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872416
जूलियन दिन 2460881.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 29

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.10 बजे से
चंद्र	कर्क में	कन्या	09.22 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.33 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.48 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	16.04 बजे से
शुक्र	वृष में	मकर	18.09 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.55 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.28 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.59 बजे से
		वृष	00.39 बजे से
		मिथुन	02.37 बजे से
		कर्क	04.50 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अनुशासन का पाठ

यह उन दिनों की बात है, जब डॉ. जाकिर हुसैन जामिया मिलिया इस्लामिया की हालत सुधारने में जुटे थे। एक दिन उन्होंने शिक्षकों से कहा, 'हम चाहते हैं कि हमारे छात्र अनुशासन का पालन करें। वे साफ-सफाई पर ध्यान दें। उनके कपड़े साफ-सुथरे हों। उनके जूतों पर अच्छी तरह पॉलिश हो। इससे विश्वविद्यालय का शैक्षणिक माहौल बेहतर होगा।' अगले दिन उन्होंने इसके लिए एक नोटिस जारी किया। फिर छात्रों को मौखिक आदेश भी दिया। कुछ दिन बाद अध्यापकों ने उनसे कहा, 'हम लोगों ने कई बार प्रयास किया, मगर छात्रों पर कोई असर नहीं पड़ा। इसके लिए कठोर कार्रवाई की जरूरत है।' जाकिर हुसैन ने कहा, 'नहीं, कठोर कार्रवाई का छात्रों पर गलत असर पड़ेगा।' मगर उन्होंने तय कर लिया कि वह अपना मकसद किसी भी कीमत पर हासिल करके रहेंगे। अगले दिन सुबह-सुबह छात्रों ने विश्वविद्यालय के गेट पर एक व्यक्ति को बैठे देखा, जो सबसे जूते पॉलिश कराने के लिए कह रहा था। कुछ छात्रों ने उससे जूते पॉलिश कराए। उस शख्स ने पैसे नहीं लिए और कहा कि यह यूनिवर्सिटी की तरफ से कराया जा रहा है। इस पर कुछ और छात्र पॉलिश करवाने लगे। तभी एक विद्यार्थी ने पॉलिश करने वाले का चेहरा गौर से देखा तो उसके होश उड़ गए। वह तो जाकिर हुसैन थे। पूरे विश्वविद्यालय में हड़कंप मच गया। बाकी छात्र जहां थे वहीं रुक गए। किसी की समझ में नहीं आ रहा था कि अब किया क्या जाए। उसी समय कुछ वरिष्ठ छात्र, जो विश्वविद्यालय का माहौल खराब करने में सबसे आगे रहते थे, उनके पास आए और कहने लगे, 'हमसे बहुत बड़ी गलती हुई। आज से आप जैसा कहेंगे हम लोग वैसा ही करेंगे। हमें माफ कर दीजिए।' जाकिर हुसैन बोले, 'तुम लोग अभी से अनुशासन का मखौल उड़ाओगे तो आगे चल कर तुम्हें परेशानी होगी। हम चाहते हैं कि यहां के छात्रों से दूसरे लोग कुछ सीखें।' उसके बाद विश्वविद्यालय का माहौल पूरी तरह बदल गया।

सूडोकु नवताल- 7223

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल -7222 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8438

बाएँ से दाएँ

1. कंठ,गला-3
3. पक्षियों का शौर-4
5. शारीरिक ऊँचाई-2
6. पाचन शक्ति-3
7. मां की माता-2
8. प्यार,प्रेम(अंग्रेजी-2)
10. रचना करने वाला-5
12. शोरबा,तरी-3
15. खाद्य सामग्री-3
17. दोनों हाथों को पीटना-5
20. भाग्य(अंग्रेजी-2)
22. कदली,एक फल-2
23. उपासना,शीश झुकाना-3
24. घ्राणेन्द्रिय,नासिका-2
25. तहखाना-4
26. दया-3

ऊपर से नीचे

1. मर्यादा,सीमा-2
2. कहानी लिखने वाला-5
3. अचरज भरा कार्य-3
4. वर,इच्छित वस्तु देना-4
5. जलजला-3
7. मां के पिता-2
9. चिकनाई-2
11. हशीश,एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13. बोलने का तरीका-3
14. तमीजवाला-5
15. परंपरा,रिवाज-4
16. राजनीतिक पार्टी-2
18. आफत,मुसीबत-2
19. नाट्य,कथा मंचन-3
21. कमी-3
24. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8437 का हल

	अ	च	र	ज		सु	रु	चि
चा	चा		म	ही	ना			न्त
र	न	र		न	व	जी	व	न
	क	म	ला		च			शी
म		ल	त		ला	त		ल
नो			मा		ना	र	द	
का	न	भ	र	ना		ह	र	म
म			ना	का	रा		क	ण
ना	ट	क		म	ह	क	ना	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरापट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी कंपनी टेक महिन्द्र के शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 542 अंकों की गिरावट के साथ ही 82,184.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 158.80 अंक की गिरावट के साथ ही 25,062.10 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर इटरनल (जोमेटो), डॉ रेड्डीज़ लैब्स, टाटा मोटर्स, टाटा कंज्यूमर, सिप्ला के शेयर सबसे अधिक लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं ट्रेंट, नेस्ले, श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज पीएसयू बैंक और फार्मा के अलावा अन्या सभी सूचकांक गिरे हैं। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.4 फीसदी टूटा। बाजार में गिरावट का एक अन्य कारण कंपनी के पहली तिमाही के कमजोर परिणाम भी रहे। वहीं अमेरिका–भारत व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता जारी रहने से भी बाजार पर दबाव आया है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में अब तक 26,395 करोड़ रुपये मूल्य के भारतीय शेयर बेचे हैं। उससे भी बाजार कमजोर हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सेंसेक्स गुरुवार को मामूली बढ़त के साथ 82,779 पर खुला।

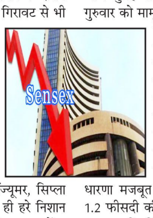

हालांकि, खुलते ही यह लाल निशान में फिसल गया। इसी तरह निफ्टी–50 भी 25,243 अंक के सपाट लेवल पर खुला। वहीं एशिया–पैसिफिक मार्केट्स में तेजी देखी जा रही है। अमेरिका और जापान के बीच ट्रेड डील को लेकर बनी सहमति और यूरोपियन यूनियन के साथ बातचीत में सकारात्मक संकेतों से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। जापान का टॉपिक्स इंडेक्स 1.2 फीसदी की बढ़त के साथ रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया, जबकि निक्केई 1.09 फीसदी ऊपर रहा। कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.6 फीसदी चढ़ा है और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 फ्लैट ट्रेड कर रहा है। वहीं अमेरिकी बाजारों में भी जबरदस्त तेजी रही। एसएंडपी 500 लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ और 6,358.91 के स्तर पर पहुंच गया। डाओ जोंस 507.85 पॉइंट की छलांग लगाकर 45,010.29 पर बंद हुआ। नेस्डेक ने भी पहली बार 21,000 का स्तर पार किया और 21,020.02 पर बंद हुआ।

अफवाहों पर विराम....2000 से अधिक के यूपीआई लेन–देन पर टैक्स नहीं

नई दिल्ली। भारत और दुनिया भर में यूपीआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। चाहे सब्जी वाले को भुगतान करना हो या ऑनलाइन शॉपिंग करनी हो, ज्यादातर लोग यूपीआई करते हैं। हाल ही में खबरें आई थीं कि यूपीआई के जरिए 2000 से अधिक के लेन–देन पर टैक्स लगेगा। लेकिन अब मोदी सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर इन दावों को पूरी तरह से खारिज किया है। रिपोर्ट के अनुसार,

राज्यसभा सांसद अनिल कुमार यादव ने संसद में पूछा था कि क्या सरकार 2000 रुपये से ऊपर के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर जीएसटी लगाने पर विचार कर रही है। उन्होंने पूछा कि क्या जनता ने इस कदम का विरोध करते हुए कोई प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया है। वित्त मंत्रालय ने पुष्टि की है कि 2000 रुपये से ऊपर के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। हाल ही में फैली अफवाहों को संबोधित करते हुए, मंत्रालय ने उन रिपोर्टों को पूरी तरह से गलत और निराधार बताया, जो 2000 रुपये से ऊपर के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर जीएसटी लगाने का सुझाव दे रही थीं। मामले पर वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि जीएसटी से संबंधित फैसले केवल जीएसटी काउंसिल की सिफारिशों पर ही लिए जाते हैं और अब तक ऐसी कोई सिफारिश नहीं की गई है। राजस्व विभाग ने भी पुष्टि की कि जीएसटी काउंसिल एक संवैधानिक निकाय है और कोई भी नया टैक्स केवल इसकी सिफारिशों के आधार पर ही लागू किया जा सकता है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मजबूत बनी भारतीय अर्थव्यवस्था- आरबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक व्यापार और टैरिफ को लेकर जारी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत मैक्रोइकोनॉमिक फंडामेंटल्स के चलते स्थिर बनी हुई है। आरबीआई के बुलेटिन में प्रकाशित स्टेट ऑफ द इकोनॉमी रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में मुद्रास्फीति में कमी, खरीफ सीज़न की अच्छी संभावनाएं, सरकारी खर्च में तेजी, और अनुकूल वित्तीय स्थितियां आगे चलकर समग्र मांग को समर्थन देंगी। रिपोर्ट में कहा गया है

कि भू–आर्थिक विखंडन और व्यापारिक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पास वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर है। साथ ही ढांचागत निवेश और उत्पादकता बढ़ाने वाले संरचनात्मक सुधार भविष्य में विकास को मजबूती प्रदान करेंगे। इस बीच मॉर्गन स्टेनली ने अनुमान जताया है कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वहीं एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का अनुमान है कि भारत की जीडीपी वृद्धि दर 2025 में 6.5 फीसदी और 2026 में 6.7 फीसदी रहेगी। मुद्रास्फीति भी आरबीआई के अनुमानित लक्ष्य के भीतर रहने की संभावना है। हालांकि आरबीआई ने चेतावनी दी है कि 1 अगस्त 2025 से लागू होने वाली नई आयात शुल्क दरों को लेकर वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं अभी भी अस्थिर हैं, जिससे वैश्विक आर्थिक संभावनाओं पर असर पड़ सकता है।

ग्राम साडरा और मनेरी में अवैध रासायनिक खाद भंडारण पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी तहसील के ग्राम साडरा और मनेरी में अवैध रासायनिक खाद भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने 24 जुलाई को कड़ा कदम उठाते हुए छापेमारी की। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में अवैध खाद जब्त की गई और एक गोदाम को सील किया गया। यह कार्रवाई अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी कमलचंद सिंहसार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा की गई, जिसमें अनुविभागीय अधिकारी (कृषि) खुदीराम सनोडीया, तहसीलदार साडरा संजय बारस्कर, और उर्वरक निरीक्षक लांजी कुलदीप गनवीर शामिल थे।

साडरा में 63 बैग खाद जब्त

साडरा में सूचना के आधार पर प्रशासनिक टीम ने पद्माकर बिल्हारे के निवास पर औचक निरीक्षण किया। उनके पशुशाला के एक कमरे में एनपीके (20-20-0-13) के 32 बैग और यूरिया के 31 बैग, कुल 63 बैग अवैध रूप से भंडारित पाए गए। पूछताछ में बिल्हारे ने दावा किया कि खाद महाराष्ट्र के सालेकसा तालुका के ग्राम बम्हनी से कृषि कार्य के लिए खरीदी गई थी, लेकिन कोई वैध दस्तावेज या बिल प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद मौके पर पंचनामा, जप्तीनामा, और सुपर्दनामा तैयार कर खाद को नियमानुसार जब्त कर लिया गया।

मनेरी में गोदाम सील

इसी दिन मनेरी में संयुक्त भ्रमण के दौरान चैतराम नगपुरे के गोदाम की जांच की गई। यहां एनपीके (5-15-0-10) के 19 बैग, एसएसपी के 19 बैग, और यूरिया के 4 बैग बिना पीओएस मशीन के भंडारित और बिक्री के लिए रखे पाए गए। गोदाम संचालक ने स्टॉक रजिस्टर या विक्रय पंजी प्रस्तुत नहीं की और न ही गोदाम मैपिंग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खाद माँ पीताम्बरा कृषि केंद्र से लाया गया था, लेकिन कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखाया। इसके चलते गोदाम को सील कर दिया गया और वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

कालाबाजारी पर नकेल, प्रशासन की सख्ती

यह कार्रवाई क्षेत्र में बढ़ती रासायनिक खाद की कालाबाजारी और अवैध भंडारण की शिकायतों के मद्देनजर की गई। अनुविभागीय अधिकारी (कृषि) खुदीराम सनोडीया ने बताया कि उर्वरक निरीक्षक और अन्य अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं ताकि किसानों को उचित मूल्य पर समय पर खाद उपलब्ध हो। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब्त खाद के स्रोत और अवैध भंडारण की श्रृंखला की जांच शुरू कर दी गई है, साथ ही अन्य संदिग्ध स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है।

स्थानीय प्रतिक्रिया और प्रभाव

साडरा और मनेरी में हुई इस कार्रवाई की चर्चा स्थानीय लोगों के बीच जोरों पर है। ग्रामीणों का मानना है कि ऐसी कार्रवाइयां कालाबाजारी रोकने और किसानों को उनकी जरूरत के समय उचित मात्रा में खाद उपलब्ध कराने में मददगार होंगी। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे खाद खरीदते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें।

आगे की कार्रवाई

प्रशासन ने चेताया कि इस तरह की गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साडरा और मनेरी में जब्त किए गए खाद की जांच और गोदाम संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है। अन्य संदिग्ध स्थानों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि अवैध खाद भंडारण और कालाबाजारी को पूरी तरह रोका जा सके।

हरियाली महोत्सव पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा में किया वृक्षारोपण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम कारंजा में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 24 जुलाई, 2025 को हरियाली महोत्सव के पावन अवसर पर एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्राचार्य आर.के. घोरमारे ने किया, जिसमें विद्यालय के समस्त शिक्षक गण, इको क्लब, स्काउट गाइड के विद्यार्थी, और अन्य कर्मचारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जागरूकता पैदा करना था।

वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के दौरान इको क्लब और स्काउट गाइड के विद्यार्थियों ने वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर आम, जामुन, नीम, कनेर, पारिजात, अर्जुन, और अमरूद जैसे विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। इन पौधों का चयन उनके पर्यावरणीय महत्व और स्थानीय जलवायु के अनुकूलता को ध्यान में रखकर किया गया। वृक्षारोपण के साथ-साथ, उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों को हरियाली महोत्सव के महत्व और वृक्षारोपण के पर्यावरणीय लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान वृक्षों की देखभाल, जलवायु परिवर्तन से निपटने में उनकी भूमिका, और जैव विविधता संरक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

शिक्षक गण और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक गणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उपस्थित शिक्षकों में एफ. एक्का, श्रीमती धम्मशिला मेश्राम, आर.के. चौधरी, वाय.आर. राहंगडाले, श्रीमती अरुणा शिंदे, श्रीमती अंजुलता कच्छवाहे, जितेंद्र बागड़े, राजकुमार वैद्य, श्रीमती सिंधु रिहायत, एल.सी. मच्छिरके, आर.एस. मसखरे, अशोक रामटेके, धनलाल गायकवाड़, संतोष ऊके, सी.एस. खरे, टीकाराम मस्के, प्रांजल टेंभरे, श्रीमती भीमेश्वरी येरपुडे, गुहदरसिंह मरकाम, और इको क्लब व स्काउट गाइड प्रभारी मनोज नगपुरे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, समस्त अतिथि शिक्षक गणों ने भी इस आयोजन में योगदान दिया।

इस आयोजन ने न केवल विद्यालय परिसर को हरा-भरा करने में योगदान दिया, बल्कि विद्यार्थियों और समुदाय में पर्यावरण के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा दिया। प्राचार्य श्री घोरमारे ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। इको क्लब और स्काउट गाइड के विद्यार्थियों ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों में सक्रिय भागीदारी का वादा किया।

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा सराहनीय-राजकुमार कर्राहे

मातृ शक्ति के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में विकासखंड लांजी, जिला बालाघाट में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन 24 जुलाई 2025 को लांजी नगर के गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नारी शक्ति को पर्यावरण संरक्षण से जोड़कर समाज में जन-जागरूकता फैलाना और हरियाली को बढ़ावा देना था। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था स्पोर्ट एंड स्काउट्स गाइड्स ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से, जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन में इस अनूठी पहल का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां गायत्री के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लांजी-किरनापुर के विधायक राजकुमार कर्राहे, विशेष अतिथि आलोक चौरसिया (मंडल अध्यक्ष, लांजी), श्यामलाल पांडे (गायत्री शक्तिपीठ), श्रीमती दुर्गा दिनेश रामटेक्कर, रमेश असाटकर, किशनलाल महेरबान, लिलेश्वर बब्लू खानोरकर, सालिकराम रामटेक्कर, पत्रकार दिनेश रामटेक्कर, मंदिर के पुजारी विनोद तिड़के, और नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर उपस्थित थे। सभी अतिथियों का स्वागत पौधे भेंट करके किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति इस आयोजन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा-उद्देश्य और अवधारणा

विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नवांकुर सखी हरियाली यात्रा योजना के उद्देश्यों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस अभियान का प्रमुख लक्ष्य नारी शक्ति के माध्यम से स्वैच्छिकता के आधार पर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद का यह प्रयास समाज और शासन के बीच सेतु के रूप में कार्य करता है, जिसमें सामुदायिक भागीदारी के जरिए जल संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में कार्य किया जाता है। इस अभियान के तहत प्रत्येक सेक्टर में 100 नवांकुर सखियों को पंजीकृत किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगी।

इस अवसर पर अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। श्यामलाल पांडे ने अपने संबोधन में पेड़-पौधों के जीवन में महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रम समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने परिषद के प्रयासों की सराहना की और लोगों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की।

श्रीमती दुर्गा दिनेश रामटेक्कर ने हरियाली अमावस्या की शुभकामनाएं देते हुए नवांकुर सखी हरियाली यात्रा को एक प्रेरणादायक पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है, बल्कि महिलाओं को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है।

आलोक चौरसिया, मंडल अध्यक्ष, लांजी, ने कहा कि यह कार्यक्रम महिला शक्ति के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के लिए एक जन-जागरूकता अभियान है। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस कल्पना की सराहना की और विश्वास जताया कि लगाए गए पौधे भविष्य में वृक्ष बनकर पर्यावरण को समृद्ध करेंगे।

मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे ने अपने प्रेरक उद्बोधन में उपस्थित सखियों और नागरिकों से एक पेड़ मां के नाम के साथ-साथ अपने पिताजी के नाम भी पौधा रोपित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और मौसम में हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण संकट गहरा रहा है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कम से कम पांच पौधे लगाने की प्रेरणा दी। साथ ही, उन्होंने नवांकुर सखियों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय और सतत भागीदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

पौधा वितरण और संकल्प

कार्यक्रम के समापन पर 104 नवांकुर सखियों को विधायक राजकुमार कर्राहे और मंचासीन अतिथियों द्वारा पौधे वितरित किए गए। इन सखियों ने संकल्प लिया कि वे इन पौधों को अपने आंगन में रोपेंगी और वर्ष भर उनकी देखभाल करेंगी। इसके साथ ही, वे अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, और स्मृति दिवस जैसे विशेष अवसरों पर पौधारोपण करेंगी। यह संकल्प पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उपस्थित गणमान्य नागरिक

कार्यक्रम में परामर्शदाता विजय हटिले, निलेश्वर ठाकरे, ज्योति शक्करपुडे, कैलाश ब्रम्हपुरे (संचालक, निर्माण इंस्टीट्यूट, लांजी), श्रीमती प्रमिला ति?के, उषा सोमनकर, अल्का सातपुते, और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के 50 छात्र-छात्राओं सहित गणमान्य नागरिक व 104 नवांकुर सखियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शासकीय कन्या हाई स्कूल की 17 छात्राओं को मिली साइकिलें

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत मध्यप्रदेश नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत 24 जुलाई को शासकीय कन्या हाई स्कूल, लांजी में एक भव्य साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद लांजी के उपाध्यक्ष संदीप कुमार रामटेककर, पार्षद श्रीमती प्रेमलता संजय खोबरागड़े, संजय खोबरागड़े, विद्यालय के प्राचार्य सुभाष बसेना सहित शिक्षकगण भागीरथ कोठारे, सुरेश सोनवाने, बी. आर. वाकडे, बी. एल. भोंडेकर, सी. एल. लिल्हारे, मनोज लाडे, शिक्षिका सुश्री पूनम गुर्दे और श्रीमती सुषमा लिल्हारे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान शासकीय कन्या हाई स्कूल की 17 छात्राओं को नि:शुल्क साइकिलें प्रदान की गईं। यह योजना मध्यप्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ने वाले उन छात्र-छात्राओं के लिए शुरू की गई है, जो अपने गांव से 2 किलोमीटर या उससे अधिक दूरी पर स्थित शासकीय स्कूलों में पढ़ाई के लिए जाते हैं, और जहां उनके गांव में माध्यमिक या हाई स्कूल की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को स्कूल आने-जाने में सुविधा प्रदान करना, उनकी शिक्षा में रुचि बढ़ाना और ड्रॉपआउट दर को कम करना है।

कार्यक्रम में उपस्थित नगर परिषद के उपाध्यक्ष संदीप कुमार रामटेककर ने अपने संबोधन में कहा, 卐मध्यप्रदेश सरकार की यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाओं के लिए एक वरदान साबित हो रही है। साइकिल प्राप्त करने से छात्राओं को स्कूल आने-जाने में आसानी होगी, जिससे उनकी पढ़ाई नियमित और सुगम हो सकेगी। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी शिक्षा को और मजबूत करें।

विद्यालय के प्राचार्य सुभाष बसेना ने मध्यप्रदेश सरकार की इस योजना की सराहना करते हुए कहा, यह योजना उन छात्राओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी है जो दूरदराज के क्षेत्रों से स्कूल आती हैं। साइकिल वितरण से उनकी शिक्षा यात्रा में एक नया उत्साह आएगा। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों ने भी छात्राओं को प्रोत्साहित किया और उन्हें नियमित रूप से स्कूल आने और अपनी पढ़ाई में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राओं में उत्साह और खुशी का माहौल था।

मध्यप्रदेश नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत इस वर्ष 2024-25 में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 4.50 लाख शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिलें प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के तहत कक्षा 6 और 9 में प्रथम प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को लाभ दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों में कन्या छात्रावासों में रहने वाली उन छात्राओं को भी साइकिलें प्रदान की जाती हैं, जिनके स्कूल की दूरी छात्रावास से 2 किलोमीटर या उससे अधिक है। इस योजना के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने 195 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है, और साइकिलों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

यह कार्यक्रम न केवल शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और उनकी स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी एक सकारात्मक पहल है। लांजी के शासकीय कन्या हाई स्कूल में आयोजित यह साइकिल वितरण कार्यक्रम इस दिशा में एक और कदम है, जो निश्चित रूप से छात्राओं के भविष्य को उज्जवल बनाने में सहायक होगा।

बहेला विद्यालय में नेत्र परीक्षण शिविर का हुआ सफल आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बहेला में 24 जुलाई 2025 को एक नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का नेतृत्व विद्यालय के प्राचार्य गणेश फरदे के कुशल मार्गदर्शन में कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न किया गया। शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के स्कूली छात्रों के नेत्र स्वास्थ्य की जांच करना और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करना था।

शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सारिका बोरले ने बहेला संकुल के अंतर्गत आने वाले सभी प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के नेत्रों की जांच की। इस दौरान कुल 19 छात्रों में दृष्टि संबंधी समस्याएं पाई गईं और उन्हें चश्मे की आवश्यकता के लिए चिन्हित किया गया। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि यह नेत्र परीक्षण शिविर पूर्णतः नि:शुल्क था, और शासन द्वारा इन सभी चिन्हित छात्रों को नि:शुल्क चश्मा वितरित किया जाएगा। यह पहल छात्रों के स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी बेहतरी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

शिविर में बहेला संकुल के अंतर्गत सभी स्कूलों से एक-एक शिक्षक और नेत्र संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहेला के सभी शिक्षक भी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया। शिविर के दौरान छात्रों को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और नियमित जांच के महत्व को समझाने पर भी ध्यान दिया गया।

कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य गणेश फरदे ने डॉ. सारिका बोरले का उनके सहयोग और समर्पण के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस तरह के आयोजनों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह न केवल छात्रों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि उनकी शैक्षिक प्रगति में भी सहायक सिद्ध होगा। इस शिविर ने नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान करके सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया।

यह आयोजन न केवल छात्रों के नेत्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि शैक्षणिक संस्थाएं और शासन मिलकर समाज के कमजोर वर्गों के लिए कितना सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों की निरंतरता की अपेक्षा की जाती है।

पुलिस के नए जवान पढ़ेंगे रामायण

सोने से पहले करेंगे चौपाइयों का सामूहिक पाठ, एडीजी ने दिए निर्देश

भोपाल। मध्यप्रदेश के नए जवान अब ट्रेनिंग के दौरान रामचरित्र मानस का पाठ पढ़ाते हुए नजर आएंगे। एडीजी प्रशिक्षण राजाबाबू सिंह ने सभी पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के एसपी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर अपने ट्रेंनिंग सेंटर्स में रामायण का पाठ करवाने के निर्देश दिए हैं। एडीजी प्रशिक्षण राजा बाबू सिंह ने ये निर्देश इसलिए दिए हैं कि बड़े पैमाने पर पीटीएस चेंज करने का आवेदन उनके पास आए थे।

मध्यप्रदेश पुलिस में 6 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती हुई है। जिनकी ट्रेनिंग 9 महीने चलेगी। नए जवानों को ट्रेनिंग के लिए अलग-अलग पीटीएस भेजा गया है। लेकिन कई पुलिस के नए जवानों ने अपने पीटीएस चेंज करने का आवेदन दिया था। आवेदन की काफी संख्या देखने के बाद राजा बाबू सिंह ने आवेदन देने वाले जवानों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की और उन्हें भगवान राम से सीखने लेने की सलाह दी। एडीजी राजाबाबू सिंह ने पुलिस जवानों से कहा कि कई जवान नौ माह की ट्रेनिंग भी नहीं कर पा रहे। वे घर के नजदीक वाला पीटीएस चाह रहे हैं। इन सभी को रामचरित मानस की चौपाइयों की सामूहिक पाठ करना चाहिए। क्योंकि भगवान राम 14 वर्ष वनवास में रहे, उसी दौरान उन्होंने जंगल में जीवित रहने की कला, अपरिचित वातावरण में ढलना और दुश्मन को परास्त करने की कला सीखी थी।

ट्रांसफर एप्लिकेशन से परेशान होकर दी सलाह

एडीजी (प्रशिक्षण) राजाबाबू सिंह ने बताया, पुलिस ट्रेनिंग सेंटर (पीटीएस) चेंज करने के लिए बहुत सारे एप्लिकेशन आ रहे थे। पीटीएस बदलवाने के लिए भीड़ लगी हुई थी। ज्यादातर एप्लिकेशन में लिखा है- छिंदवाड़ा का रहने वाला हूं, मुझे पीटीएस पचमढ़ी में कर दिया जाए। मैं चंबल का रहने वाला हूं, पीटीएस तिघरा कर दिया जाए। कोई कह रहा था मां बीमार तो किसी के पिता बीमार हैं। एडीजी राजाबाबू सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में ट्रेनिंग लेने पहुंचे कॉन्स्टेबलों से कहा, भगवान राम ने 14 साल का वनवास स्वीकार किया था। भगवान जब माता-पिता की आज्ञा मानने के लिए 14 साल वन में रह सकते हैं तो आप अपने ट्रेनिंग के लिए घर-परिवार से दूर नहीं रह सकते। आप भगवान राम के जीवन को देखिए, रावण से लडने के लिए वानरों की सेना तैयार की और लंका पर विजय प्राप्त की। मेरा सुझाव है कि जो नए आरक्षक हैं वो रोज सोने से पहले रामचरितमानस का पाठ करें।

ट्रेनिंग सेंटर चेंज करने का टाइम नहीं

रामायण का पाठ करने के सुझाव पर जब एडीजी राजाबाबू सिंह से बात की तो उन्होंने कहा, अब टाइम नहीं कि ट्रेनिंग सेंटर को चेंज करें। कमिटमेंट के साथ ट्रेनिंग पूरी करें। 9 महीने बाद जब ट्रेनिंग करके निकलेंगे तो कॉन्स्टेबल बदले हुए होंगे। अगले 33 से 35 साल तक मप्र पुलिस का फ्रंट फेस होंगे। इसलिए मैंने भगवान राम का उदाहरण दिया। कहा कि रामचरितमानस पढ़िए और उससे प्रेरणा लीजिए। मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षकों को ट्रेनिंग देने के लिए कुल 8 ट्रेनिंग सेंटर हैं। पीटीएस रीवा, उमरिया, पचमढ़ी (नर्मदापुरम), इंदौर, उज्जैन, भौंरी (भोपाल), तिघरा (ग्वालियर) और सागर। यहां 23 जुलाई से 4 हजार नव आरक्षकों की ट्रेनिंग शुरू हुई है। ट्रेनिंग 9 महीने की होगी। 1 जुलाई 2024 को न्यू क्रिमिनल लॉ लागू हो गए हैं। इसी को देखते हुए हमने पुलिस कॉन्स्टेबल के बेसिक कोर्स में संशोधन किया है।

11 विभागों के 110 पदों के लिए 339 उम्मीदवारों का होगा साक्षात्कार

- राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2024 में सिलेक्ट हुए उम्मीदवारों के इंटरव्यू 18 अगस्त से होंगे शुरू

भोपाल । राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2024 में चयनित उम्मीदवारों के लिए मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने मंगलवार को साक्षात्कार की तारीख तय कर दी। आयोग ने 18 अगस्त से उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया है। 11 विभागों के 110 पदों के लिए 339 चयनित उम्मीदवार हिस्सा लेंगे। इन्हें आठ अगस्त से साक्षात्कार पत्र जारी होंगे। आयोग ने गाइडलाइन पोर्टल पर अपलोड कर दी है, जिसमें उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए घंटेभर पहले आयोग कार्यालय में रिपोर्टिंग करनी होगी। मूल दस्तावेज भी लाने होंगे।

राज्य सेवा परीक्षा-2024 के तहत 11 विभागों में 110 रिक्त पदों में एसडीएम, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, अतिरिक्त सहायक विकास आयुक्त, वाणिज्यिक कर निरीक्षक, आबकारी उप निरीक्षक पदों पर भर्ती होनी है। इसके लिए प्रारंभिक परीक्षा जुलाई में और मुख्य परीक्षा अक्टूबर 2024 में हुई थी। पांच मार्च को आयोग ने मुख्य परीक्षा परिणाम में 339 अभ्यर्थियों का चयन किया। 306 उम्मीदवार मुख्य सूची में और 33 प्रावधिक सूची में शामिल हैं।

रोज 30 से 40 उम्मीदवारों के इंटरव्यू होंगे

आयोग ने चयनित उम्मीदवारों के साक्षात्कार को लेकर तीन पैनल बनाया है। रोजाना 30 से 40 उम्मीदवारों के साक्षात्कार होंगे। इस लिहाज से प्रक्रिया पंद्रह दिनों में संपन्न की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक कार्य दिवस पर साक्षात्कार रखेंगे। इनमें शामिल होने से पहले उम्मीदवारों को ऑनलाइन अग्रमान्यता फार्म भरकर देना है।

फार्म में नहीं देनी होगी व्यक्तिगत जानकारी

भर्ती परीक्षा की चयन सूची को लेकर कई बार आयोग पर गंभीर आरोप लगे हैं। इसके चलते अब नई व्यवस्था की गई है। इंटरव्यू पैनल के समक्ष रखे जाने वाले फार्म में अब व्यक्तिगत जानकारी नहीं देनी होगी। इसमें उपनाम, ईमेल आइडी, मोबाइल नंबर सहित अन्य व्यक्तिगत जानकारी देने पर पाबंदी रहेगी।

भोपाल में बनेगा गूगल जैसा एआई रेडी डेटा सेंटर

भोपाल। मप्र में सरकार एआई रेडी डेटा सेंटर स्थापित करने जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव कैबिनेट ने डेटा सेंटर स्थापित करने की मंजूरी दी है। यह डाटा सेंटर स्पेन की इनोवेटिव टेक कंपनी सबमर टेक्नोलॉजीस के सहयोग से विकसित किया जाएगा। यह डेटा सेंटर 1 गीगा वॉट क्षमता का एआई रेडी डेटा सेंटर होगा। राज्य सरकार के इस फैसले से राजधानी भोपाल कम्प्यूटर कैपिटल बन सकता है। मप्र में स्थापित किया जाने वाले एआई रेडी डेटा सेंटर के फैसले को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दरअसल, यह सेंटर लाखों जीपीयू प्रोसेसरों को होस्ट करने की क्षमता वाला होगा। इसके बाद मध्यप्रदेश में मशीन लर्निंग, आईओटी, गवर्नेंस डेटा, हेल्थ, स्मार्ट सिटी और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा। मुख्यमंत्री पिछले दिनों स्पेन की यात्रा पर थे, इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्पेन स्थित डाटा सेंटर का भ्रमण किया था। इस दौरान मुख्यमंत्री की कई निवेशकों से चर्चा भी हुई थी। इसी यात्रा के दौरान नेट जीरो एआई डेटा सेंटर के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी रेडियंट एजेस ने मध्यप्रदेश में 200 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है।

डाटा सेंटर के लिए स्पेन में हुआ एमओयू

स्पेन यात्रा के दौरान मध्यप्रदेश सरकार और सबमर टेक्नोलॉजीस के बीच हुए एमओयू में स्थानीय युवाओं को ट्रेनिंग देने, टेक्निकल संस्थानों को जोडने और इंटरनेशनल टेक इन्वेस्टर्स को

नगर निगम की बैठक में आयुक्त की कार्यप्रणाली पर हंगामा

भोपाल। नगर निगम की गुरूवार की बैठक हंगामेदार रही। जहां सत्ता पक्ष ने उपलब्धिया गिनाई वहीं विपक्ष ने कई मुद्दों पर घेरा। आयुक्त की कार्यप्रणाली को लेकर भी हंगामा हुआ। वहीं महापौर मालती राय ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए सदन से ही एक अधिकारी का ट्रांसफर कर दिया। नगर निगम 23वीं परिषद की बैठक वंदे मातरम गायन के साथ शुरू हुई। अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने ऑपरेशन सिंदूर में भारत के शौर्य का स्वागत किया। स्वच्छता सर्वेक्षण में एमपी के 8 शहरों के सूची में आने पर सीएम को बधाई दी। वाटर प्लस में 7 स्टार मिलने और स्वच्छता में भूमिका निभाने वाले निगम कर्मियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

विपक्ष ने नाराजगी जताई

विपक्ष के पार्षद ने की बजट के वार्षिक प्रतिवेदन देने की मांग की। विपक्ष ने भोपाल के नंबर दो आने पर बधाई दी। बारिश में सडकों में गड्ढे, जलभराव और सुलभ शौचालय में रेट बढ़ाने पर चर्चा की मांग की। नेता प्रतिपक्ष सबिस्ता जकी ने बजट के वार्षिक प्रतिवेदन नहीं दिए का मामला उठाया। बैठक समय सीमा में नहीं होने पर विपक्ष ने नाराजगी जताई। पुनरीक्षित बजट की फाइल पर सभापति के हस्ताक्षर नहीं होने भी आपत्ति ली।

पूर्व जोनल अधिकारी सत्यप्रकाश बडगैया को हटाया

सभापति और नेता प्रतिपक्ष के प्रस्तावित बजट को पास कराने पर जवाब मांगा मांगा। विपक्ष के पार्षद ने जन्म मृत्यु शाखा में दागी अधिकारी की पदस्थापना का मामला उठाया। इस पर महापौर ने जवाब दिया- अधिनियम में प्रदत्त शक्तियों को प्रयुक्त करने में सक्षम हैं। शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापौर ने पूर्व जोनल अधिकारी सत्यप्रकाश बडगैया को हटाया। सदन से ही अधिकारी को महापौर ने ट्रांसफर किया।

आयुक्त के समर्थन में विपक्ष भी आया

निर्दलीय पार्षद पप्पू विलास ने आयुक्त के खिलाफ मोर्चा खोला। आयुक्त की कार्यप्रणाली पर सदन में हंगामा हुआ। उनके कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। पार्षद ने कहा - पार्षद, सांसद, विधायक भी आयुक्त से नाराज है। बहस के दौरान आयुक्त के समर्थन में विपक्ष भी आया।

राजनीतिक नियुक्तियों के दरवाजे खुले... दावेदारों की शुरू हो गई धोक पड़वा

ओबीसी कल्याण आयोग अध्यक्ष की नियुक्ति से हुआ श्रीगणेश, एल्डरमैन, मंडल, प्राधिकरणों के लिए भी जमावट

भोपाल। पहले तो लम्बा समय प्रदेश अध्यक्ष की बांट जोहते हुए ही बीत गया और अभी पिछले दिनों हेमंत खंडेलवाल की ताजपोशी की गई। उसके बाद ओबीसी कल्याण आयोग अध्यक्ष और सदस्य की राजनीतिक नियुक्तियों का आदेश जारी हुआ और उसके साथ ही एल्डरमैन, मंडल, प्राधिकरणों के लिए भी जमावट शुरू हो गई और दावेदारों की धोख पड़वां भी जारी है, जो अपने-अपने राजनीतिक आकाओं के चरण छूकर किसी ना किसी नियुक्ति का आशीर्वाद पाना चाहते हैं।

डेढ़ साल से अधिक समय प्रदेश सरकार के गठन को हो गया। मगर मंत्रिमंडल विस्तार से लेकर राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला शुरू ही नहीं हो पाया। किसी ना किसी अभियान या प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के चलते मामला टलता रहा। मगर अब इन नियुक्तियों के दरवाजे खुल गए हैं और पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इसके संकेत दे दिए थे। ओबीसी कल्याण आयोग का अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया को बनाया, तो सदस्य के लिए मौसम बिसेन का चयन किया गया। इसमें महत्वपूर्ण तथ्य यह भी रहा कि उम्र का भी प्रतिबंध लगता है अब मायने नहीं रखता और 75 साल से अधिक उम्र के कुसमारिया को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही अब प्रदेशभर में जो निगम, मंडल, प्राधिकरण खाली पड़े हैं उनमें राजनीतिक नियुक्तियों पर सत्ता-संगठन पर दबाव पडने लगा है। नवागत अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी अब इन राजनीतिक नियुक्तियों को करना चाहते हैं और उन तक भी पहुंच की जुगाड़ दावेदारों ने शुरू कर दी है।

एल्डरमैनों की नियुक्ति के लिए नाम मांगे

निगम में एल्डरमैनों की नियुक्ति होना है, जिसके लिए सांसद के अलावा सभी विधायकों से नाम मांगे गए हैं और उसके बाद फिर संगठन निर्णय करेगा। मंडल, प्राधिकरणों के लिए फिलहाल जिला स्तर पर कोई नाम नहीं मांगे गए हैं। इसका फैसला सत्ता-संगठन सीधे अपने स्तर पर ही करेगा। अलबत्ता जिला योजना समिति की तर्ज पर अब जिला विकास सलाहकार समितियों का गठन मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होना है। उसके लिए अवश्य राजनीतिक जोड़-तोड़ शुरू हो गई है। इस समिति में उपाध्यक्ष जिले के प्रभारी मंत्री और सदस्यों में सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष के अलावा उद्योग, व्यापार, प्रगतिशील किसान, समाजसेवा, चिकित्सा, विधि क्षेत्र के 20 प्रतिनिधि नामांकित होना है, जिसके लिए भी दावेदारों ने धोक पड़वां शुरू कर दी है।

सर्पदंश की घटनाएं हमारे लिए चुनौती

वन विकास निगम की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम बोले

प्रदेश में सांपों के काटने से हो रहीं सर्वाधिक मौतें; रोकने के उपाय करें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में सर्पदंश के कारण असमय हो रही मौतों पर चिंता जताई है। सीएम ने भोपाल में भारतीय वन प्रबंध संस्थान में आयोजित वन विकास निगम की 50 वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि वैसे कई सवाल मैं ही उठाता रहता हूं जैसे रैपटाइल में सांपों की गिनती की ही प्रक्रिया नहीं हैं। इसमें आपका(वन विभाग) दोष नहीं हैं। ये मैंने पूरे देश में पूछा तो बताया हमारे यहां सांपों की गिनती की प्रक्रिया ही नहीं हैं।

सीएम ने कहा कि नागपंचमी आ रही है हमारे यहां नाग चुनौती भी हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा यदि व्यक्ति की जान जाती है तो सर्पदंश की घटनाओं के कारण जाती है सर्पदंश को कैसे रोकें, उसको चुनौती की तरह लें बचाव को लेकर जो उपाय हो सकते हैं वो सब करें। वन्यजीव हमारे लिए जरूरी है जनता की जान भी जरूरी है।

वन विकास निगम को महाराष्ट्र में भी काम मिल रहा

सीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, किसी भी निगम की 50 साल की यात्रा हमारे लिए गौरवपूर्ण है। हमारे निगम को न केवल बल्कि महाराष्ट्र में भी काम मिल रहा है। आपने दूरगामी दृष्टि से अच्छी छलांग लगाने का काम किया है। निगम में जो संभावनाएं हैं, उसे और टटोला जाए। जब हम 50 साल के मुकाम तक पहुंचते हैं तो सिंहावलोकन करते हुए पुरानी व्यवस्थाओं के आधार पर अगली छलांग और बड़ी लगाने का संकल्प लेने की जरूरत है। सीएम ने कहा कि अच्छे कामों को केंद्र सरकार भी प्रोत्साहित करती है। निवेश को लेकर हमारे राज्य की वन संपदा की जो नीलामी करते हैं। तो हम जोधपुर गए थे मैंने कहा था कि फर्नीचर कलस्टर का जहां भी निर्यात होता है। हमें लगा कि हमारे यहां बहुत बड़ी इमारती लकड़ी है उन्नत श्रेणी का सागौन है लेकिन पूरे देश में सबसे ज्यादा निर्यात राजस्थान के जोधपुर से होता है।

हम सागौन का फर्नीचर देंगे तो दुनिया पागल हो जाएगी

सीएम ने कहा कि हमने जोधपुर में पूछा तो उन्होंने बड़ी चौंकाने वाली बात बताई कि आपके यहां जो है वो है। हम तो बबूल और आम से ही दुनिया भर में निर्यात कर रहे हैं। ये हमारे लिए अलग प्रकार का अनुभव भी आया। हमारे लिए और चैलेंज हो गया। हमारे यहां तो उसे जलाऊ लकड़ी के रूप में देखते थे। जलाऊ लकड़ी का ही फर्नीचर अगर अच्छा है अगर हम सागौन का फर्नीचर देंगे तो दुनिया पागल ही हो जाएगी। वन विकास निगम भविष्य की संभावनाओं पर काम करे। उस दिशा में आगे बढ़े। बाकी वन्य क्षेत्रों को डेवलप करने में आपने अच्छी सामग्री डेवलप कर ली उसमें और क्या क्या हो सकता है। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि वैसे तो आदि काल से कुछ मामलों में हमारे यहां सीमाएं नहीं होती जैसे ऋषि-मुनि इनकी किसी राज्य के अंदर रुकने की कोई सीमा नहीं होती।

जॉब दर कंप्यूटर ऑपरेटर को मिलेगी पीएफ की सुविधा

भोपाल। वन विभाग में कार्यरत हजारों जॉब दर कंप्यूटर ऑपरेटरों को भी पीएफ सुविधा का लाभ मिलेगा। आयुक्त पीएफ क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी को निर्देश दिए हैं कि जॉब दर कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर को नियुक्ति दिनांक से पीएफ सुविधा का लाभ देने की कार्यवाही करें।

मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि कर्मचारी मंच के नेतृत्व में वन विभाग के जॉब दर पर कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर कर्मचारी लंबे समय से पीएफ सुविधा का लाभ देने की मांग विभाग से कर रहे हैं। पीएफ आयुक्त ने वर्ष 2021 मे भी मुख्यालय वन विभाग को कंप्यूटर ऑपरेटर को पीएफ सुविधा का लाभ देने का पत्र वन मुख्यालय को लिखा था। लेकिन वन विभाग के अधिकारियों ने 4 साल निकल जाने के बावजूद भी कंप्यूटर ऑपरेटर को पीएफ सुविधा का लाभ देने की कार्यवाही नहीं की है। इस कारण पीएफ आयुक्त क्षेत्रीय भोपाल ने नियमों एवं अधिनियमों का हवाला देकर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

मप्र सरकार रोक हटाने पहुंची सुप्रीम कोर्ट

भोपाल। वर्ष 2019 से प्रदेश में चल रही ओबीसी सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस जहां सरकार को घेरने की तैयारी में जुटी है और मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाएगी। वहीं, सरकार बढ़ाए गए 13 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण पर लगी रोक को हटवाने के सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई। पांच अगस्त को मामले की सुनवाई होगी। पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने इसे सरकार का दिखावा बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट स्पष्ट कर चुका है कि 27 प्रतिशत आरक्षण पर कोई रोक नहीं है तो फिर उसे लागू क्यों नहीं किया जा रहा है।

हाई कोर्ट जबलपुर ने 2022 में ओबीसी आरक्षण की सीमा 14 प्रतिशत यानी पहले की तरह सीमित कर दी थी। कांग्रेस सरकार में इसे बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया था लेकिन विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के अभ्यर्थियों ने इसे हाई कोर्ट में इस आधार पर चुनौती दी कि कुल आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक हो रही है। कोर्ट में महाधिवक्ता कार्यालय में 87 प्रतिशत पदों के परिणाम घोषित करते हुए शेष 13 प्रतिशत पदों पर नियुक्ति को रोकने का फार्मूला दिया।

सुप्रीम कोर्ट में चल रही कई याचिकाएं

इसके आधार पर तब से भर्तियां हो रही हैं। विभिन्न याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में चल रही हैं। इसे लेकर कांग्रेस सरकार से लगातार सवाल पूछती रही है कि अब तक आरक्षण लागू क्यों नहीं किया गया।

मप्र में पीडीएस के तहत हितग्राहियों को बांटे जाने वाले अनाज में बड़ा बदलाव

मप्र के हितग्राहियों को अब मिलेगा 3 किग्रा गेहूं, 2 किग्रा चावल

-केंद्र सरकार ने 75 प्रतिशत गेहूं और 25 प्रतिशत चावल आवंटन करने का आदेश जारी किया

भोपाल। मप्र में पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) के तहत हितग्राहियों को बांटे जाने वाले गेहूं और चावल में बड़ा बदलाव हुआ है। मांग पर केंद्र सरकार ने मप्र को अब 75 प्रतिशत गेहूं और 25 प्रतिशत चावल का आवंटन करने संबंधी आदेश जारी किया है। जबकि इससे पहले मप्र को केंद्र से 40 प्रतिशत गेहूं और 60 प्रतिशत चावल आवंटित होता था। जिससे हितग्राहियों को पर्यास मात्रा में गेहूं नहीं मिल पाता था।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न का वितरण किया जाता है। जिसमें गेहूं की अपेक्षा चावल अधिक दिया जाता था। जबकि प्रदेश में गेहूं का उपभोग करने वालों की संख्या अधिक है। इस व्यवस्था की जानकारी निकाली तो पता चला कि केंद्र सरकार से कुल आवंटन का 40 प्रतिशत गेहूं और 60 प्रतिशत चावल आवंटन जारी हो रहा है। जिस कारण हितग्राहियों को 2 किलो गेहूं और 3 किलो चावल दिया जाता है। लेकिन जिन हितग्राहियों को चावल नहीं चाहिए और गेहूं लेना चाहते हैं, तो उन्हें गेहूं नहीं मिल पाता है।

1 लाख मीट्रिक टन ज्यादा मिलेगा गेहूं

मंत्री राजपूत ने कहा कि मामला संज्ञान में आने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलकर बात की। जिसके बाद तीन दिन पहले दिल्ली प्रवास पर पहुंचा और केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात कर मध्यप्रदेश को चावल से ज्यादा गेहूं आवंटन करने की मांग रखी। इस मांग पर केंद्रीय खाद्य मंत्री जोशी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए आदेश जारी कर दिया है। जिसमें उन्होंने अब मध्यप्रदेश को कुल आवंटन का 75 प्रतिशत गेहूं और 25 प्रतिशत चावल आवंटित करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के बाद मध्यप्रदेश के पीडीएस के पात्र हितग्राहियों को तीन किलो गेहूं और दो किलो चावल मिलेगा। साथ ही जिसे चावल नहीं चाहिए। उन्हें गेहूं 5 किलो दिया जाएगा। नए आदेश के बाद मप्र को अब प्रतिमाह एक लाख मीट्रिक टन गेहूं ज्यादा मिलेगा। इन आदेश पर मंत्री राजपूत ने केंद्रीय खाद्य मंत्री जोशी का आभार माना है।

राजधानी में 28 जुलाई को बड़ा आंदोलन

13 प्रतिशत आरक्षण होल्ड के विरोध में ओबीसी महासभा का ऐलान

भोपाल। मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण मुद्दे को लेकर जहां एक ओर जमकर सियासत देखने मिल रही है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश सरकार की ओर से ओबीसी के 13 प्रतिशत आरक्षण होल्ड करने के विरोध में ओबीसी महासभा 28 जुलाई को बड़ा आंदोलन करने जा रही है। ओबीसी महासभा ने ऐलान किया है वह भोपाल में होल्ड आरक्षण के विरोध में मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे।

ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एडवोकेट धर्मेंद्र कुशवाह का कहना है कि मध्य प्रदेश में 90 के दशक में जो आंदोलन चला, उस आंदोलन के माध्यम से 27 प्रतिशत आरक्षण होना चाहिए था। लेकिन आज तक 27त्न आरक्षण मध्य प्रदेश में लागू नहीं है जो कि सामाजिक न्याय के खिलाफ है। जिसके चलते कई ऐसे विद्यार्थी हैं जो इस 13 परसेंट आरक्षण होल्ड के कारण ओवर एज हो चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि बेरोजगारी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। यह मध्य प्रदेश के लोगों का दुर्भाग्य है कि उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश में आरक्षण के खिलाफ लगी सारी पिटीशन को खारिज कर दिया गया। फिर भी सरकार ने आज तक इस मामले में कोई कदम नहीं उठाया। यह मध्य प्रदेश सरकार की संविधान विरोधी मानसिकता है। ऐसी स्थिति में अब ओबीसी महासभा ने निर्णय लिया है कि वह 28 जुलाई को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे, उनके इस आंदोलन में अन्य राजनीतिक दल भी समर्थन देने की बात कर रहे हैं।

ओली पोप और जो रूट क्रीज पर; इंग्लैंड का स्कोर 200 के पार

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम ने पहली पारी में 10 विकेट पर 358 रन बनाए। फिलहाल इंग्लैंड की पहली पारी जारी है।

बेन डकेट 94 रन बनाकर आउट

इंग्लैंड को दूसरा झटका अंशुल कंबोज ने दिया। उन्होंने बेन डकेट को अपना शिकार बनाया। वह 94 रन बनाकर आउट हो गए। अब ओली पोप का साथ देने जो रूट आए हैं। इंग्लैंड ने दो विकेट पर 197 रन बना लिए हैं।

क्राउली 84 रन बनाकर आउट

इंग्लैंड को पहला झटका रवींद्र जडेजा ने दिया। उन्होंने जैक क्राउली को अपना शिकार बनाया। वह 113 गेंदों में 84 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने पहले विकेट के लिए बेन डकेट के साथ 166 रनों की साझेदारी निभाई। अब डकेट का साथ देने ओली पोप आए हैं। इंग्लैंड का स्कोर 170 के पार पहुंच गया है।

क्राउली और डकेट के अर्धशतक

इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे कर लिए हैं। इंग्लैंड का स्कोर 110 के पार पहुंच गया है। भारत को अब तक पहला विकेट नहीं मिला है।

तीसरे सत्र का खेल शुरू

तीसरे सत्र का खेल शुरू हो गया है। जैक क्राउली और बेन डकेट के बीच 80 से ज्यादा रनों की साझेदारी हो चुकी है। इंग्लैंड अभी भारत से 277 रन पीछे है।

क्राउली और डकेट के बीच 60+ रन की साझेदारी

क्राउली और डकेट के बीच 60 से ज्यादा रनों की साझेदारी हो चुकी है। दोनों अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। भारत को पहले विकेट की तलाश है। फिलहाल इंग्लैंड 280 से ज्यादा रन पीछे है।

इंग्लैंड की पहली पारी जारी

इंग्लैंड की पहली पारी जारी है। जैक क्राउली और बेन डकेट क्रीज पर मौजूद हैं। भारत को पहले विकेट की तलाश है।

भारत की पारी समाप्त

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम ने पहली पारी में 10 विकेट पर 358 रन बनाए। उनके लिए यशस्वी जायसवाल ने 58 और ऋषभ पंत ने 54 रन बनाए। वहीं, इंग्लैंड के लिए बेन स्टोक्स ने पांच विकेट झटके जबकि जोफ्रा आर्चर को तीन विकेट मिले। इसके अलावा क्रिस वोक्स और लियाम डॉसन ने एक-एक विकेट झटके।

भारत को नौवां झटका

भारत को नौवां झटका जोफ्रा आर्चर ने दिया। उन्होंने ऋषभ पंत को बोल्ड किया। वह 75 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 54 रन बनाकर आउट हुए। अब बुमराह का साथ देने के लिए मोहम्मद सिराज आए हैं। भारत ने नौ विकेट पर 350 रन बना लिए हैं।

चोटिल ऋषभ पंत ने पूरा किया अर्धशतक

चोटिल ऋषभ पंत ने 71 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का 18वां पचासा पूरा कर लिया। वह पहले दिन चोटिल होकर बाहर हो गए थे। दूसरे दिन वह दर्द से कराहते हुए बल्लेबाजी के लिए आए और अर्धशतक जड़ा। फिलहाल उनका साथ देने के लिए बुमराह क्रीज पर मौजूद हैं। भारत का स्कोर 350 के करीब पहुंच गया है।

बेन स्टोक्स कहर बरपा रहे हैं। उन्होंने भारत की पारी के 110वें ओवर में दो झटके लिए। पहले कप्तान ने सुंदर को अपना शिकार बनाया। इसके बाद अंशुल कंबोज को जैमी स्मिथ के हाथों कैच आउट कराया। अपने डेब्यू मैच में कंबोज खाता भी नहीं खोल पाए। अब पंत का साथ देने के लिए जसप्रीत बुमराह आए हैं।

वैभव इंग्लैंड दौरे के अंतिम टेस्ट में विफल रहे

लंदन। भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से खेल रहे 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए इंग्लैंड दौरे का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच अच्छा नहीं रहा। इसमें वैभव पहली ही गेंद पर आउट हो गये। एकदिवसीय सीरीज में जमकर छक्के लगाने वाले वैभव टेस्ट मैच में विफल रहे। वह 4 पारियों में केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये। वैभव के लिए अंतिम पारी अच्छी नहीं रही और वह उसमें खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं इससे पहले वैभव ने एकदिवसीय सीरीज में 29 छक्के लगाये थे।

सीरीज के इस दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड अंडर-19 ने भारतीय टीम को जीत के लिए 355 रन का लक्ष्य दिया। इसका पीछा करते हुए वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे से दूसरी पारी में अच्छी शुरुआत की उम्मीद थी पर वैभव विफल रहे और पारी की पहली गेंद पर ही पवेलियन लौट गए। वैभव ने तेज गेंदबाज एलेक्स ग्रीन की पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटों में लग गयी। वैभव पहली बार अपने करियर में पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं।

पहली पारी में भी वह 14 गेंदों पर 20 रन बना पाये थे। वैभव ने एक अर्धशतक सहित दो मैचों की टेस्ट सीरीज की 4 पारियों में 90 रन बनाए हैं। उनका औसत 22.50 का रहा है। वहीं वैभव एकदिवसीय सीरीज में काफी सफल रहे थे और उन्होंने 355 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने शतक भी बनाया था। पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में वैभव का बल्लेबाजी औसत रहा है।

आयुष ने नया रिकार्ड बनाया, मैकुलम को स्ट्राइक रेट मामले में पीछे छोड़ा

चेम्सफोर्ड । भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने इंग्लैंड-अंडर 19 टीम के खिलाफ अंतिम यूथ टेस्ट मैच में सबसे अधिक स्ट्राइक रेट का एक नया रिकार्ड बनाया है। आयुष ने सीरीज के दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 64 गेंदों पर ही अपने सौ रन पूरे कर लिए। ये इस सीरीज में आयुष का इस यह दूसरा शतक है। इससे पहले आयुष ने पिछले सप्ताह बेकेनहैम के केंट काउंटी क्रिकेट मैदान में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 102 रन बनाए थे। आयुष ने दूसरी पारी में 80 गेंदों पर ही 13 चौकों और छह छक्कों की मदद से 126 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 157.50 रहा। वहीं पहली पारी में उन्होंने 90 गेंदों पर 88.89 के स्ट्राइक रेट से 80 रन बनाये थे। इस बल्लेबाज ने इस प्रकार दोनो ही पारियों को मिला दिया जाये तो 170 गेंदों पर 206 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 121.17 रहा। इस प्रकार आयुष ने न्यूज़ीलैंड के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम के 24 साल पुराने बल्लेबाजी स्ट्राइक रेट के रिकॉर्ड को तोड़ दिया.

गौरतब है कि मैकुलम ने साल 2001 में लिंकन में खेले गए न्यूजीलैंड-दक्षिण अफ्रीका युवा टेस्ट मैच के दौरान 108.41 के स्ट्राइक रेट से 200 से अधिक रन बनाए थे। वहीं आयुष स्ट्राइक रेट के मामले में मैकुलम के रिकॉर्ड से कहीं आगे हैं।वहीं 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी दूसरे युवा टेस्ट की दूसरी पारी में शून्य पर ही आउट हो गये।

शास्त्री के पसंदीदा पांच खिलाड़ियों में सचिन पहले नंबर पर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री के पसंदीदा शीर्ष पांच क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, कपिल देव, विराट कोहली और एमएस धोनी हैं। शास्त्री ने इनमें से गावस्कर और कपिल और सचिन के साथ खेला है जबकि बाकि दो के वह कोच रहे हैं। उनके अनुसार सचिन सबसे प्रभावशाली क्रिकेटर रहे हैं। शास्ती ने अपने करियर में 80 टेस्ट और 150 वनडे मैच खेले, जिसमें 3830 और 3108 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 151 और एकदिवसीय में 129 विकेट लिए।

शास्त्री एक कार्यक्रम में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और एलेस्टेयर कुक के साथ बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान जब शास्त्री से भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली और महान खिलाड़ियों के नाम पूछे गए तो उन्होंने कहा कि कि। इन पांच खिलाड़ियों ने अलग-अलग तरीकों से और विभिन्न पीढ़ियों पर प्रभाव छोड़कर भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदला। शास्त्री ने सचिन से शुरुआत की, जिन्होंने 20 से ज्यादा साल तक भारतीय फैंस की उम्मीदों का भार संभाला। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाल एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 34357 सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए हैं। वहीं गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट को एक नया आत्मविश्वास दिया। वह 10 हजार टेस्ट रनों का आंकड़ा हासिल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी थे। कपिल देव ने महान कप्तान और ऑलराउंडर के तौर पर भारत को 1983 का विश्व कप जिताया।

वहीं विराट ने अपने आक्रामक अंदाज से कप्तान और कोच के तौर पर भारत को टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। कोहली भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाले कप्तान हैं। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में कप्तानी करने के बाद 40 जीते। उन्होंने मई 2025 में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। वहीं पूर्व कप्तान धोनी ने भारत को तीन आईसीसी ट्रॉफी जिताई।

ऋषभ की जगह पर सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी विकेटकीपिंग कर सकेगा, बल्लेबाजी नहीं

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन बल्लेबाजी के दौरान रिटायर्ड हर्ट होने के कारण पेवेलियन लौट गये। ऋषभ की चोट कितनी गंभीर है इसका अभी पता नहीं चला है। ऐसे में वह बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे या नहीं ये भी अभी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है। वहीं कहा जा रहा है कि अगर जांच रिपोर्ट में सबकुछ ठीकठाक रहा तो वह दोबारा बल्लेबाजी कर सकते हैं। वहीं अगर उनकी चोट गंभीर रही तो स्थानपन्न खिलाड़ी उनकी जगह पर विकेटकीपिंग तो कर पायेगा लेकिन बल्लेबाजी नहीं कर सकेगा। स्थानापन्न खिलाड़ी तभी बल्लेबाजी कर सकता है जब सिर पर चोट लगी हो। ऐसे में कन्कशन सब्स्टीट्यूट की सुविधा मलती है।

ऋषभ तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलना चाहते थे पर गेंद उनके बल्ले पर नहीं आयी और पैर पर जाकर लगी। इसी कारण वह दर्द से कराहते दिखे। इसके बाद फिजियो मैदान के अंदर आए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी चोट का स्कैन हुआ है। इस मैच में अगर पंत आगे नहीं खेल पाते हैं तो फिर उनकी जगह ध्रुव जुरेल इंग्लैंड की पारी में विकेटकीपिंग करते हुए नजर आ सकते हैं पर जुरेल बल्लेबाजी नहीं कर सकते क्योंकि पंत को पैर में चोट लगी है, ऐसे में भारत को ब्स्टीट्यूट फील्डर मिल सकता है। सुदर्शन के साथ बल्लेबाजी कर रहे पंत इस मैच में 48 गेंद में 37 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए।

जॉन सीना को मैकइंटायर ने मुकाबले के लिए ललकारा

न्यूजर्सी। डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर जॉन सीना को स्कॉटिश पेशेवर रेसलर मैकइंटायर ने मुकाबले की चेतावनी दी है। मैकइंटायर का वास्तविक नाम एंड्रयू मैकलीन गैलोवे है। सीना को समरस्लैम 2025 में कोडी रोड्स के खिलाफ डब्यूडब्यलूई चैंपियनशिप का बचाव करना है। वहीं अब बीच में मैकइंटायर आ गये है। मैकइंटायर ने सीना का मजाक उड़ाते हुए डब्ल्यूडब्लयूई चैंपियनशिप जीतने के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। सीना का अंतिम मुकाबला संन्यास से पहले गुंथर से होना था। वहीं अब मैकइंटायर ने कहा कि मैं पांच हफ्ते के लिए बाहर था। मैं वापस आया हूं। मैं उन व्यक्तिगत मुद्दों में शामिल नहीं हो रहा हूं जिनमें मैं पिछले दो सालों से शामिल था। मैं अब खिताब वापस जीतना चाहता हूं। रैंडी ऑर्टन पर जीत से मेरी शुरुआत होगी।

बेहद गरीबी से निकलकर क्रिकेट स्टार बने रसेल

जमैका । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले वेस्टइंडीज के स्टार क्रिकेटर आंद्रे रसेल आंद्रे ने अपने क्रिकेट करियर में जहां कई शानदार पारियां खेली हैं और प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन किया है। वहीं रसेल के क्रिकेटर बनने का सफर बेहद कठिन रहा है। रसेल आज जहां आलिशान जिंदगी जीते हैं। वहीं उनका बचपन गरीबी में बीत है। खेल में अपनी मेहनत के बल पर ही वह यहां तक पहुंचे हैं। रसेल के परिवार की आर्थिक स्थिति खराब थी। ऐसे में उनकी मां चाहती थी कि वह पढ़ लिखकर कोई काम तलाश लें पर रसेल जानते थे कि अगर उन्हें अपने परिवार की हालत सुधारनी है तो कुछ बड़ा करना होगा। ऐसे में वह क्रिकेट से जुड़ गये। इसके लिए उन्होंने परिवार से दो साल का समय लिया था।

रसेल के पिता एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे और उनकी मां नहीं चाहती थी कि उनका बेटा क्रिकेटर बने पर रसेल ने अपनी मां से दो साल का समय मांगा और कहा कि अगर वह सफल नहीं हुए तो जो वह कहेंगी वहीं करेंगे। रसेल तय समय तक सफल तो नहीं हो पाए पर परिवार को लगा कि वह मेहनत कर रहा है और एक दिन जरूर सफल होगा। इसलिए परिवार ने उनका साथ दिया। साल 2007 में जमैका की टीम से पहली बार फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने के दौरान ही रसेल ने चयनकर्ताओं को अपने खेल से प्रभावित कर दिया। आक्रामक बल्लेबाजी और घातक गेंदबाजी के बल पर उन्हें वेस्टइंडीज की टीम जगह मिली गयी और इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सफल होने के बाद रसेल एक स्टार बन गये और उनकी जीवनशैली भी बदल गयी। रसेल की पत्नी जस्सिम लॉरा एक और फैशन इंफ्लूएंसर और मॉडल है।

एशिया कप सात सितंबर से दुबई और अबू धाबी में खेला जाएगा !

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक में शामिल होने के लिए तैयार होने से अब एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन की राह साफ हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ये टूर्नामेंट 7 सितंबर से शुरु होने की संभावना है। टी20 प्रारुप में होने वाला ये टूर्नामेंट दो शहरों में खेला जा सकता है। इसका आयोजन दुबई और अबू धाबी में किये जाने की संभावना है। टूर्नामेंट की रूप रेखा तय की जा रही है पर ये साफ हो गया है कि है इस बार 8 टीमों के साथ ये टूर्नामेंट खेला जाएगा। इसमें सदस्य देशों के साथ ही एसीसी प्रीमियर कप के 3 विजेता भी रहेंगे। पूर्ण सदस्य देशों की बात करें तो इसमें भारत के अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें भी शामिल है जबकि एसीसी प्रीमियर कप के 3 विजेता यूएई, ओमान और हॉन्ग कॉन्ग थे। इस तरह कुल 8 टीमें इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली हैं। रिपोर्ट के अनुसार 7 सितंबर से 21 सितंबर तक एशिया कप 2025 खेला जा सकता है। टी20 विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में होगा। पिछली बार एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन बड़े प्रारुप में हुआ था। हाइब्रिड मॉडल के तहत तब पाकिस्तान और श्रीलंका में मैच आयोजित किए गए थे।

विश्वकप के लिए नये सिरे से तैयारी करनी होगी - हरमनप्रीत

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा है कि अब उनकी टीम स्वदेश लौटने के बाद एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियां करेगी। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत से उत्साहित हरमनप्रीत ने कहा कि इससे टीम का मनोबल बढ़ा है पर हमें यहीं नहीं रुकना है क्योंकि हर बार के हालात अलग होते हैं। इसलिए विश्वकप की शुरुआत नये सिरे से करनी होगी। भारतीय टीम ने इंग्लैंड में एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप भी जीता है। वहीं अब भारतीय टीम 14 सितंबर से घरेलू मैदान पर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। इसके बाद 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में महिला एकदिवसीय विश्व कप खेला जाएगा। जिसमें उसका लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा।

हरमनप्रीत ने कहा, ''हर मैच और हर परिस्थिति अलग होती है। यहां परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं, पिच भी अलग थी, माहौल भी अलग था। वहीं विश्वकप के दौरान घरेलू मैदान पर हालात अलग होंगे।'' उन्होंने कहा, ''जब भी आपको जीत मिलती है तो आपकी मानसिकता सकारात्मक हो जाती है। इस तरह की चीज आपको अच्छी स्थिति में रखती हैं।''

हरमनप्रीत ने कहा, ''पर जब भी आप अगला मैच खेल रहे हों, तो आपको हमेशा पहली गेंद से ही शुरुआत करनी होती है और मुझे लगता है कि इस सीरीरज से निश्चित रूप से हमारा मनोबल बढ़ेगा लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हम आत्ममुग्ध हो जायें। जब हम स्वदेश लौटेंगे तो हमें फिर से नई शुरुआत करनी होगी।' भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड दौरे में सफलता का श्रेय टीम वर्क को दिया। उन्होंने कहा कि हमारी टीम पिछले कई वर्षों से कड़ी मेहनत कर रही थी जिसका परिणाम अब मिल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस शीर्ष, इंडिया चैम्पियंस अंतिम स्थान पर

डब्ल्यूसीएल अंक तालिका

टीम	मैच	जीत	हार	नो रिजल्ट	पॉइंट्स	नेट रन रेट
दक्षिण अफ्रीका	2	2	0	0	4	+2.813
ऑस्ट्रेलिया	2	1	0	1	3	+7.949
पाकिस्तान	2	1	0	1	3	+0.250
वेस्टइंडीज	3	1	2	0	2	-1.760
इंग्लैंड	3	0	2	1	1	-0.561
इंडिया	2	0	1	1	1	-4.345

लंदन। इस बार दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस टीम यहां जारी वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 अंकतालिका में नंबर एक स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका ने अब तक के अपने दोनो ही मैच जीते हैं। वहीं गत विजेता इंडिया चैम्पियंस टीम इस बार अंतिम स्थान पर है। इसके अलावा क्रिस लिन की शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया चैम्पियंस ने अपने पहले ही मैच में वेस्टइंडीज चैम्पियंस से मिले 143 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर शीर्ष-2 में स्थान बनाया है। दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस टीम ने अपने पहले मैच में वेस्टइंडीज चैम्पियंस को जबकि दूसरे मैच में इंडिया चैम्पियंस को हराया। ऑस्ट्रेलियाई चैम्पियंस टीम का बारिश के कारण इंग्लैंड चैम्पियंस के खिलाफ पहला मैच रद्द हो गया था।

पाकिस्तान चैम्पियंस तीसरे स्थान पर हैं। इसका कारण है कि उसे इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में जीत मिली पर भारत के खिलाफ उनका दूसरा मैच रद्द होने की वजह से दोनों टीमों को 1-1 अंक मिला। इंडिया चैम्पियंस ने पहलगात आतंकी हमले के विरोध में पाक टीम से खेलने से इंकार कर दिया था। इंडिया चैम्पियंस अब 26 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया चैम्पियंस से खेलेगी।

राहुल इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन बनाने वाले पांचवे भारतीय बने

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में 11 रन बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली। इसी के साथ ही राहुल ने इंग्लैंड में अपने 1000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। अब राहुल इंग्लैंड में अपने 1000 टेस्ट रन पूरे करने के मामले में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये हैं। इस सूची में 1575 रनों के साथ तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं, वहीं द्रविड़ 1376, गावस्कर 1152 और कोहली 1096 रनों के साथ ही दूसरे तीसरे और चौथे सथान पर हैं। राहुल ने इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों में चार शतक और दो अर्धशतक लगाये हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है। राहुल ने इससे पहले सर्वश्रेष्ठ टेस्ट सीरीज 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेली थी जिसमें उन्होंने चार मैचों और सात पारियों में 65.50 की औसत से 393 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम 6 अर्धशतक और 90 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके 10 में से 9 टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं।

शास्त्री ने इंजीनियर को अपने समय का पिन-अप बॉय बनाया

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर को अपने समय का पिन-अप बॉय बताया है। शास्त्री का ये बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच से पहले इंजीनियर को सम्मानित किया गया था। इस दौरान उनके नाम का एक स्टैंड भी बनाया गया। इंजीनियर ने अपने नाम के इस स्टैंड में ही बैठकर मैच देखा। इस दौरान कमेंट्री कर रहे शास्त्री ने कहा, फारुख अपने समय के पिन-अप बॉय थे। वे बहुत लोकप्रिय थे। वह शुरुआत से लेकर अब तक वे वैसे ही हैं, बिल्कुल नहीं बदले। वे एक बहुत अच्छे स्टोरी टेलर है पर उनकी जो एक सबसे बड़ी खूबी ये है कि वह खाते बहुत ज्यादा हैं। आप देखेंगे कि खाने के समय उनकी प्लेट हमेशा भरी रहती है। इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने मजाकिया अंदाज में कहा, वह उस पूरे दिन चलने वाले बुफे लाइन में आपके ठीक पीछे होंगे, रवि। गौरतब है कि लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड में इंजीनियर और वेस्टइंडीज के महान कप्तान क्लाइव लॉयड के नाम पर एक स्टैंड का अनावरण कर इन्हें सम्मानित किया।

शनिदेव का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। हरियाली अमावस्या के अवसर पर नगर सहित क्षेत्र में हर्ष उल्लास के साथ शनिदेव जन्मोत्सव धार्मिक मान्यता अनुरूप मनाया गया। जिसमें विभिन्न स्थानों पर भगवान शनिदेव के मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना कर तेल से अभिषेक एवं हवन पूजन किया जाता रहा। जहां लोगों ने आस्था के साथ माथा टेक कर आशीर्वाद ग्रहण कर मंगल करने की कामना की जाती रही। वहीं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान एवं आयोजन किए गए। इसी कड़ी में नगर के वार्ड नंबर ६ निर्मल नगर स्थित एकमात्र शनि मंदिर में २४ जुलाई को प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी धूमधाम के साथ शनि देव जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां पर सुबह ८ बजे से कार्यक्रम प्रारंभ किया गया जिसमें भगवान शनिदेव का विधि विधान से श्रृंगार अभिषेक कर आरती की गई। जिसके बाद शाम को हवन पूजन और शांति महायज्ञ कर रात्रि में महाआरती कर प्रसादी वितरण कर देर रात तक संगीतमय भजन संध्या का कार्यक्रम किया गया। इस दौरान सुबह से देर रात तक मंदिर में भगवान शनिदेव की पूजा अर्चना कर तेल चढ़ाने के लिए भक्तों के पहुंचने का दौर जारी रहा। जिसमें बड़ी संख्या में नगर सहित क्षेत्र के भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर भगवान शनिदेव का आशीर्वाद ग्रहण किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए पंडित गिरधर जोशी ने बताया कि श्रावण मास की हरियाली अमावस्या को भगवान शनिदेव का जन्म हुआ था। इसलिए, प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्रावण मास की हरियाली अमावस्या को शनि मंदिर में भगवान शनिदेव का जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें पूजन अर्चन अभिषेक कर हवन पूजन और महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। जिसके तहत सुबह से देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रम किए गए हैं इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने पहुंचकर भगवान शनिदेव का आशीर्वाद ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किया।

दो सगे भाई ने कृषक को फावड़े से मारकर किये घायल

घायल कृषक सुखदेव बैहर के अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम झांगुल में बोदा के द्वारा फसल को नुकसान पहुंचाने के विवाद से उपजी रंजिश को लेकर दो लोगों ने एक कृषक को फावड़े से मारपीट कर घायल कर दिए घायल व्यक्ति सुखदेव पिता द्वारका प्रसाद चोरठे55 साल ग्राम कुमनगांव थाना परसवाड़ा निवासी है। जिसे बैहर के अस्पताल में भर्ती किया गया है।बैहर पुलिस ने इस कृषक द्वारा की गई रिपोर्ट पर द कृष्ण कुमार पिता श्रीराम चोरठे और उसके भाई रामकुमार पिता श्रीराम चोरठे ग्राम झांगुल निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुमनगांव थाना परसवाड़ा निवासी सुखदेव चोरठे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिसकी ग्राम झांगुल में पैतृक संपत्ति है। डेढ़ एकड़ जमीन सीता डोंगरी हार में है। इस खेत की जमीन पर सुखदेव चोरठे ने बोवार धान बोया है। 22 जुलाई को सुखदेव चोरठे हल बोदा लेकर अपने खेत की बयासी करने के लिए झांगुल गया था। सभी सुखदेव चोरठे के बोदा ने कृषक श्री राम चोरठे के खेत की धान की फसल को नुकसान पहुंचा दिया था। 23 जुलाई को सुबह 8:00 बजे सुखदेव चोरठे अपने खेत में सोडा डालने गया था और दीपचंद चोरठे के साथ खेत में बैठा था। इस समय कृषक श्रीराम चोरठे के दोनों बेटे कृष्ण कुमार चोरठे और रामकुमार चोरठे दोनों सुखदेव चोरठे के पास आए और बोलने की तूने हमारे खेत की धान की फसल को बोदा से नुकसान करवाया है। और दोनों भाई, सुखदेव चोरठे को हाथ बुक्के से मारपीट किये और फावड़े से सुखदेव पर वार कर दिए। फावड़े का वार सुखदेव चोरठे के बाएं पैर जांघ हाथ कलाई और शरीर के अन्य जगह लगने से सुखदेव चोरठे घायल हो गया। सुखदेव चोरठे के चिल्लाने पर वहीं कृषि कार्य कर रहे कृषक दौड़े और बीच बचाव किये। इसके बाद कृष्ण कुमार चोरठे और उसके भाई रामकुमार चोरठे ने सुखदेव चोरठे को फसल को बोदा से पुनः नुकसान करवाने पर जान से मार डालने की धमकी देकर चले गए। फावड़े के वार से घायल सुखदेव चोरठे को बैहर के अस्पताल में भर्ती किया गया था। बैहर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर सुखदेव चोरठे का बयान लिए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर कृष्ण कुमार चोरठे और उसके भाई रामकुमार चोरठे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) 117(2) 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

विधानसभा के मानसून सत्र में आएगा जन विश्वास बिल 2.0

- 13 विभागों की 45 धाराएं होंगी संशोधित

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में जन विश्वास बिल 2.0 पेश करने जा रही है। यह बिल राज्य में पुराने और सख्त कानूनों को आसान बनाने की दिशा में एक और कदम है। खास बात यह है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जो इस बिल का दूसरा चरण ला रहा है। इससे पहले जन विश्वास बिल 1.0 के तहत राज्य सरकार ने 5 विभागों के 8 कानूनों की 64 धाराओं में बदलाव किया था। अब बिल के दूसरे चरण में सरकार 13 विभागों के 23 कानूनों की कुल 45 धाराओं में संशोधन करने जा रही है। बिल का उद्देश्य आम जनता और उद्यमियों को अनावश्यक कानूनी झंझटों से राहत देना है। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर इन प्रस्तावित बदलावों पर चर्चा की और उन्हें अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बिल का मुख्य उद्देश्य सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' नीति को और बेहतर बनाना है, ताकि आम नागरिकों और व्यापारियों को सरल और न्यायसंगत प्रक्रिया का लाभ मिल सके। छोटी-मोटी गलतियों पर अब जेल नहीं होगी, बल्कि दंड या जुर्माने का प्रावधान रहेगा। एंटी मीजल्स वैक्सीनेशन एक्ट 1968 को हटाया जाएगा। यह कानून खसरा वैक्सीन को अनिवार्य बनाता था। गृह विभाग का एनाटॉमी एक्ट भी बदला जाएगा। नगरीय प्रशासन विभाग की नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 208 और नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 195 में संशोधन होंगे। मोटरयान कर नियमों में बदलाव कर जुर्माने की जगह दंड का प्रावधान किया जाएगा।

नशे से दूरी है जरूरी- जागरूकता अभियान

रूपझर पुलिस ने ग्राम सोनपुरी में निकाली रैली

उकवा(पद्मेश न्यूज)। नशे से दूरी है जरूरी पुलिस महा निदेशक भोपाल के मार्गदर्शन में समुचित प्रदेश में चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन एवं थाना प्रभारी रूपझर के कुशल मार्गदर्शन में जन-जागरूकता अभियान के तहत ग्राम सोनपुरी में स्कूली बच्चे, एवं ग्रामवासी जनसंवाद व शपथ कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। छात्रों, शिक्षकों व पुलिस अधिकारियों समाजसेवियों ग्राम वासियों ने मिलकर नशा मुक्ति का संकल्प लिया जिसमें ग्राम के नागरिक भी उपस्थित रहे एवं पीएम श्री स्कूल सोनपुरी के समस्त स्टाफ एवं बच्चे उपस्थित रहे। समाज में नशे के बढ़ते प्रचलन व युवाओं का इसमें लिप्त होना गहन चिंता का विषय है। नशे की रोकथाम के लिए जितना योगदान

प्रशासन, पुलिस व विद्यालयों का होता है उतना ही योगदान अभिभावकों का भी रहता है। अभिभावकों का अपने बच्चों की सामाजिक जिंदगी का ध्यान रखना व बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों बारे जागरूक करने से युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है। जहां प्रमुख रूप से सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष जेम्स बारीक सर, ग्राम पंचायत सरपंच सोनपुरी सुनील उइके ,रुपझर थाना से प्रधान आरक्षक राधेश्याम गायधने, आरक्षक जितेन्द्र ब्रम्हे, महिला रक्षण रसावती वरकडे, पीएम श्री स्कूल सोनपुरी प्रधान पाठक शोभाराम तेकाम, समाज सेवी संदीप गजभिये, मनोज अग्रवाल, तपेश घुले, डॉ प्रभात घुले, पीएम श्री स्कूल सोनपुरी समस्त स्टाफ ज्योति टेम्भरे,प्रेमलता ठाकरे,रामेश्वरी राणा,यूनिशा ठाकुर लक्ष्मी बाई गजबे आदि का सहयोग रहा।

सांसद श्रीमती पारधी ने लोकसभा अध्यक्ष से की भेंट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वर्तमान में चल रहे मॉनसून सत्र के दौरान 24 जुलाई को बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की और अपने संसदीय क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों, आगामी योजनाओं और उनकी प्रगति से अवगत कराया।

प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह 26 जुलाई को बालाघाट आगमन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह का 26 जुलाई को बालाघाट आगमन हो रहा है। प्रभारी मंत्री श्री सिंह 26 जुलाई को प्रातः 08 बजे ग्राम लोलरी जिला नरसिंहपुर से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगे और प्रातः 11:30 बजे बालाघाट पहुंचेंगे। बालाघाट जिला भाजपा कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से भेंट करने के बाद दोपहर 12 बजे वे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिंह दोपहर 1:30 बजे मुलना स्टेडियम बालाघाट में जुनियर बॉयज नेशनल फूटबाल चैंपियनशिप बीसी राय ट्रॉफी 2025-26 के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 02 बजे वे सांदीपनि विद्यालय बालाघाट के स्थापना दिवस

कार्यक्रम एवं दिव्यांगजनों व अन्य हितग्राहियों के हितलाभ वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिंह दोपहर 03 बजे बालाघाट से वारासिवनी के लिए प्रस्थान करेंगे और 03ः15 बजे दीनदयाल चौक वारासिवनी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात वे अपरान्ह 04 बजे खापा विसाग बायो फ्यूल प्रा.लि. द्वारा शासकीय माध्यमिक शाला, प्राथमिक शाला गोंडीटोला सहित गांव की 03 आंगनवाड़ी केंद्रो के उन्नयन एवं जीर्णोद्धार तथा खापा ईथेनाल प्लांट में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिंह अपरान्ह 04:30 बजे खापा से ग्राम लोलरी जिला नरसिंहपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने कार्यशाला सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सेंट मैरी ईंग्लिश मीडियम स्कूल में 6 म. प्र स्वतंत्र कंपनी बालाघाट के तत्वाधान में पर्यावरण को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य रूप से बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने सहित पर्यावरण से जुड़े अन्य विषयों पर विस्तृत जानकारिया दी गई।लेफ्टिनेंट कर्नल विनित कमल गुप्ता के मार्गदर्शन में (विकसित भारत) अंतर्गत (बंजर) विषय पर एनसीसी कैडेट्स को बंजर जमीन के बारे में समझाया गया।जिसमें ज़मीन को एवं वातावरण को होने वाले नुकसान के बारे समझाया गया।वही वातावरण को हंम मानव के द्वारा कैसे संभाला जा सकता है ।वह भी बताया गया। इस आयोजन में डॉक्टर रिजवान खान शाला प्रबंधन फादर जय प्रकाश, शाला प्राचार्य सिस्टर पावना, सीटीओ नविता मैथ्यू एवं शाला के शिक्षक, एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का बनाया जाए शौर्य स्मारक एंव प्रवेश द्वार

बालाघाट(पदमेश न्यूज)।अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा एवं सर्व गढ़वाल महासभा पदाधिकारियो द्वारा नगर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो के शौर्य स्मारक एंव प्रवेश द्वार बनाए जाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौपा गया है।गुरुवार को नगर पालिका पहुचकर समाज के पदाधिकारियों ने नपा अध्यक्ष एंव उपाध्यक्ष को ज्ञापन सौपते हुए, उक्त मांग को जल्द से जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई ज्ञापन को लेकर पदाधिकारियो द्वारा बताया गया कि देश की आजादी की लड़ाई में सर्व समाज के अनेक देशभक्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।जिसमे गढ़वाल समाज के 52 देशभक्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संपूर्ण देश में आजादी का अमृत महोत्सव बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा। बालाघाट जिले के समस्त युवाओं तथा

लोगों को बालाघाट जिला के सर्व समाज के समस्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में जानकारी हो तथा उन्हें आदर सहित सम्मान के साथ हमेशा याद किया जाए और सभी में देशप्रेम की भावना जागृत हो। इसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को सार्थक करने के लिए बालाघाट नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर एंव उपाध्यक्ष योगेश बिसेन को बालाघाट जिला के सर्व समाज के समस्त स्वतंत्रता सेनानियों की याद में समस्त स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शौर्य स्मारक एंव प्रवेश द्वार बनाये जाने के लिए, भूमि आवंटित किए जाने का मांग पत्र सौपा गया है।इस दौरान अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा एंव सर्व गढ़वाल महासभा अध्यक्ष सचेन्द्र सिलेकर, भाजयुमो पूर्व जिलाध्यक्ष गजेन्द्र भारद्वाज, अभागसम उपाध्यक्ष राम ब्रम्हे, समाज सेवी नन्दकिशोर चावले सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व अन्य सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गायखुरी के सिंगल टोली में जर्जर मकान की दीवार गिरी- एक व्यक्ति काम ही रूप से घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गायखुरी के सिंगल टोली में एक जर्जर मकान की दीवार दूसरे मकान में गिरने से उसे मकान में सो रहे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया ।गंभीर रूप से घायल व्यक्ति चैतराम पिता भंगीलाल मरकाम 55 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिसकी हालत चिंताजनक बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चैतराम मरकाम के परिवार में पत्नी बिलसो बाई मरकाम और बेटा चक्रधर मरकाम है। चैतराम मरकाम अपने परिवार के साथ मजदूरी करता है। बताया गया है कि चैतराम मरकाम के घर के बाजू में एक पुराना जर्जर मकान 5 वर्षों से खाली पड़ा हुआ है। 24 जुलाई की शाम 6ः30 करीब चैतराम मरकाम अपने घर में दीवाल के बाजू में नीचे सो रहा था। उसकी पत्नी बिलसो बाई घरेलू काम कर रही थी और बेटा चक्रधर मरकाम मजदूरी करने गया था। तेज बारिश के दौरान अचानक खाली पड़े जर्जर मकान की दीवार चैतराम मरकाम के मकान के ऊपर गिर गई और जिससे चैतराम मरकाम दीवार में दबने से गंभीर रूप से घायल बेहोश हो गया।बताया गया है कि आसपास के मोहल्ले पड़ोस वालों ने दीवार के मलबा में दबे चैतराम मरकाम को बाहर निकले और उसे तुरंत जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया। चैतराम मरकाम की हालत गंभीर बताई गई है।

खेल प्रशासन के तरीके को पूरी तरह बदल देगा...राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, जो कि हाल ही में लोकसभा में प्रस्तुत किया गया है, भारत में खेल प्रशासन के तरीके को पूरी तरह से बदलने का वादा करता है। यह विधेयक देश में खेल निकायों की पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यप्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से कई बड़े बदलाव प्रस्तावित करता है।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अनुसार अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कोई भी व्यक्ति लगातार केवल तीन कार्यकाल (कुल 12 वर्ष) तक ही रह सकता है। पदाधिकारियों के लिए अधिकतम आयु सीमा 70 वर्ष निर्धारित की गई है, हालांकि अंतरराष्ट्रीय नियमों की अनुमति होने पर नामांकन के समय इस सीमा को 75 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

इतना ही नहीं किसी भी खेल संस्था की कार्यकारी समिति में अधिकतम 15 सदस्य हो सकते हैं, जिससे वित्तीय दबाव कम किया जा सके। कार्यकारी समिति में कम से कम दो उत्कृष्ट खिलाड़ी और चार महिलाओं का होना अनिवार्य होगा। यह कदम खेल प्रशासन में लैंगिक समानता और खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करेगा। यह विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है, जो सभी राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफएस) को मान्यता देने या निलंबित करने का सर्वोच्च अधिकार रखेगा।

वहीं एनएसबी में एक अध्यक्ष और सदस्य होगा, जिनकी नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा योग्य, ईमानदार और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के द्वारा की जाएगी। ये नियुक्तियां एक खोज सह चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर होंगी, जिसकी अध्यक्षता कैबिनेट सचिव या खेल सचिव करेंगे। इस समिति में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के महानिदेशक, दो अनुभवी खेल प्रशासक और एक प्रसिद्ध खिलाड़ी (जिन्हें द्रोणाचार्य, खेल रत्न या अर्जुन पुरस्कार मिला हो) शामिल रहन वाले है।

एनएसबी किसी भी राष्ट्रीय खेल संगठन की मान्यता रद्द कर सकता है यदि वह समय पर चुनाव नहीं कराता, चुनाव प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियां मिलाती हैं, सालाना ऑडिट रिपोर्ट प्रकाशित नहीं करता, या सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करता है। इसतरह के कदम उठाने से पहले बोर्ड को संबंधित वैश्विक संस्था से परामर्श करना होगा। केवल वही खेल संगठन जिन्हें एनएसबी से मान्यता मिली होगी, वे ही केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता या मदद प्राप्त कर सकते है।

धान बीज के नमूने अमानक पाए जाने का मामला

04 बीज उत्पादक कम्पनियो को कारण बताओ नोटिस जारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। उपसंचालक कृषि एवं अधिसूचित प्राधिकारी फूलसिंह मालवीय ने प्रयोगशाला परीक्षण में धान बीज एवं के नमूने अमानक पाए जाने पर 04 बीज उत्पादक कम्पनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनकी कम्पनी को बालाघाट जिले में बीज के?यवसाय करने से प्रतिबंधित कर दिया जाए। इन कम्पनियों के संचालकों को 03 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार रहेंगे। मप्र कृषि केंद्र इतवारी गंज बालाघाट से पान सीड कम्पनी सतीष मुखर्जी रोड कोलकाता के धान बीज किस्म 9148 लाट न. 010094825 के-01-एफ एवं रिमोली सीड्स कम्पनी जंगलमहल गोसैनपुर जौयपुर पश्चिम बंगाल के धान बीज किस्म पान-804 लाट न. 050593 पी-04-02-सी, साहू कृषि केंद्र बैहर से इन्विक्टा एग्रीटेक कम्पनी सिकंदराबाद तेलंगाना के धान बीज किस्म बीबी-11 लाट न. 102 आर-2420538 तथा कटंगी विकासखंड के अंतर्गत मातृकृपा कृषि सेवा केंद्र कोहका से यूनिक एग्रीटेक वडगांव पुणे महाराष्ट्र के धान बीज किस्म 2223 लाट न. एपीके-2223240002 का नमूना एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया था। प्रयोगशाला जांच में इन कम्पनियों के उक्त लाट न. के धान बीज अमानक स्तर के पाए गए है। इन धान बीज उत्पादक कम्पनियों के संचालकों को निर्देशित किया गया है कि अमानक लाट से संबंधित बीज की कितनी मात्रा विक्रय की गई है इसकी जानकारी तत्काल उपलब्ध कराए।

10 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ाया डाटा एंट्री ऑपरेटर

लोकायुक्त पुलिस ने की कार्यवाही, ऑपरेटर ने नई आधार आईडी बनाने के लिए मांगा था रूपये, आधार केंद्र के संचालक ने की थी शिकायत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जबलपुर लोकायुक्त पुलिस ने कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 119 में डाटा एंट्री ऑपरेटर राजेंद्र मस्करे को 10,000 रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है। जिसमें बताया जा रहा है कि राजेंद्र द्वारा आधार कार्ड की आईडी बंद होने पर, पुनः नवीन आईडी बनाए जाने को लेकर 10000 रूपये की राशि मांगी गयी थी। जिसमें कटंगी क्षेत्र के एक आधार केंद्र के संचालक द्वारा 10000 रूपये की रिश्वत मांगने के मामले में जबलपुर लोकायुक्त पुलिस में शिकायत की गई थी। जिसमें लोकायुक्त पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डाटा एंट्री ऑपरेटर राजेंद्र को पकड़ लिया है। यह कार्रवाई कलेक्टर कार्यालय में होने के कारण यहां लगने वाले अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी सभी इस कार्रवाई को देखते हुए आश्चर्यचकित थे। सभी कलेक्टर कार्यालय के परिसर में खड़े होकर इस पूरे मामले को लेकर चर्चा कर रहे थे। सुबह 11:00 बजे से चल रही इस कार्रवाई का असर सीधे कलेक्टर कार्यालय के लगने वाले अन्य विभागों पर भी देखने मिला और सभी इस पूरे विषय को लेकर दिनभर चर्चा करते नजर आए।

आपको बता दे की गुरुवार को प्रातः 11:00 बजे कलेक्टर कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया, जब कलेक्टर कार्यालय के परिसर में लगने वाले कक्ष क्रमांक 119 में जबलपुर से पहुंची लोकायुक्त पुलिस की 8 सदस्यीय टीम ने यहां काम कर रहे डाटा एंट्री ऑपरेटर को रंगे हाथ 10000 रूपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया और कार्रवाई शुरू कर दी। कलेक्टर परिसर होने के कारण अन्य विभाग के कर्मचारी यहां से इस कार्रवाई को देखते हुए आश्चर्यचकित थे। सभी में अचानक इस कार्रवाई को देखते हुए हड़कंप मच गया। कलेक्टर परिसर में अलग-अलग विभाग के अधिकारी, कर्मचारी इस कार्रवाई को लेकर चर्चा करने लगे। बताया जा रहा था कि कलेक्टर कार्यालय में लगने वाले लोक सेवा केंद्र में डाटा एंट्री ऑपरेटर राजेंद्र मस्करे बीते एक वर्षों से अतिरिक्त कलेक्टर के न्यायालय के कार्य और लोक सेवा केंद्र के राजस्व से संबंधित कार्य को करते थे। जिसका कार्य वह कलेक्टर परिसर में लगने वाले कक्ष क्रमांक 119 में बैठकर करते थे। जिन्हें 24 जुलाई को लोकायुक्त पुलिस द्वारा आधार आईडी नई बनवाने के नाम पर 10000 रूपये की रिश्वत मांगी गई थी। जिसकी शिकायत

आधार केंद्र के संचालक द्वारा की गई थी। जिस पर लोकायुक्त पुलिस ने बालाघाट कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर यह कार्रवाई की हैं।

आधार आईडी नवीनीकरण के लिए मांगा गया था10000 रूपये

लोकायुक्त पुलिस के निरीक्षक जितेंद्र यादव द्वारा बताया गया कि वर्ष 2024 में जिले के कटंगी क्षेत्र में आधार केंद्र का संचालन करने वाले मेहरचंद सुलखिया द्वारा आधार आईडी बंद हो जाने के कारण, लोक सेवा केंद्र में पुनः नवीन आधार आईडी बनाए जाने को लेकर आवेदन किया गया था। मेहरचंद कटंगी क्षेत्र में आधार केंद्र चलाते हैं। यहां उनकी पत्नी अनुसुइया सुलखिया आधार से संबंधित कटंगी में काम करती है। वह महेकेपार निवासी हैं। उनके सेंटर की आधार आईडी किसी कारण वश बंद हो गई थी। उन्होंने लोक सेवा केंद्र में पुनः नवीन आधार आईडी बनाए जाने को लेकर आवेदन किया था। जिसमें लोक सेवा केंद्र के डाटा एंट्री ऑपरेटर राजेंद्र मस्करे द्वारा पुनः नवीन आईडी बनाए जाने के लिए 10000 रूपये की मांग की गई थी। जिस पर मेहरचंद द्वारा इस प्रकार मांगी जा रही रिश्वत की शिकायत जबलपुर लोकायुक्त पुलिस में की गई थी। इसी शिकायत पर जबलपुर लोकायुक्त पुलिस ने राजेंद्र मस्करे को 10000 रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा लिया गया।

कलेक्टर परिसर में मचा हड़कंप

24 जुलाई को जैसे ही लोकायुक्त पुलिस की आठ सदस्यीय टीम ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कक्ष क्रमांक 119 में राजेन्द्र को रिश्वत लेते पकड़ा। उसके बाद से ही यहां इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया। अलग-अलग विभाग के अधिकारी कर्मचारी यहां से गुजरते समय इस कार्रवाई को देख रहे थे। कलेक्टर परिसर में खड़े होकर सभी अधिकारी, कर्मचारी झुंड के रूप में चर्चा करने लगे। यह चर्चाओं का दौर दिनभर पूरी कार्रवाई के होते तक चलता रहा।

पुलिस ने राजेश को रंगे हाथ पकड़ लिया- जितेंद्र यादव

लोकायुक्त पुलिस जबलपुर से पहुंचे निरीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि आधार सेंटर कटंगी के संचालक की शिकायत पर आज उन्होंने कलेक्टर परिसर के कक्ष क्रमांक 119 में 8 सदस्यीय टीम के साथ यह कार्रवाई की है। इसमें डाटा एंट्री ऑपरेटर ने 10000 रूपये की रिश्वत मांगी थी। इसके पहले शिकायतकर्ता द्वारा कोई राशि नहीं दी गई थी। आज 10000 रूपये की राशि लेते पुलिस ने राजेश को रंगे हाथ पकड़ लिया है। अब आगे विधिवत कार्रवाई की जाएगी।

मौसम बिसेन ने किया मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के सदस्य का पदभार ग्रहण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी की जिला महामंत्री मौसम बिसेन ने मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण

आयोग के सदस्य बनने के बाद 24 जुलाई को आयोग अध्यक्ष रामकृष्ण कुसमरिया व पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन की उपस्थिति में आयोग कार्यालय पहुंचकर सदस्य का पदभार ग्रहण कर लिया है। इस पदभार ग्रहण कार्यक्रम में आयोग के अधिकारी ,कर्मचारियों के साथ मौसम बिसेन के समर्थक और भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। आपको बता दे की 23 जुलाई की देर शाम सोशल मीडिया पर भारतीय जनता पार्टी की जिला महामंत्री और पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन की बेटी मौसम बिसेन को मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के सदस्य बनाए जाने का पत्र जारी हुआ था। जिसके बाद मौसम बिसेन के समर्थकों के साथ भाजपा कार्यकर्ता में खुशी की लहर व्याप्त हो गई थी। देर शाम 23 जुलाई को मौसम बिसेन के समर्थक को सहित स्थानीय भाजपा कार्यालय में जश्न का माहौल भी देखने को मिला था। यहां मौसम बिसेन के समर्थकों ने अलग-अलग माध्यम से मौसम बिसेन को आयोग के सदस्य बनाए जाने को लेकर बधाई दिया था। 24 जुलाई को मौसम बिसेन ने भोपाल पहुंचकर पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के कार्यालय में आयोग अध्यक्ष रामकृष्ण कुसमरिया व पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन की उपस्थिति में आयोग सदस्य का पदभार ग्रहण कर लिया है। इस पदभार ग्रहण के कार्यक्रम में आयोग के अधिकारी, कर्मचारी के साथ-साथ पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन,पूर्व लांजी विधायक रमेश भटेरे, नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर , नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, जैनेद्र कटरे, राम मिश्रा और अन्य भाजपा पदाधिकारी के साथ मौसम बिसेन के समर्थक इस पदभार ग्रहण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मौसम बिसेन ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से भी मुलाकात की और दिए गए इस दायित्व को पूरी ईमानदारी के साथ निभाए जाने की बात कही । सूत्रों की माने तो जल्द ही मौसम बिसेन अब आयोग की सदस्य बनने के बाद रविवार को बालाघाट पहुंचेगी। यहां उनका जगह-जगह स्वागत की तैयारी भी शुरू हो गई है ।

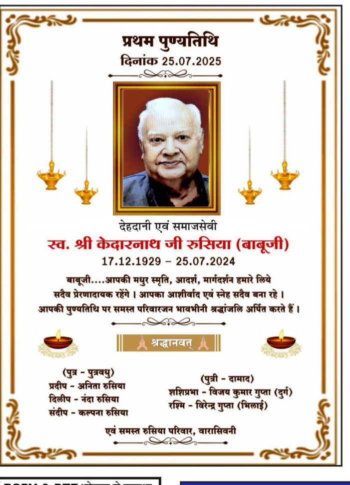

आवश्यकता है
संस्थान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक के समीप, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढ़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया इलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवादी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

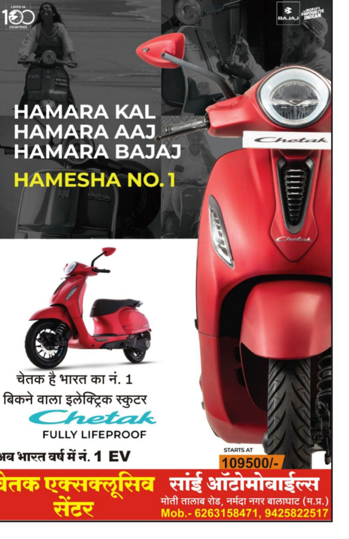

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट